Maple EDUCATION

ANSWER KEY

सतरंग हिन्दी

Class
1 To 5

Written By :
Anuja Arora

PURPLE STROKE

© All Rights Reserved Information contained in this book has been published by MAPLE EDUCATION (A UNIT OF PARI PUBLICATION) has been obtained by its authors from sources believed to be reliable and are correct to the best of the knowledge. However, the publisher and its authors shall in no event be liable for any errors, omissions or damages arising out of use of this information and specifically disclaim any implied warranties or merchantability or fitness for any particular use.
Warm Welcome for your suggestions and guidelines to improve the book for bright educational INDIA.

सतरंग हिन्दी

कक्षा - 1

अध्याय- 2 बिना मात्रा वाले दो वर्णों से बने शब्द

(क) घर, जल, बस, नल, छत, चख **(ख)** नल, रथ, टब, थन

अध्याय- 3 बिना मात्रा वाले तीन वर्णों से बने शब्द

(क) पहन, सड़क, गरम, कमल, शहद, कलश **(ख)** कमल, मटर, भगत, कमर

अध्याय- 4 बिना मात्रा वाले चार वर्णों से बने शब्द

(क) उबटन, अचकन, हलधर, शरबत, खटमल, अदरक **(ख)** बरतन, शलजम, बरगद, सरकस

अध्याय- 5 'आ' की मात्रा (ा) का प्रयोग

(क) काला, आम, अनार, बादल, राजा, छाता **(ख)** हाथ, राजा, ताला, गाजर

अध्याय- 6 'इ' की मात्रा (ि) का प्रयोग

(क) टिकिया, रविवार, चिड़िया, पिकनिक **(ख)** किसान, डिबिया, गिरगिट, नारियल

अध्याय- 7 'ई' की मात्रा (ी) का प्रयोग

(क) फकीर, पतीली, नीली, अनीता, **(ख)** मछली, खीरा, चीता, वीणा

अध्याय- 8 'उ' की मात्रा (ु) का प्रयोग

(क) सुहावना, गुलशन, बुलबुल, ससुराल **(ख)** मुनि, फुटबॉल, कुटिया, गुलाब

अध्याय- 9 'ऊ' की मात्रा (ू) का प्रयोग

(क) चूहा, मयूर, भालू, चूरन, जूता **(ख)** भालू, ऊन, कबूतर, सूरज

अध्याय- 10 'ए' की मात्रा (े) का प्रयोग

(क) चेली, देश, अजमेर, नेवला, केक **(ख)** बेल, रेलगाड़ी, भेड़, मेज

अध्याय- 11 'ऐ' की मात्रा (ै) का प्रयोग

(क) कसैला, दैनिक, सैनिक, पैसा **(ख)** पैसा, बैल, मैना

अध्याय- 12 'ओ' की मात्रा (ो) का प्रयोग

(क) कोयल, तोता, लोहा, ढोलक **(ख)** ढोलक, घोड़ा, मोर, तोता, डोर

अध्याय- 13 'औ' की मात्रा (ौ) का प्रयोग

(क) कौआ, औरत, मौसा, पौधा **(ख)** पौधा, तौलिया, चौकीदार, नौका, कौआ, औरत

अध्याय- 14 'अं' की मात्रा (ं) का प्रयोग

(क) मंदिर का घंटा बज गया। अंजना और रंजना दोनों ने एक-दूसरे पर रंग डाला। **(ख)** बंदर, चुकंदर, शंकर, कंचन, अंगूर, पतंग, झंडा, लंगूर, मंगल, चंदा, रंजना

अध्याय- 15 चन्द्र बिन्दु की मात्रा (ँ) का प्रयोग

(क) चाँद रात में निकलता है। माँ आँगन में साँप कहाँ से आया ? **(ख)** 1. (2) 2. (1) 3. (5) 4. (4) 5. (7) 6. (6) 7. (3) 8. (8)।

अध्याय- 16 विसर्ग की मात्रा (:) का प्रयोग

(क) 1. स्वत: स्वत: स्वत: 2. क्रमश: क्रमश: क्रमश: 3. नम: नम: नम: 4. शनै: शनै: शनै: 5. नम: नम: नम: 6. प्रात: प्रात: प्रात: 7. पुन: पुन: पुन: 8. दु:ख दु:ख दु:ख। **(ख)** 1. स्वत: दु:ख के बीज मत बो। 2. छ: वेदों का प्रात: नाम लो। 3. पुन:-पुन: क्रमश: पाठ याद करो। 4. काम बिगड़ने पर वह प्राय: दु:खी होता है।

अध्याय- 17 'ऋ' की मात्रा (ृ) का प्रयोग

(क) 1. मृग, मृग, मृग। 2. कृपा, कृपा, कृपा। 3. नृप, नृप, नृप। 4. पृथ्वी, पृथ्वी, पृथ्वी। 5. ऋषि, ऋषि, ऋषि। 6. कृति, कृति, कृति। 7. सृजन, सृजन, सृजन। 8. पृथक, पृथक, पृथक। **(ख)** 1. नृप ने पृथु को पृथ्वी दान दी। 2. कृपालु पृथ्वी पर कृपा करके आए। 3. मृग पृथ्वी पर सुंदर कृति है।

अध्याय- 18 'र' की मात्रा (र्) (्र) (ृ) का प्रयोग

(क) 1. भ्रमण 2. विक्रम 3. विक्रेता 4. प्रकाश 5. प्रसाद 6. धर्म 7. निर्भय 8. कार्य 9. पूर्ण। **(ख)** 1. प्रसाद ग्रहण कर। 2. कथा श्रवण कर। 3. निर्भय रहकर कार्य पूर्ण कर।

अध्याय- 19 आम का पेड़

(क) 1. आम खाकर रवि ने सोचा, ऐसे ही आम मैं अपने बगीचे में लगाऊँगा। 2. वर्षा होने पर रवि ने जहाँ गुठली दबाई थी वहाँ लाल-लाल कोपलों वाला नन्हा पौधा उग गया। 3. आम के पेड़ पर लगे फूल को 'बौर या मंजरी' कहते हैं। 4. आम की लकड़ी यज्ञ के काम आती है। 5. आम के पत्तों की माला बनाकर घर के दरवाजों पर बाँधी जाती है, उसे बंदरवार कहते हैं। **हॉट प्रश्न –** रवि ने बगीचे में आम का पौधा लगाने के लिए एक जगह थोड़ी-सी मिट्टी खोदी और उसमें आम की गुठली डाल दी और उस पर पानी छिड़क दिया। वर्षा होने पर वहाँ लाल कोपलों वाला नन्हा पौधा उग गया। **(ख)** 1. मीठे 2. गर्मियों 3. तना 4. गुठली 5. पवित्र। **(ग)** 1. मिट्टी 2. प्रतिदिन 3. मामाजी 4. थोड़ी 5. निश्चय 6. विष **(घ)** प्रसन्न, स्वादिष्ट, कोपलें, हल्की। **क्रियाकलाप–** छात्र स्वयं करे।

अध्याय- 20 समय का महत्त्व

(क) 1. प्रद्युम बहुत आलसी होने के कारण कोई काम समय पर नहीं करता था, इसलिए उसे डाँट मिलती थी। 2. जो बालक माता-पिता व गुरू का आशीर्वाद पाता है, वह सदा सफलता प्राप्त करता है। 3. जो बालक न तो समय पर सोकर उठते हैं और न ही साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं, उनमें आलस्य बहुत होता हैं। 4. प्रद्युम ने सभी बुराइयाँ त्यागने का प्रण किया। **हॉट प्रश्न –** प्रद्युम में बुराइयाँ होने के प्रमुख कारण थे – बुरी संगत, आलस और झूठ बोलना। **(ख)** 1. आशीर्वाद 2. पता 3. शर्मिन्दा। **(ग)** 1. लड़के 2. अच्छे 3. बच्चे 4. केले 5. शिकायते। **(घ)** 1. सूर्य 2. विद्यालय 3. आशीष 4. बुराइयाँ 5. स्वयं। **क्रियाकलाप–** छात्र स्वयं करे।

अध्याय- 21 दीपावली

(क) 1. शशि और उसका भाई पापा के साथ बाजार गए। 2. उन्होंने बहुत सारे पटाखे व मिठाइयाँ खरीदी। 3. दीपावली पर लोग मोमबत्तियाँ व दीपक जलाते हैं। 4. शाम के समय सारा वातावरण दीपकों से जगमगा उठा। 5. दीपावली के दिन गणेशजी और लक्ष्मीजी की पूजा की जाती है। हॉट प्रश्न – दीपावली वाले दिन भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और सीता अयोध्या लौटकर आए थे। **(ख)** 1. दीपावली 2. पटाखे 3. मोमबत्ती 4. लक्ष्मीजी 5. पटाखों। **(ग)** 1. दीपावली दीपों का त्योहार है। 2. माँ ने मिठाई बनाई। 3. हम बाजार से पटाखे लाये। 4. मोमबत्ती से हमने रोशनी की। 5. मैं रोज सुबह पूजा करता हूँ। **(घ)** 1. राशि 2. रॉकेट 3. मिठाइयाँ 4. अनार। **क्रियाकलाप –** 1. पटाखे हाथ में पकड़कर नहीं चलाने चाहिए। 2. पटाखे जलाते समय सूती कपड़े पहनने चाहिए। 3. पटाखे बड़ों की उपस्थिति में जलाने चाहिए। 4. खुले मैदान में पटाखे जलाने चाहिए। 5. पटाखों के गंदे हाथ आँख व मुँह में नहीं लगाना चाहिए।

अध्याय- 22 हमारी गाय

(क) 1. गाय का नाम गंगा है। 2. गाय के बच्चे को बछिया कहते हैं। 3. गाय हरी घास खाती है। 4. हिन्दू गाय की पूजा करते हैं। **हॉट प्रश्न –** हिन्दू धर्म में मान्यता है कि गाय में छत्तीस करोड़ देवी-देवताओं का वास होता हैं इसलिए हम गाय की पूजा करते हैं। **(ख)** 1. गंगा 2. बछिया 3. घास 4. पूजा 5. लाल। **(ग)** 1. गाय की पूजा करते हैं। 2. बाजार 3. हरी घास 4. बछिया 5. गंगा। **(घ)** 1. गंगा 2. बछिया 3. घास 4. दूध 5. रूचि 6. विद्यालय। **क्रियाकलाप –** 1. पनीर 2. घी 3. दही 4. मक्खन 5. मिठाई।

अध्याय- 23 बागवानी

(क) 1. अनुज हमेशा नए प्रश्न पूछता रहता था। 2. रामू काका गुलाब के पौधे लगाने के लिए जमीन खोद रहे थे। 3. जमीन को तैयार करने के लिए हम उसे अच्छी प्रकार साफ कर लेते हैं। खेतों में बैल या ट्रैक्टर से जुताई की जाती है। छोटी क्यारियों को फावड़े से खोदा जाता है व गोबर डाला जाता है। 4. पौधे अपना भोजन जमीन से प्राप्त करते हैं, पौधे जड़ों द्वारा पानी लेते हैं। **हॉट प्रश्न –** मिट्टी में गोबर की खाद मिलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ जाती है। **(ख)** 1. खुरपी 2. भुरभुरी 3. ट्रैक्टर। **(ग)** 1. पौधे 2. जुताई 3. खाद। **(घ)** 1. क्यारी 2. जुताई 3. पौधे 4. अच्छी 5. बीज 6. खेतों 7. तैयार 8. जड़ों। **(ङ)** 1. नटखट 2. क्यारी 3. आवश्यकता 4. भुरभुरी। **क्रियाकलाप–** छात्र स्वयं करे।

अध्याय- 24 नन्हीं चिड़िया

(क) 1. चिड़िया आकाश में उड़ती है। 2. चिड़िया अपने बच्चों के लिए दाना चुनकर लाती है। 3. चिड़िया का घर तिनकों से बना होता है। 4. चिड़िया बच्चों को मेहनत का पाठ सिखाती है। **हॉट प्रश्न –** चिड़िया से हमें मेहनत करने व प्रसन्नचित रहने की शिक्षा लेनी चाहिए। **(ख)** 1. आसमान 2. दाना 3. पत्तें 4. मेहनत। **(ग)** 1. उड़ती 2. तिनका 3. निर्भर 4. सिखाती। **क्रियाकलाप –** 1. कबूतर 2. चिड़िया 3. तोता 4. कोयल 5. कौआ।

अध्याय- 25 मदारी

(क) 1. मदारी के पास बंदर था। 2. राहुल और मोहन मदारी के पीछे दौड़े। 3. मदारी डमरू बजा रहा था। 4. बंदर खेल खत्म होने पर कटोरी लेकर सबके सामने घूमा। **(ख)** 1. बंदर 2. डमरू 3. खुश 4. पैसे। **(ग)** 1. डमरू बजाया। 2. नाच दिखाया। 3. बहुत खुश थे। 4. पैसे दिये। 5. बहुत मजेदार था। **हॉट प्रश्न –** बंदर ने तारे के गोले को छलांग लगाकर पार करना, दो पैरों पर झूम-झूम कर चलना, एक पैर पर नाचने का करतब दिखाया। **(घ)** 1. मदारी 2. बंदर 3. डमरू 4. ऊषा 5. वृद्ध 6. छलांग। **क्रियाकलाप–** छात्र स्वयं करे।

अध्याय – 26 बाल-प्रार्थना

(क) 1. सवेरे उठकर हमें बड़ों के पैर छूने चाहिए। 2. प्रगति के पथ पर। 3. बच्चें पढ़-लिखकर महान बनने की बात कर रहे हैं। 4. बुरी आदतों से। **(ख)** 1. मार्ग 2. पढ़ 3. कष्टों 4. प्रेम **(ग)** 1. किसी से बैर। 2. सभी का मान। 3. तेरी संतान। 4. कहना माने। **हॉट प्रश्न –** हमें कष्टों से घबराना नहीं चाहिए। क्रियाकलाप – छात्र स्वयं करे।

अध्याय – 27 झगड़े की सजा

(क) 1. दोनों बिल्लियाँ एक भूरी और दूसरी काले रंग की थी। 2. बिल्लियाँ आपस में रोटी के लिए झगड़ा करने लगी। 3. रोटी के दोनों टुकड़ों को निरन्तर छोटा होते देखकर बिल्लियों ने अपनी रोटी बंदर से वापस माँगी। 4. रोटी माँगने पर बंदर ने अपनी मेहनत की कीमत माँगी। 5. बिल्लियों को आपस में झगड़े की सजा मिली। **(ख)** 1. नीरज 2. रोटी 3. बन्दर 4. तराजू 5. मुँह देखती **हॉट प्रश्न –** बन्दर थोड़ी-थोड़ी करके उनकी रोटी खाकर बिल्लियों के झगड़े को निपटाया। **(ग)** 1. एकदम 2. नासमझ 3. लगातार 4. उदास होना 5. परिश्रम 6. पास **(घ)** 1. बड़ा 2. काली 3. नाखुश 4. आलसी 5. शाम 6. तुम्हारा 7. बुरा 8. भोला। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करे।

कक्षा - 2

अध्याय- 1 भ्रमर

मौखिक अभ्यास – 1. भौंरा को भ्रमर कहते है। 2. भँवरा काले रंग का होता है। 3. भँवरा अपनी धुन में मस्त रहता है। **(क)** 1. भौंरा उपवन में रहता है। 2. भौंरा फूलों पर मँडराता है। 3. भौंरा फूलों का रस चूसता है। 4. भौंरा फूलों में ही सो जाता है। **हॉट प्रश्न –** फूलों पर तितलियाँ और भौंरे मंडराते है और फूलों का रस पीते हैं। **(ख)** 1. स 2. अ 3. स **(ग)** 1. उपवन 2. फूलों 3. काला 4. सोता। **(घ)** 1. रहता है। 2. फूलों पर मँडराता है। 3. काला है। 4. फूलों का रस चूसता है 5. बंद होता है। **(ङ)** 1. फूल सुन्दर है। 2. भौंरा फूल पर मँडराता है। 3. जोकर सबका दिल बहलाता है। 4. पंखुड़ियाँ कोमल हैं। 5. भ्रमर काला है। **क्रियाकलाप –** 1. शूल 2. फली 3. ताल 4. नाला 5. बुन 6. खाता 7. दीना 8. धूप 9. तोल 10. आना।

अध्याय- 2 लालच बुरी बला है

मौखिक अभ्यास – 1. शिकारी हिरन को मारना चाहता था। 2. अंगूर की बेल घनी थी। 3. बेल घनी होने के कारण शिकारी हिरन को नहीं देख पाया। **(क)** 1. शिकारी हिरन की खाल प्राप्त करना चाहता था। 2. हिरन को अंगूर की बेल दिखाई दी। 3. हिरन पत्तों को खाने लगा। 4. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि लालच का फल सदा ही बुरा होता है। **हॉट प्रश्न –** 1. हिरन अंगूर की बेल में छिपकर अपनी जान बचाने में सफल रहा और फिर लालच में आकर अंगूर की बेल के

सारे पत्ते खा गया तब शिकारी ने उसे देख लिया और उसे अपना शिकार बना लिया। 2. लालच का फल बुरा इसलिए होता है क्योंकि लालच में व्यक्ति वशीभूत होकर स्वयं को ही हानि पहुँचा देता है। (ख) 1. अ 2. ब 3. स **(ग)** 1. हिरन 2. खाल 3. शिकारी 4. लालच 5. मार। **(घ)** 1. जंगल में घूम रहा था। 2. बंदूक होती है। 3.बेल घनी थी। 4. बुरा होता है। **(ङ)** 1. शिकारी ने हिरन का शिकार किया। 2. अंगूर एक फल है। 3. कभी लालच नहीं करना चाहिए। 4. फल हमें ताकत देते हैं। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करे।

अध्याय- 3 नन्हें कारीगर

मौखिक अभ्यास – 1. रामू एक मोची था। 2. रामू के दो बेटे थे। 3. रामू रोजाना एक जोड़ी जूते के लिए चमड़ा खरीदता था। **(क)** 1. मोची प्रतिदिन एक जोड़ी जूते का चमड़ा खरीदता था, दोपहर को भोजन करने घर जाता, भोजन के बाद थोड़ा आराम करता, फिर वापस दुकान आता, यही प्रतिदिन का क्रम था। 2. एक दिन दोपहर बाद जब रामू दुकान पहुँचा, दरवाजा खुला देखकर वह अन्दर गया तो देखा चोरी हो गई थी। 3. दीनू ने कहा, आप घबराओं नहीं, हम आपका सहारा बनेंगे। कभी मुसीबतों से घबराना नहीं चाहिए। 4. दोनों बालक स्कूल से लौटकर एक बड़ी दुकान में जूते बनाते और पैसे कमाकर लाते। 5. इस कहानी का मूल मंत्र है- परिश्रम और लगन से कठिन से कठिन परिस्थितियों पर भी विजय पाई जा सकती है। **हॉट प्रश्न –** 1. परिश्रम और लगन से जीवन में दुःख, सुख में बदल जाते हैं। इंसान का हौसला भी बढ़ता है। 2. मुसीबत से घबराना नहीं चाहिए क्योकि परिश्रम व लगन से मुसीबत अपने-आप दूर भाग जाती है। **(ख)** 1. ब 2. अ 3. स **(ग)** 1. निर्धन 2. बंद करके 3. एक। **(घ)** 1. निर्धन 2. बाजार 3. प्रतिदिन 4. मेहनत 5. स्वयं 6. हरिया 7. सामान 8. पत्नी। **(ङ)** 1. प्रतिदिन सुबह जल्दी उठना चाहिए। 2. मुसीबत से घबराना नहीं चाहिए। 3. अपने छोटे भाई की बात सुनकर मैं अवाक् रह गया। 4. परीक्षा परिणाम देखकर पिताजी आश्चर्यचकित रह गए। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करे।

अध्याय- 4 यातायात के नियम

मौखिक अभ्यास – 1. रुकने का। 2. हरी बत्ती का अर्थ है – चलने का। 3. पीली बत्ती तैयार रहने का संकेत देती है। **(क)** 1. मदन चाचाजी के पास दिल्ली आया था। 2. हमें सदैव लाल बत्ती होने पर व जेब्रा क्रासिंग पर चलकर ही सड़क पार करनी चाहिए। 3. सड़क पर सफेद और काली पट्टियाँ हमारी सुरक्षा के लिए बनाई जाती हैं। 4. लाल बत्ती का अर्थ वाहन रूकना, हरी बत्ती का अर्थ है वाहन चलना व पीली बत्ती का अर्थ है वाहन चलने को तैयार होना। **हॉट प्रश्न –** यातायात के नियमों का पालन करके हम दुर्घटना से बच सकते है। यदि हम उनका पालन नहीं करेंगे तो दुर्घटना का शिकार हो सकते है तथा अपनी जान भी गवा सकते है। **(ख)** 1. अ 2. अ 3. स **(ग)** 1. गाँव 2. रविवार 3. चलने 4. रूकने 5. लाल। **(घ)** 1. गाँव में रहता है। 2. शहर में रहते हैं। 3. रूकने का संकेत देती है। 4. चलने/रूकने के लिए तैयार रहने का संकेत देती है। 5. चलने का संकेत देती है। **(ङ)** 1. हमारा गाँव बहुत सुन्दर है। 2. दिल्ली देश की राजधानी है। 3. शहर बड़े होते हैं। 4. जेब्रा क्रॉसिंग से सड़क पार करें। 5. लाल बत्ती रूकने का संकेत करती है। 6. हरी बत्ती चलने का संकेत करती है। 7. पीली बत्ती चलने/रूकने के लिए तैयार होने का संकेत करती है। **क्रियाकलाप –** आगरा, जयपुर, दिल्ली, चेन्नई, बैंगलोर, कोलकाता, उदयपुर, लखनऊ, इलाहाबाद, चंडीगढ़।

अध्याय- 5 मेरी प्रिय दादी माँ

मौखिक अभ्यास – 1. बच्चे बस्ते का बोझ उठाते है। 2. दादी माँ बच्चो को सहलाती है। 3. आँखो से आँसू छलकते है। **(क)** 1. बस्ते के बोझ से बच्चों के कंधे थक जाते हैं। 2. जब नींद न आये तब दादी माँ कहानी सुनाती है। 3. दादी माँ परियों की कहानी सुनाती है। 4. मम्मी-पापा के डाँटने पर दादी माँ बच्चों को दुलारती है। **हॉट प्रश्न –** 1. (अ) दादी माँ बच्चों के थकने पर धीरे-धीरे कंधे सहलाती है। (ब) परियों की कहानियाँ सुनाती है। (स) मम्मी-पापा के डाँटने पर प्यार करते हैं। (द) किसी से झगड़ा होने पर झगड़ा सुलझाते है। (य) गुस्सा होने पर बच्चों को बड़े प्यार से मनाते है। 2. बच्चों के प्रति दादा-दादी का प्यार निःस्वार्थ होता है क्योंकि वह बच्चों से प्यार करते है। **(ख)** 1. ब 2. अ 3. अ **(ग)** 1. बोझा 2. सहलाती 3. परी 4. मम्मी-पाप। **(घ)** 1. बच्चों के कंधे थक जाते हैं। 2. प्यार से सहलाती है। 3. परियों की कहानी सुनाती है। 4. दुलारती है। **(ङ)** 1. बच्चों के कंधों पर बस्तों का बोझ है। 2. बस्ते में किताब रखी है। 3. दादी माँ रोज कहानी सुनाती है। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करे।

अध्याय- 6 चूहे की शिक्षा

मौखिक अभ्यास – 1. शेर 2. राजा 3. शिकारियों का झुण्ड जंगल में शिकार करने आया। **(क)** 1. जंगल के राजा का नाम शेरखान था। 2. वह अन्य जानवरों को सताता था। 3. शेरखान जाल में फँस गया। 4. शेरखान की मदद चूहे ने की। **हॉट प्रश्न –** 1. चूहे ने शेरखान से प्रण करवाया कि वह आज के बाद किसी जानवर को नहीं सतायेगा। 2. शेरखान ने चूहे को वचन दिया कि वह अब किसी भी जानवर को नहीं सतायेगा। **(ख)** 1. ब 2. स 3. ब **(ग)** 1. शेरखान 2. सताता 3. शिकारियों 4. जाल 5. चूहे। **(घ)** 1. शेरखान था। 2. जाल बिछा दिये। 3. शेरखान की मदद की। 4. जाल काट दिया। 5. कमजोर नहीं समझना चाहिए। **(ङ)** 1. जंगल घना है। 2. राजा प्रजा की मदद करता है। 3. चूहा छोटा होकर भी शेर की मदद कर सका। 4. शेर जाल में फँस गया। 5. किसी को भी कमजोर नहीं समझें। 6. किसी को परेशान न करें। 7. किसी को भी मदद की आवश्यकता पड़ सकती है। 8. सबसे अच्छा व्यवहार करें। 9. आप प्रण करें सब की मदद करेंगे। 10. सबकी मदद करें। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करे।

अध्याय- 7 पंडित नेहरू

मौखिक अभ्यास – 1. नेहरू जी के पिताजी का नाम मोतीलाल नेहरू तथा माताजी का नाम स्वरुप रानी था। 2. ये उच्चकोटि के वकील थे। 3. इंदिरा प्रियदर्शिनी **(क)** 1. नेहरू जी का जन्म 14 नवम्बर, 1889 ई. को इलाहाबाद में हुआ था। 2. नेहरू जी बच्चों को बहुत प्यार करते थे। इसी कारण सभी बच्चे उन्हें चाचा नेहरू कहते हैं। 3. नेहरू जी का जन्मदिवस बाल दिवस के रूप में मनाते हैं। 4. 27 मई 1964 को नेहरू जी का देहान्त हो गया। **हॉट प्रश्न –** पं. जवाहर लाल नेहरू का जन्म 14 नवम्बर 1889 ई. को इलाहाबाद में हुआ था। इनके पिता का नाम मोतीलाल नेहरू था। वे उच्चकोटि के वकील थे। इनकी माता का नाम

स्वरुप रानी था। पं. नेहरू का विवाह कमला नेहरू के साथ हुआ था। इंदिरा प्रियदर्शिनी इनकी बेटी थी। पं. नेहरू 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बने। 27 मई 1964 ई. को इनका देहान्त हो गया। **(ख)** 1. अ 2. ब 3. अ **(ग)** 1. बच्चों 2. अनेक 3. गुलाब। **(घ)** 1. स्वरूप रानी 2. मोती लाल नेहरू 3. कमला नेहरू 4. इंदिरा प्रियदर्शिनी। **(घ)** 1. हमारा देश 15 अगस्त, 1947 को स्वतन्त्र हुआ। 2. हमारे देश में अनेक उच्च-कोटि के वकील हैं। 3. बाल दिवस पर विद्यालय में उत्सव मना। 4. गाँधीजी वकील थे। **क्रियाकलाप –** 1. बाल दिवस 14 नवम्बर को मनाया जाता है। 2. इस दिन पं. जवाहर लाल नेहरू का जन्म हुआ था। 3. पं. नेहरु को बच्चे बहुत प्यारे थे। 4. बाल दिवस पर स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। 5. बाल दिवस के दिन बच्चों को उपहार दिये जाते है।

अध्याय- 8 होली

मौखिक अभ्यास – 1. टेसू के फूलों से। 2. दो दिन बाद। 3. स्वादिष्ट व्यंजन। **(क)** 1. बंटी बाजार से रंग लाने की रट लगाए हुए था। 2. बाजार के सस्ते रंग से त्वचा पर छोटी-छोटी फुंसिया हो जाती है। 3. नीला, काला रंग शरीर को नुकसान पहुँचाता है। 4. बंटी ने पिंकी पर रंग डाल दिया जिससे वह रोने लगी। 5. सभी ने हर्ष और उल्लास से होली का त्योहार मनाया। **हॉट प्रश्न –** 1. होली का त्योहार रंगों का त्योहार है। इस दिन बाजार से सस्ते व खराब रंग नहीं खरीदने चाहिए इससे त्वचा व कपड़ों को हानि पहुँच सकती है। नीले और काले रंग का उपयोग नहीं करना चाहिए। 2. इस दिन सभी एक-दूसरे को प्यार से रंग लगाते है इसलिए इसे रंगों का त्योहार कहते है। **(ख)** 1. स 2. स 3. स **(ग)** 1. होली 2. खराब 3. हँसने 4. रोने। **(घ)** 1. होली 2. दीपावली 3. ईद 4. रक्षाबन्धन। **(ङ)** 1. सस्ते रंग त्वचा के लिए अच्छे नहीं हैं। 2. त्वचा बहुत मुलायम होती है। 3. फुन्सियाँ दर्द करती हैं। 4. माँ ने स्वादिष्ट मिठाई बनाई। 5. मेरे मित्रों को व्यंजन बहुत पसन्द आये। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करे।

अध्याय- 9 दाँतों की साफ-सफाई

मौखिक अभ्यास – 1. अंजली बहुत प्यारी लड़की थी। 2. वह सबसे मधुर व्यवहार करती थी। 3. उसके दाँतों में दर्द रहता था। **(क)** 1. क्योंकि उसके मुँह से बदबू आती थी। 2. डॉक्टर ने दाँतों में दर्द का कारण रोज दाँत साफ नहीं करना व कीड़ा लगना बताया। 3. दाँतों को दिन में दो बार साफ करना चाहिए। 4. दाँतों की मजबूती के लिए फल व कच्ची सब्जियाँ खानी चाहिए। **हॉट प्रश्न –** 1. डॉक्टर ने अंजली के दाँत में दवा लगा दी और दिन में दो बार दाँत साफ करने के लिए समझाया। 2. दाँतों को मजबूत रखने के लिए कच्ची सब्जियाँ खानी चाहिए व दूध पीना चाहिए। **(ख)** 1. अ 2. ब 3. ब **(ग)** 1. मधुर 2. दर्द 3. गन्दे। **(घ)** 1. निकलने लगते थे। 2. रो रही है। 3. दाँत साफ करती हैं। **(ङ)** 1. प्रतिदिन सुबह व रात को दाँत साफ करो। 2. मेरी टाँग में चोट से दर्द हो रहा है। 3. डॉक्टर ने सफाई रखने को कहा। 4. कच्ची सब्जियाँ दाँत मजबूत करती हैं। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करे।

अध्याय- 10 महात्मा गाँधी

मौखिक अभ्यास – 1. पुतलीबाई 2. अहिंसा के 3. नाथूराम गोडसे ने **(क)** 1. गाँधीजी का पूरा नाम मोहन दास करम चन्द गाँधी था। 2. लोग गाँधीजी को बापू कहकर पुकारते थे। 3. वह सत्य, अहिंसा में विश्वास करते थे। 4. उनका जन्म 2 अक्टूबर, सन् 1869 में गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। **हॉट प्रश्न –** 1. गाँधीजी के प्रमुख आन्दोलन – सविनय अवज्ञा आन्दोलन और भारत छोड़ो आन्दोलन हैं। 2. गाँधीजी के अंतिम शब्द 'हे राम' थे। रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम। **(ख)** 1. अ 2. अ 3. स **(ग)** 1. बापू 2. 2 अक्टूबर 3. गुजरात 4. 13 5. 1948। **(घ)** 1. 2 अक्टूबर, 1869 2. 30, जनवरी 1948 3. 15 अगस्त, 1947 4. जून 1891। **(ङ)** 1. गुजरात गाँधी जी की जन्मभूमि है। 2. उनका विवाह 13 वर्ष की उम्र में हुआ था। 3. हमें 15 अगस्त को स्वतन्त्रा मिली। 4. उन्होंने कई आन्दोलनों का नेतृत्व करके भारत की स्वतन्त्रता में सहयोग किया। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करे।

अध्याय- 11 आगरा की सैर

मौखिक अभ्यास – 1. प्रदीप ने मित्रों के लिए ताजमहल के नमूने का एक खिलौना खरीदा। 2. नम्रता ने सीपों का बना एक हार खरीदा। 3. उनकी सीटे आरक्षित थी। **(क)** 1. प्रदीप व नम्रता आगरा घूमने गये। 2. रेलगाड़ी में बैठकर ताजमहल देखने गए। 3. ताजमहल देखकर वे बहुत खुश हुए। 4. ताजमहल के बाद वे लाल किला देखने गये। 5. आगरा की प्रसिद्ध मिठाई 'पेंठा' है। **हॉट प्रश्न –** 1. शाहजहाँ ने ताजमहल का निर्माण अपनी बेगम मुमताज की याद में करवाया। 2. लालकिले का निर्माण शाहजहाँ ने करवाया था। लाल पत्थर से निर्मित होने के कारण लाल किला प्रसिद्ध है। **(ख)** 1. स 2. स 3. स **(ग)** 1. आगरा 2. भीड़ 3. ताजमहल 4. गर्मियों। **(घ)** 1. आरम्भ हो चुकी थीं। 2. आगरा घूमने गए। 3. सुंदर है। 4. पेंठा खरीदा। **(ङ)** 1. गर्मियों की छुट्टियाँ प्रारम्भ हो चुकी थीं। 2. ताजमहल आगरा में है। 3. आगरा एक शहर है। 4. स्टेशन पर रेलगाड़ी आती है। 5. रेलगाड़ी बहुत तेज चल रही थी। 6. मैंने ताजमहल का नमूना बनाया। 7. हम ताँगें में बैठे। 8. बाजार में अनेक दुकानें हैं। 9. पेंठा बहुत मीठा है। 10. लालकिला आगरा में स्थित है। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करे।

अध्याय- 12 बीरबल की बुद्धिमत्ता

मौखिक अभ्यास – 1. लोग बीरबल की बुद्धि का लोहा मानते थे। 2. अकबर ने हाथी के साथ एक पत्र भिजवाया। 3. हाथी। **(क)** 1. बीरबल सम्राट अकबर के नवरत्नों में से एक थे। 2. बीरबल की बुद्धि की परीक्षा लेने के लिए सम्राट अकबर ने हाथी भिजवाया। 3. शहर में खबर फैल गई कि बीरबल हाथी को नदी किनारे तौलने जा रहे हैं। 4. हाथी को नाव में चढ़ाकर पानी में डुबाकर चिह्न लगाया गया। अब हाथी को हटाकर नाव में पत्थर भरकर चिह्न लगे स्थान तक लेकर गये। अब पत्थर वाली नाव तौल ली गई। 5. प्रसन्न होकर सम्राट ने हाथी बीरबल को पुरस्कार में दे दिया। **हॉट प्रश्न –** बीरबल ने हाथी को नाव में चढ़ाकर नाव पानी में जितनी डूबी, वहाँ पर चिह्न लगवा दिया तथा उसके बाद नाव में पत्थर भरे गये जब तक नाव चिन्हित स्तर तक नहीं पहुँची, पत्थर भरे जाते रहे। चिह्न तक जल स्तर पहुँचने के बाद नाव में रखे पत्थरों को तराजू से तौल लिया गया। इस प्रकार हाथी का सही वजन बता दिया गया। **(ख)** 1. अ 2. स 3. अ **(ग)** 1. प्रसिद्धि 2. नाव

3. पत्र 4. तराजू 5. उपाय। **(घ)** 1. कोई समस्या ठहरती नहीं। 2. कोई कुछ। 3. नदी किनारे तौला जाएगा। 4. युक्ति लड़ाने का प्रयास कर रहे थे। **(ङ)** 1. आज मेरी हिन्दी की परीक्षा है। 2. इस सप्ताह हमारे स्कूल में वार्षिकोत्सव है। 3. सम्राट ने अचानक सबको दरबार में बुलवाया। 4. नदी जलस्तर से ऊपर बह रही है। 5. नाव में बैठकर हमने झील की सैर की। **क्रियाकलाप –** 1. हाथी एक विशालकाय जन्तु है। 2. ये कई टन का वजन उठा सकता है। 3. यह जंगल में रहना पसंद करता है। 4. एक एक सूँड होती है जो वजन उठाने के काम आती है। 5. इसके दाँत बहुत कीमती होते है।

अध्याय- 13 स्वतंत्रता दिवस

मौखिक अभ्यास – 1. हमारा देश अंग्रेजो की गुलामी से आजाद हुआ था। 2. हमारे देश की शान तिरंगा झंडा है। 3. प्रधानाध्यापक ने भाषण दिया। **(क)** 1. हमारे झण्डे में तीन रंग है। 2 चक्र हमें प्रगति का संदेश देता है। 3. केसरिया रंग वीरता, त्याग और बलिदान का प्रतीक है। सफेद रंग शान्ति एवं सच्चाई का प्रतीक है। हरा रंग धरती की हरियाली का प्रतीक है। 4. मैडम भीकाजी कामा नाम की महिला ने जर्मनी सभा में 1934 में सबसे पहले झण्डा फहराया। 5. चक्र में 24 तीलियाँ हैं। **हॉट प्रश्न –** 1. झंडा साफ-सुथरा होना चाहिए। यह सूर्योदय के बाद फहराया जाता है तथा सूर्यास्त होने के बाद इसे फहराया नहीं जा सकता है। 2. हमें स्वतन्त्रता अनगिनत बलिदानों के बाद मिली। **(ख)** 1. स 2. ब 3. अ **(ग)** 1. स्वतन्त्रता 2. फहराया 3. प्रगति 4. 24 5. तीन 6. कृषि-प्रधान **(घ)** 1. हमारे देश की शान है। 2. साफ-सुथरा तथा सजा-धजा है। 3. स्वतन्त्रता दिवस 4. विद्यालय में बड़ी चहल-पहल है। **(ङ)** 1. टेलीफोन हमें संदेश भेजता है। 2. हमारा देश आजाद है। 3. ताजमहल आगरा की शान है। 4. भारत कृषि प्रधान देश है। 5. वह गूंगा बच्चा इशारों से बात करता है। **क्रियाकलाप –** राष्ट्रीय त्योहार – 1. स्वतन्त्रता दिवस – यह 15 अगस्त को मनाया जाता है। 15 अगस्त 1947 को हमारा देश आजाद हुआ था। 2. गणतन्त्र दिवस – यह 26 जनवरी को मनाया जाता है। 26 जनवरी 1950 को हमारे देश का संविधान लागू हुआ था।

अध्याय- 14 वर्षा ऋतु

मौखिक अभ्यास – 1. गर्मी के बाद वर्षा ऋतु आती है। 2. वर्षा को देखकर सबसे ज्यादा हर्ष किसान को होता है। 3. वर्षा के दिनों में बादल आकाश में छा जाते है। **(क)** 1. हमारे देश में तीन मुख्य ऋतुएँ हैं सर्दी, गर्मी व वर्षा। 2. आसमान से पानी क्यों बरसता है ? यह पानी कहाँ से आता है ? बादल आने पर ही वर्षा क्यों होती है ? आदि प्रश्न किऐ। 3. पानी गर्म होकर वाष्प के रूप में ऊपर उठता है। 4. वाष्प हल्की होकर ऊपर उठती है। 5. वाष्प वायु से हल्का होता है, ठण्ड पाकर वह वाष्प बहुत-सी नन्हीं बूँदों में बदलता है। **हॉट प्रश्न –** धरती का जल सूरज की गर्मी पाकर वाष्प में बदल जाता है। वाष्प वायु से हल्की होती है, इस कारण ऊपर उठकर यह आकाश में चली जाती है। आसमान में ठण्डक होती है। ठण्ड पाकर वाष्प नन्ही-नन्ही बूंदो का रूप ले लेती है। बादल ऐसी ही नन्ही-नन्ही बूंदो का समूह है। **(ख)** 1. अ 2. ब 3. स **(ग)** 1. हरी 2. अन्न 3. हल्का। **(घ)** 1. कीचड़ से बचे रहते हैं। 2. खेतों में अन्न होता है। 3. कहाँ से आता है? **(ङ)** 1. वाष्प ही वर्षा में बदली है। 2. किसान अन्न उगाता है। 3. हम अपने त्योंहार हर्ष से मनाते हैं। 4. हवा तेज चल रही है। 5. हाथी भारी होता है। **क्रियाकलाप –** 1. छाता 2. तिरपाल 3. नाव 4. रेनकोट

अध्याय- 15 गोल-गोल सूरज

मौखिक अभ्यास – 1. सूरज गोल है। 2. सारी कलिया खिल गई है। 3. पंछी गाते हैं। **(क)** 1. सुबह-सवेरे सूरज लाल रंग का दिखता है। 2. सुबह-सवेरे का मौसम मन को भाता है। 3. प्रात: फिर नव-प्रभात में मिलने को कह जाता है। हॉट प्रश्न – भोर होने पर कलियाँ खिल जाती है, पत्ते मुस्कराते है, पंछी गाते है। सुबह का दृश्य मनोहर होता है। **(ख)** 1. ब 2. अ 3. अ **(ग)** 1. भाता है 2. महकते 3. खिल गई 4. सूरज **(घ)** 1. कलियाँ 2. ढलते 3. प्रात: 4. पंछी 5. सुबह 6. मौसम। **(ङ)** 1. मौसम बहुत सुहावना है। 2. प्रभात के समय चिड़िया चहचहाती है। 3. सूरज हमें रोशनी देता है। 4. पतझड़ में पत्ते पेड़ों से झड़ने लगते हैं। 5. पंछी आकाश में उड़ते हैं। **क्रियाकलाप –** 1. रंग, भंग 2. खिली, मिली 3. मन, तन 4. भाता, गाता 5. घर, धर।

अध्याय- 16 मिथ्या गर्व का परिणाम

मौखिक अभ्यास – 1. हंस के साथ। 2. हंसों की। 3. आकाश में। **(क)** 1. वैश्य के पुत्रों ने एक कौआ पाल रखा था। 2. जूठन खाकर कौआ खूब मोटा हो गया था। 3. जब वैश्य के पुत्र हंसों की प्रशंसा कर रहे थे, यह बात कौए से सही नहीं गयी। 4. कौए ने हंस से कहा, ''मैं तुम्हारे साथ प्रतियोगिता करके उड़ना चाहता हूँ।'' 5. प्रतियोगिता के लिए उसने सर्वश्रेष्ठ हंस को चुना। 6. अंत में कौए को अपने प्राण बचाने भारी पड़ गए। **हॉट प्रश्न –** 1. अहंकार में चूर कौआ बुरी तरह थक गया, उसे कही भी विश्राम करने के लिए स्थान नहीं मिला और उसके प्राण संकट में आ गए। 2. हंस ने कौए को अपनी पीठ पर बिठा लिया और उस दिशा की ओर उड़ने लगा जहाँ से वे दोनों उड़े थे। हंस ने कौए को वापस उसी स्थान पर छोड़ दिया जहाँ कौआ रहता था। **(ख)** 1. ब 2. ब 3. अ **(ग)** 1. कौआ 2. अहंकार 3. प्रतियोगिता 4. मानसरोवर 5. नाना, कलाबाजियाँ **(घ)** 1. अहंकारी था। 2. मानसरोवर में रहता था। 3. हंस को दया आ गई। 4. मूर्खता का दण्ड मिला। **(ङ)** 1. कौआ काला होता है। 2. हंस और कछुए में दोस्ती थी। 3. मैं दादाजी को घोड़ा बनाकर उनकी पीठ पर बैठता था। 4. उल्लू एक मूर्ख पक्षी होता है। 5. मेरी गलती के लिए पिताजी ने मुझे दण्ड दिया। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करे।

अध्याय- 17 बालक की सच्चाई

मौखिक अभ्यास – 1. पहले के समय में रेले और मोटरे नहीं थी। 2. डाकुओं ने। 3. अपनी जैकेट में। **(क)** 1. लोग काफिला बनाकर यात्रा करते थे, ताकि चोर-डाकुओं से बचा जा सके। 2. काफिला हिन्दुस्तान से अफगानिस्तान जा रहा था। 3. क्योंकि वह झूठ नहीं बोलना चाहता था। उसकी माँ ने कहा था, झूठ बोलना पाप है। 4. सरदार ने सोचा कि एक छोटा-सा बालक झूठ नामक पाप से बचने के लिए सच बोल रहा है और हम पाप-पर पाप किए जा रहे हैं। 5. लुटेरों ने लूटपाट न करने का संकल्प किया। **हॉट प्रश्न –** 1. अब्दुल कादिर से लुटरों ने पूछा – तेरे पास कुछ है तो दे। कादिर ने बहादुरी से कहा मेरे पास 30 अशर्फिया है। सरदार ने कहा – तुम्हें पता है हम तेरी सारी अशर्फिया ले लेंगे फिर तुने क्यों बताया। तब कादिर ने कहा – मेरी माता ने मुझे कभी झूठ न बोलने के लिए कहा था इसलिए मैं अशर्फियों के लिए झूठ नहीं बोलूँगा। कादिर

की इस बात का सरदार पर प्रभाव पड़ा। 2. झूठ बोलने पर हम पाप के भागीदार बनते है। **(ख)** 1. ब 2. अ 3. अ **(ग)** 1. अशर्फियाँ 2. पता 3. पाप 4. लूटपाट **(घ)** 1. बचना 2. रक्षा 3. अशर्फियाँ **(ङ)** 1. मोटर बहुत आवाज कर रही थी। 2. सिपाही ने चोर को पकड़ा। 3. शेर ने हिरण पर हमला कर दिया। 4. सरदार ने सभी को आगे चलने को कहा। 5. हरी-भरी धरती बहुत सुन्दर लग रही थी। **क्रियाकलाप –** कमाल, लड़का, कामना, नानक, कलम, मछली, लीन, नमक, कसम।

अध्याय- 18 अनमोल वचन

मौखिक अभ्यास – 1. प्रकृति का। 2. सम्मान 3. अमर। **(क)** 1. ईश्वर का स्मरण करने वाला सदा सुखी रहता है। 2. हमें संकट के समय साहस नहीं खोना चाहिए। 3. सच्चा मित्र वही है जो संकट के समय मित्र के काम आए। 4. अच्छी आदतों से समाज में सम्मान मिलता है। 5. निरंतर अभ्यास से कार्य में कुशलता प्राप्त होती है। **हॉट प्रश्न –** 1. मिलजुल कर कार्य करने से शक्ति बनी रहती है और संकटो पर विजय प्राप्त कर सकते है। 2. वृक्ष से हमें कई वस्तुएँ मिलती है। यह हमारे प्राणदाता हैं। दवाईयाँ भी वृक्षों से मिलती है। वृक्षों से हमें हरियाली मिलती है। जीने के लिए ऑक्सीजीन भी वृक्षो से ही मिलती है। **(ख)** 1. ब 2. अ 3. ब **(ग)** 1. झण्डे 2. अच्छी 3. अमूल्य 4. परिश्रम 5. साहस। **(ग)** 1. स्मरण 2. मित्र 3. डालियाँ 4. वातावरण। **(ङ)** 1. सैनिक देश की रक्षा करते हैं। 2. जो सच्चा होता हैं वह कभी नहीं डरता। 3. प्रात:काल हमें सैर के लिए जाना चाहिए। 4. कुछ पाने के लिए कठिन परिश्रम आवश्यक है। 5. हमें हर समस्या का सामना साहस से करना चाहिए। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करे।

कक्षा - 3

अध्याय- 1 प्रार्थना

मौखिक अभ्यास – 1. ईश्वर 2. ऋण 3. कृपा व शांति के बिना। **(क)** 1. यह प्रार्थना 'प्रभु' के लिए की गई है। 2. कवि भगवान् से कह रहा है कि दयारूप प्रभु आप ही संसार के आधार और पालन करने वाले हो, आप ही हम सभी को जन्म देने वाले और सभी सुख देने वाले हो। प्रभु, हम आपके उपकार का एहसान नहीं चुका सकते हैं और न ही आपकी कृपा के बिना सुख-शान्ति प्राप्त कर सकते हैं। 3. हे, दयामय प्रभु, आप ही इस संसार के आधार स्तम्भ हो तथा आप ही कार्य करने वाले व हम सभी का पालन करने वाले हो। आप ही सबको जन्म देने वाले और माता-पिता व भगवान् हो। आप सुख देने वाले और तन-मन व धन हैं, आपकी कृपा के बिना हम सुख-शान्ति का अर्थ नहीं जान सकते हैं। प्रभु, हमें ऐसी बुद्धि दीजिए, जिससे हम इस संसार में सद्गुणी बन सकें और हमारा मन निर्मल, धर्म प्रिय व शरीर दूसरों की भलाई में लग सके। **हॉट प्रश्न –** ईश्वर ही हमारे माता-पिता है। उनकी कृपा के बिना शान्ति और सुख की प्राप्ति नहीं हो सकती है। वह ही संसार का आधार है। ईश्वर ही हमारा पालन करता है इसलिए हम ईश्वर को पालनहार कहते है। **(ख)** 1. ग 2. ख 3. ग **(ग)** 1. दयामय, ही संसार, आधार 2. आप, माता-पिता 3. कृपा, शान्ति 4. मंजुल, धर्ममय, तन लगे उपकार। **(घ)** 1. माँ हमारी जन्मदाता है। 2. प्रभु आप ही हमारे पालनहार हो। 3. आपके द्वारा किये गये उपकारो का ऋण हम नहीं चुका सकते। 4. रमेश मेरा बड़ा भ्राता है। **(ङ)** 1. दयावान - सदा दूसरों पर दया करने वाला। 2. पालनहार - पालन करने वाला। 3. उपकार - दूसरों की भलाई का कार्य। 4. सद्गुणी - अच्छे गुणों वाला व्यक्ति। 5. करतार - कार्य करने वाला। **(च)** 1. माता 2. सुखी 3. उपकारी 4. धार्मिकता। **क्रियाकलाप –** 1. रोली 2. फूल 3. सिंदूर 4. लोटा 5. चंदन 6. शंख 7. चावल 8. माला

अध्याय- 2 साहसी बालक

मौखिक अभ्यास – 1. घनी बस्ती में। 2. लोग आग को देखकर चिल्ला रहे थे। **(क)** 1. विनोद मेघावी और साहसी लड़का था। 2. क्योंकि घास-फूस की छत तेजी से आग पकड़ रही थी, इससे आग और अधिक फैल सकती थी। 3. विनोद ने अपनी हिम्मत से पाठशाला को जलने से बचा लिया था, इसलिए बस्ती वालों ने उसे इनाम दिया। 4. विनोद को पढ़ने-लिखने का शौक था। 5. विनोद बाँस के लट्ठे के सहारे छत पर चढ़ गया। **हॉट प्रश्न –** विनोद बाँस के लट्ठे के सहारे छत पर चढ़ गया और जलते हुए घास-फूस को तुरन्त नीचे फेंक दिया। लोगों ने फूस पर पानी डाल दिया और आग बुझ गई। **(ख)** 1. ख 2. क 3. ख **(ग)** 1. फाटक 2. जलने 3. इनाम 4. थका 5. लोग। **(घ)** 1. प्रतिदिन - मैं प्रतिदिन स्कूल जाता हूँ। 2. साहसी - साहसी व्यक्ति निडर होता है। 3. इनाम - उसे ईमानदारी का इनाम प्राप्त हुआ। 4. गहरी - जंगल में एक गहरी खाई है। 5. झोंपड़ी - वह झोंपड़ी में रहता है। **(ङ)** 1. बहादुर 2. अग्नि 3. विश्राम 4. लोगों के रहने का स्थान या छोटी कॉलोनी। 5. पलंग या खाट 6. आवास या घर **(च)** 1. रात 2. कायर 3. देर से 4. छितराया या फैला हुआ 5. धीरे **(छ)** 1. घनी बस्ती 2. साहसी या बहादुर 3. पाठशाला 4. पुरस्कार या इनाम। **क्रियात्मक अभ्यास-** छात्र स्वयं करे।

अध्याय - 3 दुष्टों की संगति

मौखिक अभ्यास- 1. कपड़े के पुतले 2. अनाज के दाने **(क)** 1. किसान अच्छी फसल को देखकर खुशी से झूम उठता था। 2. कौओं के विशाल झुण्ड ने उसकी फसल को तहस-नहस कर दिया था, इससे दु:खी होकर किसान ने कौओं को पकड़ने के लिए खेत में जाल बिछा दिया। 3. कबूतर ने छोड़ने के लिए किसान से विनती की। 4. कौओं के विशाल झुण्ड ने किसान की फसल को तहस-नहस कर डाला। 5. शिकारी कुत्तों ने जाल में फँसे सभी पक्षियों का काम तमाम कर दिया। **हॉट प्रश्न –** 1. कबूतर स्वयं भी जाल फँस गया। 2. किसान अपने खेतों में अनाज, फल, सब्जियाँ आदि उगाते हैं। **(ख)** 1. ख 2. ग 3. ख **(ग)** 1. झुण्ड 2. फँस 3. करूण 4. संगति 5. इशारा। **(घ)** 1. सहमति 2. नादान 3. ख्यात 4. नाकाम 5. पीना 6. थकान 7. खुशहाल 8. अजर 9. रूष्ट 10. खोज 11. गए 12. हाँफना। **(ङ)** 1. किसान - किसान हमारे लिए अनाज उपजाता है। 2. जाल - शिकारी ने जाल फैला दिया। 3. आश्चर्य - सभी ने जादूगर की ओर आश्चर्य से देखा। 4. विशाल - जयपुर एक विशाल नगर है। 5. चंगुल - भले लोग ठग के चंगुल में फँस गये। **(च)** 1. इधर-उधर 2. आराम-हराम 3. ज्ञान-विज्ञान 4. शिक्षा-दीक्षा **(छ)** 1. में कपड़े के पुतले 2. ने खेत में जाल 3. जाल में फँसे कौओं को देखकर 4. कर उन्होंने सबका काम तमाम 5. तू इस टोली में कैसे। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 4 चुन-मुन चूजा

मौखिक अभ्यास - 1. गाना 2. मटक-मटकर 3. खाना खाना भूल गया। 4. माँ का। **(क)** 1. माँ से कभी न दूर ये जाता। 2. माता-पिता संग सदा है चलना। 3. मेरे आँगन खेल रहा है। 4. मेरे मन को खूब ये भाया। **हॉट प्रश्न –** 1. हमें माता-पिता का आज्ञाकारी बनना चाहिए क्योंकि माता-पिता हमेशा अपने बच्चों के साथ रहते है। 2. क्योंकि माँ ही बच्चें को सबकुछ सिखाती है। **(ख)** 1. ख 2. क 3. ख **(ग)** 1. राम अपने माता-पिता की आज्ञा मानता है। 2. श्रोताओं को कथा सुनने में आनन्द प्राप्त हो रहा था। 3. मोहन अपनी माँ के संग बाजार गया है। 4. वीर व्यक्ति अपने कर्त्तव्य से कभी नहीं तजते। 5. हमारे घर का आँगन बहुत बड़ा है। **(घ)** 1. महेन्द्र सदा माँ के साथ में रहता है। 2. नन्हा बच्चा जैसा कहती है माँ उसकी, ये है करता। 3. परिश्रम करना अच्छा गुण है, ये गुण हमें भी अपनाना है। 4. छोटे बच्चे सदा ही माता-पिता के संग चलते हैं। **(ङ)** 1. दूर-पास 2. अपना-पराया 3. मस्ती-उदासी 4. गुण-दोष। **(च)** 1. आज्ञाकारी 2. चूजा 3. मस्ताना 4. सद्गुणी। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 5 जगत् की प्रीत

मौखिक अभ्यास - 1. सत्संग में 2. प्राणायाम के द्वारा **(क)** 1. व्यक्ति जब प्रणय-सूत्र में बंध गया और उसके सन्तान हो गई, तो उसने सत्संग में आना कम कर दिया। 2. गुरुजी ने उस व्यक्ति को अपनी स्त्री की परीक्षा लेने के लिये कहा। वह व्यक्ति परीक्षा के लिये तैयार हो गया। सन्त ने उसको प्राणायाम के द्वारा श्वांस रोकना सिखा दिया और सभी बातें समझा दीं। 3. उसकी पत्नी ने खीर खाने के लिये और लड्डू डिब्बे में रखने के लिए घर के किवाड़ बन्द कर दिये। 4. व्यक्ति ने प्राणायाम के द्वारा अपना श्वांस रोक लिया। **हॉट प्रश्न –** 1. व्यक्ति ने महाराज के कहने पर अपनी स्त्री की परीक्षा ली इसके लिए उस व्यक्ति ने अपनी स्त्री से खीर और लड्डू बनाने के लिये कहा। थोड़ी देर बाद वह व्यक्ति पेट में पीड़ा होने का बहाना लेकर सो गया। उसने प्राणायाम के द्वारा अपना श्वांस रोक लिया। स्त्री ने देखा कि पति का शरीर शान्त हो गया है, उसने बच्चों को साथ लेकर खीर खा ली और पति के पास बैठकर रोने लगी। इतने में वह व्यक्ति उठ बैठा। 2. उस व्यक्ति को इस घटना से सीखने को मिला कि इस जगत की सब प्रीत मिथ्या है। सत्य है तो बस ईश्वर और ईश्वर का स्मरण। **(ख)** 1. ग 2. ख 3. क **(ग)** 1. वहम 2. प्राणायाम 3. स्वर्ग 4. सत्संग 5. प्रीत। **(घ)** 1. वह व्यक्ति अपनी पत्नी से बहुत प्रीत करता था। 2. युवक ने क्रोधवश होकर अपने कमरे के किवाड़ बन्द कर लिये। 3. सत्संग से मन निर्मल हो जाता है। 4. विश्वास जीवन की उन्नति का आधार है। **(ङ)** 1. प्रीत- प्रेम 2. जगत्- संसार 3. प्रणय-सूत्र- विवाह 4. स्वर्ग - सभी सुखों की प्राप्ति का स्थान 5. पीड़ा - दर्द 6. परीक्षा- जाँच 7. सीख- शिक्षा 8. स्त्री- औरत **(च)** 1. प्रेम-नफरत 2. इकट्ठा- बिखराव 3. स्वर्ग- नरक 4. विश्वास- अविश्वास। क्रियाकलाप – छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 6 सूरज

मौखिक अभ्यास- 1. सवेरा 2. ईश्वर का **(क)** 1. सूर्य निकलने पर सभी प्राणी जाग जाते हैं और अपने कार्य पर चले जाते हैं। 2. सूर्य से हम प्रकाश, पोषण और धूप आदि प्राप्त करते हैं। 3. सूर्य की हम अच्छी तरह से जीवन व्यतीत करें, की इच्छा रहती है। **हॉट प्रश्न –** सूरज के निकलने पर धरती पर सभी प्राणी जग जाते है और ईश्वर का स्मरण करके अपने-अपने काम पर जाते हैं। **(ख)** 1. क 2. ख 3. ख **(ग)** 1. ना पराया 2. हम सबको है 3. सब हैं इसके 4. काम पर जाते। **(घ)** छात्र स्वयं करें। **(ङ)** 1. उजाला अंधकार को दूर कर देता है। 2. जग हमको प्यारा लगता है। 3. नभ में सूरज का प्रकाश फैल जाता है। 4. प्रभु हम सभी का रखवाला है। **(च)** 1. नभ- पृथ्वी 2. रात- दिन 3. काला- सफेद 4. उजाला- अंधेरा **(छ)** 1. सूर्य पूरे विश्व को जीवन प्रदान करता है और संचालित करता है। 2. सूर्योदय होने पर हमें दिन का एहसास होने लगता है। 3. सभी प्राणी दिन उदय होने पर प्रभु का स्मरण करते हैं। 4. सूर्य हमसे प्रकाश के बदले में किसी भी प्रकार की कीमत प्राप्त करना नहीं चाहता है। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 7 सच्ची मित्रता

मौखिक अभ्यास- 1. राजकुमार ने हिरण को स्वतंत्र कर दिया। 2. वृक्ष पर। **(क)** 1. हिरण जंगल में अपने परिवार के साथ रहता था। 2. शिकारी को रोकने के लिये हिरण ने मरने का बहाना किया ताकि कछुए को शिकारी के थैले से आजाद किया जा सके। 3. शिकारी को हिरण के लालच में कछुए से भी हाथ धोना पड़ा और उसे कुछ भी प्राप्त नहीं हुआ। इसलिये वह अपने भाग्य को कोस रहा था। 4. कौए की उड़ते हुए दृष्टि जाल में फँसे हिरण पर गई और उसने तालाब पर पहुँचकर चूहे और कछुए को सारी बात सुना दी। 5. क्योंकि सच्चा मित्र संकट के समय हमारी मदद कर सकता है। **हॉट प्रश्न –** 1. सच्ची मित्रता की परख संकट आने पर ही होती है क्योंकि सच्चा मित्र संकट के समय ही हमारी मदद कर सकता है। 2. सच्चे मित्र में मुसीबत के समय मदद करने की विशेषता होती है। **(ख)** 1. ग 2. ग 3. ग **(ग)** 1. बिल 2. युवा 3. दृष्टि 4. भाग्य 5. मित्र। **(घ)** 1. कछुआ तालाब में रहता था। 2. शिकारी ने पक्षियों को पकड़ने के लिए जाल फैला दिया। 3. सच्चा मित्र ही हमारी सहायता करता है। 4. सिर मानव-शरीर का महत्त्वपूर्ण अंग है। 5. शिकारी निराश होकर जंगल से चला गया। **(ङ)** 1. निराशा- आशा 2. दुःखी- सुखी 3. भाग्य- दुर्भाग्य 4. अन्दर- बाहर 5. जल्दी- देर 6. नुकीला- चपटा 7. चिंता- निश्चिन्त 8. ऊँचा- नीचा। **(च)** 1. एक चूहे, कौए तथा कछुए से 2. एक युवा हिरण अपने 3. वे चारों गहरे मित्र 4. अपने जंगल को 5. हैं कि समय पर काम आने वाला मित्र ही **(छ)** 1. दृष्टि 2. घबराकर 3. हिरण 4. परिणाम **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 8 बुद्धिमान हंस

मौखिक अभ्यास- 1. बरगद का 2. बेल के **(क)** 1. बरगद के एक विशाल वृक्ष पर हंसों का झुण्ड रहता था। 2. बूढ़े हंस ने कहा कि बुराई को आरम्भ में ही काट देना चाहिए। यदि बेल को अभी नहीं काटेंगे तो कोई भी शिकारी इसकी मदद से पेड़ पर चढ़ जाएगा और हम सुरक्षित नहीं रहेंगे। 3. शिकारी ने हंसों को मरा हुआ समझकर जाल से निकालकर फेंक दिया। 4. बूढ़े हंस ने उनको योजनानुसार मृत होने का नाटक करने की युक्ति बताई। जब शिकारी ने जाल से आखिरी हंस को निकालकर फेंका, बूढ़ा हंस जोर से चिल्लाया और सभी हंस उसी क्षण आसमान में उड़ गये। **हॉट प्रश्न –** 1. यदि हम बुराई को आरम्भ में नष्ट नहीं करेंगे, तो हमें भविष्य में पछताना पड़ सकता है। 2. जो व्यक्ति भविष्य के बारे में नहीं सोचता है उसे बाद में पछताना पड़ता है क्योंकि

मुसीबत तो कभी भी आ सकती है। **(ख)** 1. ग 2. ख 3. ख **(ग)** छात्र स्वयं करें। **(घ)** 1. आश्चर्यचकित 2. विशाल 3. दूरदर्शी 4. हंस 5. बेचारा। **(ङ)** 1. मारा- मारकर 2. देखा- देखकर 3. बोला- बोलकर 4. कहा- कहकर 5. काट-काटकर 6. सोचा- सोचकर 7. नाचा- नाचकर 8. जाना- जानकर **(च)** 1. पुत्र 2. राजू 3. मोनू 4. सोनू 5. वस्तु 6. मीनू **(छ)** 1. सुन्दरी 2. समीपी 3. शुरूआत 4. उपेक्षित 5. विशालकाय 6. उचिताकारी 7. आलस्य 8. हानिग्रस्त **क्रियाकलाप –** 1. हाथी 2. बैल 3. ऊँट 4. चीता 5. बकरी 6. घोड़ा 7. शेर 8. गाय 9. जेब्रा 10. जिराफ

अध्याय- 9 चिड़िया घर की सैर

मौखिक अभ्यास- 1. अफ्रीका का 2. कंगारू **(क)** 1. मनु चिड़ियाघर के विषय में अपने मित्र रवि से बातें कर रहा था। 2. कंगारू के पेट में बच्चे को रखने के लिये थैली होती है। 3. दरियाई घोड़े को गुलाबी रंग का पसीना आता है। 4. कंगारू नरम घास, पत्तियाँ, हरी सब्जी तथा फल खाता है। 5. मनु ने तालाब में रंग-बिरंगी मछलियाँ देखीं। **हॉट प्रश्न –** 1. मछलियाँ रंग-बिरंगी थी। वह आपस में खेलती व मस्ती करती थी। 2. सरिस्का, घाना, तलछापर, रणथम्भौर और नहारगढ़ अभ्यारण्य। **(ख)** 1. ख 2. ख 3. ग **(ग)** 1. चिड़ियाघर 2. पिंजरों 3. सींग 4. बच्चा 5. सूँड़ **(घ)**1. टिकट- निकट 2. घर- वर 3. उसका- किसका 4. बताना- जताना 5. शरीर- नजीर 6. सुन्दर- अन्दर 7. नाक- धाक 8. बाजा- आजा 9. फल- कल 10. पाया- लाया 11. भीतर- तीतर 12. पसीना- नगीना **(ङ)** छात्र स्वयं करें। **(च)** 1. पक्षी- खग 2. जानवर- पशु या जन्तु 3. बहुत- अत्यधिक या अधिक 4. विचित्र- अनोखा 5. भारी- वजनी 6. सख्त- कठोर 7. सुन्दर- सुहावना 8. शरीर- काया 9. पसन्द- चाह 10. विशेष- खास 11. खूँखार- खतरनाक 12. शाकाहारी- शाक, फल और फूल खाने वाला **(छ)** 1. अन्दर- भीतर 2. सम्भव- सम्भवत: 3. सुन्दर- सुन्दरी 4. दिन- दिवस **(ज)** 1. चिड़ियाघर 2. अफ्रीका 3. मछलियाँ 4. कोलकात्ता 5. सब्जियाँ। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 10 आसमान गिर रहा है

मौखिक अभ्यास- 1. अचानक धम्म! की आवाज हुई। 2. लोमड़ी 3. भालू। **(क)** 1. खरगोश पेड़ के नीचे सो रहा था। 2. खरगोश ने उठकर इधर-उधर देखा और डरकर भागने लगा। 3. शेर ने उनसे पूछा ''तुम सब क्यों भाग रहे हो ? किसने कहा आसमान गिर रहा है?'' 4. उन्होंने पेड़ के नीचे एक बड़ा-सा फल गिरा हुआ देखा। 5. सबसे पीछे हाथी भाग रहा था। **हॉट प्रश्न –** खरगोश के साथ लोमड़ी, भालू और हाथी भाग रहे थे क्योंकि आसमान गिर रहा था। **(ख)** 1. ग 2. ग 3. ख **(ग)** छात्र स्वयं करें। **(घ)**1. पेड़ 2. खरगोश 3. धम्म 4. लोमड़ी 5. भागे **(ङ)** 2. वे सभी हँसते-हँसते लोट-पोट हो गए। 3. राम खाते-खाते जा रहा था। 4. वह देखते-देखते अदृश्य हो गया। **(च)** 1. देखा 2. डरा 3. पढ़ा 4. बैठा 5. लड़ा 6. रंगा 7. सुना 8. भागा **(छ)** 1. लोमड़ी और भालू भागते-भागते एक हाथी के पास से निकले। 2. शेर ने दहाड़ कर कहा, ''आसमान गिर रहा है।'' 3. हाथी बोला, ''अरे! सब क्यों भाग रहे हो?'' 4. खरगोश ने इधर-उधर देखा तो उसे कुछ दिखाई नहीं दिया। 5. अचानक जोर की आवाज हुई, धम्म! खरगोश उठ बैठा। **(ज)** 1. आसमान- आकाश, अम्बर, वस्त्र 2. हाथी- हस्ती, अस्तित्व 3. वृक्ष- पेड़, नग, अगम 4. फल- परिणाम, चर्म, वृक्ष से प्राप्त होने वाला खाद्य **क्रियाकलाप –** शब्दमाला – रात - तराजू - जूता - ताला - लाल - लड़का - काला - लायक - कलम - मकान - नल - लट्टू - टूटा - टाला

अध्याय- 11 नटखट

मौखिक अभ्यास- 1. सड़क पर 2. बिल में से **(क)** 1. भट! भट! की आवाज करता हुआ रोलर चला आ रहा था। 2. हमें शरारत नहीं करनी चाहिए और बड़ों का कहना मानना चाहिए। 3. चुहिया को राजू की माँ ने उठाकर सड़क के किनारे छोड़ा। 4. माँ के सिर पर सामान की गठरी रखी हुई थी। 5. राजू माँ के साथ घर चला गया। **हॉट प्रश्न –** हमे मुसीबत में पड़े व्यक्ति या जानवर की मदद करनी चाहिए क्योंकि किसी की मदद करना ही इंसान का सबसे बड़ा कर्त्तव्य है। **(ख)** 1. ख 2. क 3. क **(ग)** 1. मेरा तो पैर 2. से एक छोटी-सी 3. ''भट! भट! भट! भट!'' 4. कुत्ता 5. पर सामान **(घ)** 1. शरारती = नटखट - गोलू बहुत नटखट लड़का है। 2. अलकतरा = तारकोल - सड़क पर तारकोल डाला जा रहा है। 3. बजरी = रेती या पत्थर का चूर्ण पदार्थ- रेती और सीमेण्ट मकान बनाने के काम आती है। 4. ड्रम = बड़ा डिब्बा- बड़ा डिब्बा पानी भरने के काम आता है। **(ङ)** 1. (2) 2. (3) 3. (1) 4. (5) 5. (4) **(च)** 1. औरत- आदमी 2. बच्चे- बड़े 3. खुशी- उदासी 4. चुहिया- चूहा 5. माता- कुमाता 6. फँसना- निकलना 7. छोटा- बड़ा। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 12 सच्चा सौदा

मौखिक अभ्यास- 1. बच्चे का नाम नानक रखा गया। 2. बालक का पढ़ने में मन नहीं लगता था इस बात ने माता-पिता को चिंताग्रस्त कर दिया। 3. नौ वर्ष की आयु में नानक ने शिक्षक को 'ओंकार' शब्द का सुन्दर अर्थ समझाया। **(क)** 1. बालक के पिता का नाम कालू था। 2. बालक को रास्ते में साधु-सन्त मिले। 3. गुरु नानक ने सिक्ख धर्म की स्थापना की। 4. बालक का जन्म श्री कालू के यहाँ हुआ था। 5. ज्योतिषियों ने भविष्यवाणी की थी कि यह बालक बड़ा ही महान और प्रतापी होगा। **हॉट प्रश्न –** ऐसा ज्ञान किस काम का जिसका कोई अर्थ नहीं निकलता है बल्कि वह धर्म व जाति के नाम पर झगड़े करवाता है। इसलिए सच्ची भक्ति से ईश्वर को प्राप्त कर सकते है। **(ख)** 1. ख 2. ग 3. क **(ग)** 1. चंचलता 2. स्तुति 3. व्यापार 4. सिक्ख **(घ)** छात्र स्वयं करें। **(ङ)** 1. बालक- पालक 2. शिक्षक- वीक्षक 3. दयालु- कृपालु 4. अनिल- सलिल 5. पिता- भ्राता 6. बढ़कर- चढ़कर। **(च)** 1.मूर्ति- वे मूर्ति-पूजा को अनावश्यक मानते थे। 2. प्रतापी- यह बालक बड़ा होकर प्रतापी होगा। 3. स्तुति- हमें नित्य ईश्वर की स्तुति करनी चाहिए। 4. आयु- बालक का पाँच वर्ष की आयु में विद्यालय में दाखिला हुआ। 5. पैदा हुआ- राजा के यहाँ बालक पैदा हुआ है। **(छ)**1. दयालु- दया करने वाला 2. खर्च- व्यय 3. पसन्द- चाह 4. सुन्दर- आकर्षक 5. पिता- जनक 6. लोक- संसार। **(ज)**1. प्रतापी 2. परमेश्वर 3. ज्योतिषियों 4. निरर्थक **(झ)** 1. भविष्यवाणी 2. चिन्ता करना 3. आश्चर्यचकित होना 4. सत्संग। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 13 बताओ तो जानें

मौखिक अभ्यास – 1. चारपाई 2. मुर्गे के 3. सिघड़ी के **(क)** 1. चारपाई 2. पतंग 3. मछली 4. गेंद **हॉट प्रश्न –** सिघांड़ा **(ख)** 1. क 2. ख 3. ख **(ग)** 1. हिल न 2. बेगम 3. पसीना 4. जगह दी 5. ऊपर **(घ)** 1. पति 2. लम्बाई 3. नीचा 4. आकाश **(ङ)** 1. आराम- आराम-हराम है। 2. कसम- सैनिक देश की रक्षा की कसम खाते हैं। 3. मनमानी- भ्रष्ट लोगों की मनमानी बढ़ती जा रही है। 4. तपता- गर्मी की ऋतु में सूर्य अत्यधिक तपता है। **(च)** 1. झटपट 2. 2. पसीना 3. धरती 4. सूरज **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 14 भारत कोकिला सरोजिनी नायडू

मौखिक-अभ्यास- 1. श्रीमति वरदा सुन्दरी 2. कविता पढ़ने में **(क)** 1. सरोजिनी नायडू का जन्म हैदराबाद में हुआ था। 2. इंग्लैण्ड से लौटने पर सरोजिनी ने श्री गोविन्द राजलु नायडू से शादी कर ली। 3. सरोजिनी नायडू एक प्रसिद्ध कवयित्री भी थीं। उन्होंने अनेक कविताएँ लिखीं। वे मधुर स्वर से कविता का पाठ करती थीं। यही कारण है कि लोग उन्हें भारत की कोकिला कहते हैं। 4. सरोजिनी नायडू स्वतन्त्र भारत की प्रथम महिला राज्यपाल थीं, जिनको उत्तर-प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया। **हॉट प्रश्न –** सरोजनी नायडू मधुर स्वर में गाती थी इसलिए इन्हें भारत कोकिला कहते थे। इनमें देश सेवा, कुशलवक्ता के गुण थे। **(ख)** 1. क 2. ख 3. ग **(ग)** 1. स्वतन्त्र कराने में सरोजिनी नायडू का नाम प्रथम पंक्ति में 2. हाईस्कूल 3. उत्साह से देश सेवा के 4. सरोजिनी नायडू **(घ)** 1. स्वतन्त्र- लोकतन्त्र 2. वैज्ञानिक- वैधानिक 3. नमक- दमक 4. सम्मान- तापमान 5. प्रभावित- संभावित 6. सेवा- मेवा **(च)** छात्र स्वयं करें। **(छ)** 1. स्वतन्त्र- परतन्त्र 2. स्वदेश- परदेश 3. विद्वान- मूर्ख 4. अच्छा- बुरा 5. प्रभावित- अप्रभावित 6. कुशल- अकुशल 7. शिक्षित- अशिक्षित 8. सम्मान- असम्मान **(ज)** 1. स्वतंत्र – भारत को स्वतंत्र कराने में भारतीय नारियों का बहुत बड़ा हाथ रहा है। 2. जन्म – देश में जन्मदर वृद्धि को प्राप्त हो रही है। 3. कुशल – राजनीतिज्ञ राजनीति में कुशल होते हैं। 4. विद्वान – पढ़ा-लिखा व्यक्ति या ज्ञानवान् - विद्वान व्यक्ति का प्रत्येक स्थान पर आदर होता है। क्रियाकलाप – 1. माता – आता, खाता 2. घड़ा – दड़ा, बड़ा 3. दीन – हीन, लीन 4. देश – वेश, गणेश 5. आपस – तपस, तेजस 6. टूट – फूट, लूट 7. चोटी – मोटी, छोटी 8. पाठ – काठ, लाठ।

अध्याय- 15 शहीद भगत सिंह

मौखिक-अभ्यास- 1. माँडले जेल से 2. साँडर्स को **(क)**1. सरदार भगत सिंह का जन्म पंजाब के लायलपुर जिले में बंगा नामक गाँव के एक क्षत्रिय सिक्ख परिवार में हुआ था। 2. भगत सिंह ने उत्तर दिया- ''मैं बन्दूकें बेचता हूँ।'' 3. भगत सिंह ने अंग्रेजों से बदला लेने की ठानी। 4. भगत सिंह को 23 मार्च, सन् 1931 को फाँसी दे दी गई। **हॉट प्रश्न –** डरपोक अंग्रेज सरकार ने सोचा कि जनता में उपद्रव न खड़ा हो जाए इसलिए उन्होंने भगत सिंह को एक दिन पहले ही फाँसी पर चढ़ा दिया। **(ख)** 1. ख 2. ख 3. ग **(ग)** 1. बेचैन 2. भगतसिंह 3. 24 मार्च, सन् 1931 4. खौलता **(घ)** 1. नवयुवक- बहुत-से नवयुवक आजादी पाने को बेचैन थे। 2. फाँसी- 24 मार्च, सन् 1931 को फाँसी का दिन नियुक्त किया गया। 3. भाग जाना- भगत सिंह ने साँडर्स को गोली से उड़ा दिया और भाग गये। 4. क्रान्ति- नवयुवक जान हथेली पर रखकर क्रान्ति के मार्ग पर चल पड़े। **(ङ)** 1. स्वतंत्र- परतंत्र 2. प्रसिद्ध- अप्रसिद्ध 3. स्वर्ग- नरक 4. मारना- बचाना **(च)** 1. नवयुवक 2. तेजस्वी 3. अंग्रेज 4. सरकार **क्रियाकलाप –** 1. भगतसिंह 2. सुखदेव 3. राजगुरु 4. बाल गंगाधर तिलक 5. मंगल पांडे 6. चन्द्र शेखर 7. लाजपत राय 8. विपिन चन्द्र

अध्याय- 16 बीसलदेव चौहान

मौखिक-अभ्यास- 1. जगदेव चौहान 2. बीसलदेव से 3. बीसलदेव के दादा अजयराज ने **(क)** 1. अर्णोराज को उसके बड़े पुत्र जगदेव ने मार डाला। 2. अर्णोराज चौहान सांभर राज्य का शासक था। 3. बीसलदेव ने शीघ्र फौज तैयार करके अपने भाई जगदेव को युद्ध के लिये ललकारा। इस छोटी-सी लड़ाई में जगदेव हार गया और मारा भी गया। 4. बीसलदेव चौहान एक साहसी राजा था, उसने राजा बनते ही नई सेना बनाकर दिल्ली पर चढ़ाई कर दी और वहाँ के तोमर राजाओं को मार भगाया और वहाँ का राजा बन गया। यही नहीं उसने गुजरात के राजा कुमारपाल को हराने के बाद अफगानिस्तान के तुर्कों को पंजाब से ही नहीं बल्कि हिन्दुस्तान से भी मार भगाया। 5. राजा बीसलदेव ने अजमेर में एक विशाल मंदिर बनवाकर उसकी दीवारों पर नाटक 'हरिकेलि' को कारीगरों से मंड़ित करवाया। इस मंदिर को सरस्वती मंदिर कहते हैं। **हॉट प्रश्न –** 1. बीसलदेव ने जगदेव को हराया, दिल्ली पर चढ़ाई करके तोमर राजाओं को मार गिराया और गुजरात के राजा कुमारपाल को भी हराया। बीसलदेव ने ही हिन्दुस्तान से तुर्कों को मार भगाया था। बीसलदेव ने 'हरिकेलि' नामक नाटक लिखा तथा इस नाटक को अजमेर में एक बड़ा मन्दिर बनवाकर उसकी दीवारों पर कारीगरों से खुदवाया। 2. मुसलमान बादशाह कुतुबुद्दीन ऐबक ने अपना रौब दिखाने के लिए मन्दिर को तोड़कर कर मस्जिद का निर्माण करवाया। कहते है ढाई दिन में उसने यह मस्जिद बनावाई। इसलिए इसे ढाई दिन का झोपड़ा के नाम से जाना जाता है। यह ढाई दिन का झोपड़ा आज भी अजमेर में स्थित है। **(ख)** 1. क 2. ख 3. ग **(ग)** अनासागर, मैदान, अर्णोराज, तुर्कों, तुर्कों, हिन्दुस्तान, वह दिनभर, मेहनत, उठकर, व्यायाम, बहादुर, मजेदार, पढ़ने-लिखने, मेधावी, नाटक- 'हरिकेलि'। **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✗) **(ङ)** 1. साहसी- कायर 2. राजा- रंक 3. बहादुर- डरपोक 4. पुत्र- पुत्री 5. दादा- दादी 6. जमीन- आसमान 7. नगर- ग्राम 8. भाई- बहन 9. सुबह- शाम 10. मंदिर- श्मशान **(च)** 1. कारीगर 2. मूर्ति 3. दीवार 4. नाटक 5. तुर्क 6. बीच 7. बगीचा 8. सीढ़ी 9. आँख 10. लोग 11. राजा **क्रियाकलाप –** 1. महाराणा प्रताप 2. अकबर 2. मानसिंह 3. अर्णोराज चौहान 4. बीसलदेव चौहान 5. जयसिंह 6. दुर्गादास 7. गजसिंह 8. पृथ्वीराज चौहान 9. उदयसिंह 10. अशोक

अध्याय- 17 तिरंगा

मौखिक-अभ्यास- 1. उल्लास 2. धवल 3. हिमालय **(क)** 1. तिरंगा स्वाधीन देश की भाषा है। 2. गंगा का निर्मल पानी है। 3. क्योंकि हिमालय पर्वत पर सदैव बर्फ जमीं रहती है, इसलिये यह सफेद दिखाई देता हैं। 4. तिरंगे का मान-सम्मान बढ़ाने के लिये हमें नित्य सम्मानजनक कार्य करने के प्रयास करने चाहिए। 5. तिरंगे की गरिमा के आगे पृथ्वी और आसमान दोनों नत-मस्तक हैं। **हॉट प्रश्न –** 1. तिरंगे में तीन रंग

है। ये तीनो रंग है – (अ) केसरिया – ये रंग समृद्धि का प्रतीक है। (ब) सफेद – यह रंग शान्ति का प्रतीक है। (स) हरा – यह रंग खुशहाली का प्रतीक है। 2. तिरंग के बीच में जो चक्र स्थित है इसमें चौबिस तिल्लियाँ होती है। यह चक्र प्रगति का प्रतीक है। **(ख)** 1. क 2. ग 3. ख **(ग)** 1. ध्वज, स्वाधीन, भाषा, उल्लास, मन, जन, अभिलाषा 2. स्वतंत्रता, प्रहरी, जवान, ताकत, कृषक, श्रम-विवेक, श्रद्धा। **(घ)** 1. कवि कहते हैं कि हमारा देश का तिरंगा ध्वज केवल कपड़ा मात्र ही नहीं है, यह सम्पूर्ण भारत को अपने में समेटे हुए है। इसकी गौरव-गाथा के सामने पृथ्वी और आसमान दोनों झुकते हैं। 2. हमारे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा की प्रतिष्ठा और यश में वृद्धि हो और इसका मान व प्रताप बढ़ सके, ऐसे हम देशवासियों के प्रतिदिन प्रयास हो, जिससे तिरंगे की विश्व में इज्जत और बढ़ सके। **(ङ)** 1. गंगाजल 2. गुरुवाणी 3. तिरंगा 4. हिमालय **(च)** 1. मेहनत 2. आस्था 3. कर्ज या एहसान 4. प्रयत्न 5. आदरणीय व्यक्ति 6. झण्डा **(छ)** 1. पराधीन 2. शोक 3. अधूरा 4. अनत 5. कृष्ण 6. मलिन **(ज)** 1. कल्याण 2. ध्वज-पताका 3. भाषी 4. अम्बर **(झ)** 1. स्वतंत्रता, प्रहरी, जवान 2. कृषक, खुशहाली, श्रम, विवेक, श्रद्धा **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

कक्षा - 4

अध्याय- 1 प्रार्थना

मौखिक अभ्यास – 1. माँ शारदे से 2. वेद शास्त्र 3. जन-जन का **(क)** 1. भारत माता की सेवा करके जीवन सफल बनाने के लिए कहा है। 2. मन-मंदिर का अंधेरा दूर करना है। 3. आत्म-ज्ञान की ज्योति जलानी है। 4. हृदय में नवीन बुद्धि (विचारों) का संचार करने के लिए बच्चे कह रहे हैं। 5. बच्चे माँ शारदे से प्रार्थना कर रहे हैं कि हमारे हृदय में नवीन विचारों का उदय हो, प्यार भरे अमृत से हमको परिपूर्ण कर दो जिससे हम सबको पूर्ण सुख की अनुभूति करा सकें। बच्चे सभी लोगों का मंगल (कल्याण) करने, खुश होकर मन का अंधेरा दूर करने तथा आत्म-ज्ञान का प्रकाश फैलाने की माँग कर रहे हैं। **हॉट प्रश्न –** कवि माँ शारदे से सहस्त्रों अपमान सहकर भी जन-जन में सद्भावना जगाने में सफल होने का वरदान माँग रहा है। **(ख)** 1. क 2. ख 3. ग 4. ख 5. क **(ग)** रहें तन में या, सबको, सुख, से बढ़कर, सब, प्यारा, बनाएँ, जन का, तू, दे माँ, हमको **(घ)** 1. स्वर्ण - वर्ण 2. मधुर - सुधा 3. अपमान - समान 4. भूमि - धरा 5. नूतन - मंगल 6. माँ - शारदा 7. देश - वतन 8. उर - मन **(ङ)** 1. शारदे- माता शारदे, हमें बुद्धि और विद्या का आशीर्वाद दीजिए। 2. सहस्त्रों- देश की आजादी के लिए सहस्त्रों लोगों ने अपने जीवन की आहुतियाँ दी हैं। 3. स्वर्णभूमि- हमारे वतन की धरा स्वर्णभूमि से भी बढ़कर है। 4. शास्त्र- हमारे शास्त्र ज्ञान के भण्डार हैं। 5. वेद- वेद चार हैं। **(च)** 1. नूतन - पुरातन 2. पूरा - अधूरा 3. दूर - पास 4. हम - तुम 5. सफल - असफल 6. जलाकर - बुझाकर 7. जीवन - मरण 8. अपमान - सम्मान 9. हमको - तुमको **क्रियाकलाप-** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 2 पर्यावरण घायल है

मौखिक अभ्यास – 1. वायु, भूमि, जल और शोर 2. जल और शोर 3. कार्बन मोनो ऑक्साइड **(क)** 1. बाबा 'पर्यावरण' है। 2. बाबा को निर्दयी समाज ने कष्ट पहुँचाया है। 3. चार आकृतियाँ वायु, भूमि, जल और शोर हैं। 4. वायु सभी जीवधारियों को साँस लेने में सहायता करती है तथा यह वर्षा लाने में भी सहायक है। वायु वस्तुओं को जलाने में भी काम आती है। 5. वायु को विभिन्न प्रकार के वाहनों से निकलने वाली कार्बन-मोनो ऑक्साइड गैस तथा सीसे, कारखानों से निकलने वाले सल्फर तथा नाइट्रोजन के ऑक्साइडों ने, क्रैशरों एवं सीमेण्ट फ्रैक्ट्रियों की धूल, ज्वलनशील रासायनिक पदार्थ तथा रेडियोधर्मी तत्त्वों ने, टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर व एयरकंडीशनर से निकलने वाले क्लोरोफ्लोटो-कार्बन ने क्षति पहुँचाई है। 6. वायु के शत्रुओं में वाहनों से निकलने वाली कार्बन-मोनोऑक्साइड तथा कारखानों से उत्सर्जित होने वाली सल्फर तथा नाइट्रोजन ऑक्साइड गैंसें तथा धूल-मिट्टी, रासायनिक पदार्थ, परमाणु विस्फोट से उत्पन्न होने वाला रेडियोधर्मी तत्त्व आदि हैं। 7. भूमि का दुश्मन पॉलीथिन बैग, कीटनाशक दवाएँ, रासायनिक खाद, कारखानों से निकलने वाला अवशिष्ट पदार्थ आदि हैं। 8. जल को फैक्ट्रियों और कारखानों से निकलने वाले कचरे ने, रासायनिक वर्षा, सीवरेज के गंदे पानी तथा उद्योगों से निकले हानिकारक रसायनों ने हानि पहुँचाई है। **हॉट प्रश्न –** 1. वायु प्रदूषण से प्राणियों में श्वास संबंधी रोग, आँखों की बीमारियाँ, फेफड़ों का केंसर आदि जैसी बीमारियाँ हो सकती हैं। 2. लाउड स्पीकर, फैक्ट्रियों की आवाज, वाहनों की आवाज इत्यादि उत्तरदायी है। **(ख)** 1. ख 2. क 3. ग **(ग)** 1. पर्यावरण, भुजा 2. आकृतियाँ 3. आश्रय, खाद्य 4. क्रियाएँ, उपस्थिति 5. आंचल, पैबंद **(घ)** 1. पर्यावरण ने सौरभ व अनु से 2. जल ने सौरव व अनु से 3. वायु ने सौरव व अनु से 4. भूमि ने अनु व सौरभ से 5. पर्यावरण ने सभी बच्चों से। **(ङ)** 1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓) **(च)** 1. घायल - सही-सलामत 2. उपस्थित - अनुपस्थित 3. आगे - पीछे 4. खाद्य - अखाद्य 5. नुकसान - फायदा 6. काँटे - फूल 7. कष्ट - मदद 8. क्षति - लाभ 9. जागें - सोऐं 10. शत्रु - मित्र 11. स्वच्छ - अस्वच्छ 12. महँगी - सस्ती **(छ)** 1. बगीचों - बगीचा 2. बताओं - बताना 3. जीवधारियों - जीवधारी 4. ऑक्साइडों - ऑक्साइड 5. क्रैशरों - क्रैशर 6. प्राणियों - प्राणी 7. भुजाओं - भुजा 8. फेफड़ों - फेफड़ा 9. कारों - कार 10. बीमारियों - बीमारी 11. फैक्ट्रियों - फैक्ट्री 12. आँखों - आँख 13. पैरों - पैर 14. रसायनों - रसायन 15. वायुयानों - वायुयान 16. बच्चों - बच्चा 17. पदार्थों - पदार्थ 18. उद्योगों - उद्योग 19. आकृतियों - आकृति 20. ऋतुओं - ऋतु 21. कारखानों - कारखाना 22. प्रजातियों - प्रजाति 23. हमको - मुझको 24. मनुष्यों - मनुष्य **(ज)** 1. पर्यावरण- हमारे चारों ओर पर्यावरण विद्यमान है। 2. अवस्था- प्रदूषक तत्वों ने पर्यावरण को दयनीय अवस्था में पहुँचा दिया है। 3. भुजा- भुजा के द्वारा हम सामान उठा व ले जा सकते हैं। 4. वायुयान- वायुयान, यातायात का तीव्रतम साधन है। 5. रसायन- उद्योगों से विभिन्न प्रकार के रसायन उत्सर्जित होते हैं। 6. क्रैशर- क्रैशर पत्थर तोड़ने में उपयोगी होता है। 7. उद्योग- उद्योग कई प्रकार के होते हैं। 8. रेडियोधर्मी- परमाणु-विस्फोट से रेडियोधर्मी तत्व उत्पन्न होते हैं। 9. एयरकंडीशनर- गर्मी के मौसम में एयरकंडीशनर आवश्यक है। 10. कार्बन- कार्बन-मोनोऑक्साइड गैस पर्यावरण को क्षति पहुँचाने में सहायक होती है। 11. गुर्दा- गुर्दा हमारे शरीर के अवशिष्ट पदार्थों को उत्सर्जित करने का कार्य करता है। 12. वनस्पति- वनस्पति पर्यावरण-शुद्धि में सहायक होती है। 13. हॉर्न-

वाहनों के प्रेशर-हॉर्नों से अनावश्यक शोर होता है। 14. लाउडस्पीकर- हमें लाउडस्पीकर का कम उपयोग करना चाहिए। **क्रियाकलाप-** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 3 कश्मीर

मौखिक अभ्यास – 1. केसर की 2. झेलम नदी में 3. शिवजी का **(क)** 1. जम्मू-कश्मीर हमारे देश का सबसे सुन्दर प्रदेश है। 2. कश्मीर-घाटी संसार की खूबसूरत घाटियों में से एक है। यहाँ बर्फ से ढके पर्वत, हरे-भरे वन, सुन्दर झीलें तथा अनेक मनमोहक उद्यान हैं। पहाड़ों से गिरते झरने और केसर की क्यारियाँ घाटी की सुंदरता को द्विगणित कर देती हैं। कहीं चिनार के विशाल वृक्ष हैं, तो कहीं लम्बे देवदार वृक्षों की कतारें दिखाई पड़ती हैं। फल-फूलों से लदी कश्मीर-घाटी को देखकर ऐसा लगता है कि यह एक बड़ा बगीचा है। 3. 'डलझील' कश्मीर की आकर्षक व मनमोहक झील हैं, जिसमें शिकारे (चलती हुई गाड़ी) चलते हुए देखकर उनमें बैठकर सवारी करना आनन्दमय प्रतीत होता है। 4. मुगल बादशाह जहाँगीर को बाग-बगीचे लगाने का बड़ा शौक था। 5. शालीमार बाग सौन्दर्यता का श्रेष्ठ उदाहरण है। इसे देखकर ऐसा लगता है कि मनुष्य और प्रकृति ने मिलकर इसका सौन्दर्य रचा है। यह सीढ़ीनुमा बाग है, जिसमें आड़ू, बादाम, खुबानी और चेरी के वृक्ष बहुत सुन्दर दिखाई देते हैं। पेड़ों पर सेब ही सेब देखकर मन ललचा जाता है। बाग के मध्य में आकर्षक नहर है जो कि उतरती हुई डलझील में गिरती है। 6. निशात बाग को शाहजहाँ की बेगम के पिता आसफजहाँ ने बनवाया। 7. कश्मीर के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में डलझील, शालीमार बाग, निशात बाग, गुलमर्ग, खिलनमर्ग, सोनमर्ग तथा पहलगाम, धार्मिक स्थानों में वैष्णों देवी व अमरनाथ आदि हैं। 8. श्रद्धालु पहलगाम से होकर अमरनाथ की यात्रा करते हैं। **हॉट प्रश्न –** अमरनाथ हिन्दुओं का प्रमुख धार्मिक तीर्थ स्थल है। श्रद्धालु पहलगाम से होकर अमरनाथ की यात्रा करते है। साल में एक बार बर्फ से अपने आप यहाँ शिवलिंग बन जाता है। बर्फ के शिवलिंग के दर्शन करने के लिए प्रतिवर्ष भारी संख्या में देश के कोने-कोने से लोग आते है। **(ख)** 1. क 2. ख 3. ग **(ग)** 1. प्रेम 2. स्वर्ग 3. हाउसबोट 4. केसर **(घ)** 1. पृथ्वी - धरती 2. उद्यान - बगीचा 3. शौक - रूचि 4. प्रेम - प्यार 5. निमंत्रण - आमंत्रण 6. प्रसिद्धि - ख्याति 7. सरोवर - तालाब **(ङ)** 1. हाउस-बोट- यह नाव में बना हुआ लकड़ी का घर होता है, जिसमें रहना आनन्दमय प्रतीत होता है। 2. शिकारे- शिकारे एक प्रकार की नाव होती है, जो कि कश्मीर में 'डलझील' में चलते हुए देखे जा सकते हैं। 3. घाटी- कई पर्वतों के मध्य का मैदानी भू-भाग। 4. दस्तकारी- हाथों से बनी हुई कलाकृतियों तथा आकृतियों को दस्तकारी कहते हैं। 5. कढ़ाई- वस्त्रों पर हाथ से उकेरी गई कशीदाकारी। 6. मौसम- किसी निश्चित समय एवं स्थान के वातावरण की सामान्य अवस्था **(च)** 1. स्थल - स्थलों 2. क्यारी - क्यारियों 3. सुविधा - सुविधाएँ 4. सीढ़ी - सीढ़ियाँ 5. पहाड़ - पहाड़ों 6. झील - झीलों 7. सरोवर - सरोवरों 8. घाटी - घाटियों 9. वृक्ष - वृक्षों 10. निर्झर - निर्झरों 11. बाग - बागों 12. बगीचा - बगीचों 13. प्रदेश - प्रदेशों 14. उद्यान - उद्यानों 15. दर्शक - दर्शकों 16. परिवार - परिवारों 17. गर्मी - गर्मियों **(छ)** 1. पृथ्वी - अम्बर 2. देश - विदेश 3. सुंदर - असुन्दर 4. शौक - अरूचि 5. बहुत - कम 6. प्रेम - घृणा 7. प्रसन्नता - अप्रसन्नता 8. छोटे - बड़े 9. बेगम - बादशाह **(ज)** 1. मनोरम 2. बड़ा 3. सुंदर 4. स्वर्ग 5. छोटा 6. सीढ़ीनुमा 7. खूबसूरत 8. मनमोहक **(ञ)** 1. बर्फीला- कश्मीर में चारों ओर बर्फीले दर्रे दिखाई देते हैं। 2. मूर्ति- मंदिर में विष्णु भगवान् की मूर्ति स्थापित है। 3. दृश्य - यह दृश्य अत्यधिक सुहावना है। 4. झरना - बाग के मध्य में एक झरना दिखाई देता है। 5. मोहकता - कश्मीर की मोहकता विश्व-प्रसिद्ध है। 6. गर्मियाँ - मरूप्रदेश में गर्मियाँ अधिक पड़ती हैं। **क्रियाकलाप –** 1. कुतुब मिनार 2. शीशमहल 3. बुलंद दरवाजा 4. अमरनाथ 5. लाल किला 6. सूर्य मंदिर 7. इण्डिया गेट 8. जयगढ़

अध्याय- 4 महर्षि दधीचि

मौखिक अभ्यास – 1. महर्षि अथर्वा 2. शान्ति 3. त्वष्टा 4. भगवान विश्वकर्मा ने 5. भगवान इन्द्र 6. ब्राह्मण जाति के **(क)** 1. महर्षि दधीचि शांत प्रकृति के, परोपकारी और भगवान के भक्त थे। 2. वृत्तासुर राक्षस से सुरक्षा के लिए सभी देवता भगवान नारायण की शरण में गये, वहाँ भगवान् नारायण ने देवताओं को महर्षि दधीचि के पास जाकर प्रार्थना करने के लिये कहा। देवताओं के राजा इन्द्र ने महर्षि दधीचि से अपनी हड्डियाँ देने के लिए विनती की, जिससे वज्र बनाकर वृत्तासुर को परास्त कर सकें। 3. देवताओं के राजा इन्द्र ने महर्षि दधीचि से कहा, ''वृत्तासुर ने हमारे घर-द्वार छीन लिए हैं। हम लोग बहुत दुःखी होकर आपकी शरण में आये हैं। साधु पुरुष अपने पास आये दुःखी लोगों का दुःख कष्ट उठाकर भी दूर करते हैं। आप अपनी हड्डियाँ दे दें तो उससे वज्र बनाकर हम वृत्तासुर को जीत लेंगे।'' 4. महर्षि दधीचि को देवताओं के आग्रह पर बड़ी प्रसन्नता हुई। महर्षि बोले- ''यह तो बहुत उत्तम बात है। मृत्यु तो एक दिन होनी ही है, किसी का उपकार करने से मृत्यु हो जाये, इससे उत्तम बात और क्या होगी?'' 5. देवताओं की वृत्तासुर से सुरक्षा के लिए वज्र बनाने के लिए महर्षि दधीचि ने अपनी हड्डियों का दान किया। 6. महर्षि ने आसन लगाया, नेत्र बन्द किये और योग के द्वारा शरीर छोड़ दिया। **हॉट प्रश्न –** ''साधु पुरुष अपने पास आए दुखी लोगों का दुख स्वयं कष्ट उठाकर भी दूर करते है।'' इस बात से मैं सहमत हूँ क्योंकि जिस प्रकार महर्षि दधीची ने अपनी अस्थियों का दान किसी का उपकार करने के लिए किया। यह काम एक सच्चा साधु पुरुष ही कर सकता है। **(ख)** 1. ख 2. क 3. क **(ग)** पत्नी, जन्म, बचपन, दधीचि, शांत, लगा, अच्छा, बड़े, पिता, लेकर, तपस्या, हिमालय, सैकड़ों, तप। **(घ)** 1. देवताओं के राजा इन्द्र ने महर्षि दधीचि से 2. महर्षि दधीचि ने राजा इन्द्र से 3. महर्षि दधीचि ने देवताओं से। **(ङ)** 1. शिखर- महर्षि दधीचि ने हिमालय के शिखर पर सैकड़ों वर्षों तक तपस्या की। 2. तपस्या- तपस्वी सदैव तपस्या में ही लगे रहते हैं। 3. तपस्वी- महर्षि दधीचि बड़े तपस्वी थे। 4. असुर- एक असुर ने देवताओं को परास्त कर दिया था। 5. वज्र - विश्वकर्मा ने महर्षि की हड्डियों से वज्र बनाया। 6. आश्रम- महर्षि का आश्रम सुन्दर व मनोहर था। 7. उपकार- साधु पुरुष हमेशा उपकार करते हैं। 8. शाप- ऋषि ने असुरों को शाप दे दिया। 9. आसन- महर्षि आश्रम में आसन पर विराजमान थे। 10. स्मरण- लोग महर्षि दधीचि को सदैव स्मरण करते रहेंगे। **(च)** 1. असुर - सुर 2. जन्म - मरण 3. बचपन - वृद्धावस्था 4. पत्नी - पति 5. अच्छा - बुरा 6. शांत - अशांत 7. पुत्र - पुत्री 8. उपकार - अपकार 9. पाप - पुण्य 10. शाप - वरदान 11. स्वर्ग - नरक 12. पिता -

माता 13. दिन - रात 14. आदर - अनादर 15. पृथ्वी - अम्बर **(छ)** 1. हड्डियों - हड्डी 2. दूसरों - दूसरा 3. लोगों - लोग 4. देवताओं - देवता 5. सैकड़ों - सैकड़ा 6. वर्षों - वर्ष 7. आयें - आया **(ज)** तपस्वी, भक्त, अमर, महर्षि, उत्तम, परोपकारी, शांत, साधु, ब्राह्मण, दानी, योगी। **क्रियाकलाप –** शिखर – रजत – तराजू – जूता – तालाब – बकरी – रीझना – नापाक – कपड़ा – डाकू – कुसुम – मकान।

अध्याय- 5 मेरी पुस्तक

मौखिक अभ्यास – 1. विद्या 2. फुलवारी 3. पुस्तकों की **(क)** 1. फुलवारी रंग-बिरंगे फूलों से सजी होती है। 2. पुस्तक से सभी विद्याएँ निकली हैं। 3. 'पुस्तक' सबकी दुलारी है। 4. पुस्तक बस्ते में रखी होती है। 5. अकेले में हमारी मित्र पुस्तक होती है। **हॉट प्रश्न –** 1. हमारे जीवन में ज्ञान का बहुत महत्त्व है। बिना ज्ञान के मनुष्य का जीवन निरर्थक है। ज्ञान ही व्यक्ति के जीवन को आधारवान बनाता है। 2. ज्ञान की वृद्धि में पुस्तक की अहम् भूमिका होती है। पुस्तक हम स्वयं भी पढ़ते है और दूसरों को भी पढ़ाते हैं। पुस्तक का ज्ञान स्थायी होता है। **(ख)** 1. ग 2. क 3. ख **(ग)** 1. विद्या 2. फुलवारी 3. पूजा 4. साक्षर 5. बस्ते **(घ)** 1. अक्षर, ज्ञान-कथा, कविताएँ, इसमें सुंदर चित्र सुहायें। 2. खुद पढ़ता, औरों को पढ़ाता, दादा-दादी को साक्षर बनाता। 3. होता हूँ जब कभी अकेला, बन जाती ये मित्र हमारी। **(ङ)** 1. प्यारी - प्यारा 2. दुलारी - दुलारा 3. कितनी - कितना 4. दादा - दादी 5. सजी - सजा 6. रात - दिन 7. हमारी - हमारा 8. रहती - रहता 9. पढ़ता - पढ़ती 10. पढ़ाता - पढ़ाती **(च)** 1. पुजारी - पूजा करने वाला 2. फुलवारी - बगीचा, उद्यान 3. विद्या - शिक्षा 4. साक्षर - पढ़ा-लिखा 5. विद्यालय - पाठशाला 6. कविता - काव्य-रचना **(छ)** 1. मित्र - शत्रु 2. अकेला - जोड़ा 3. सुन्दर - कुरूप 4. साक्षर - निरक्षर 5. सस्ते - महँगे **क्रियाकलाप-** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 6 साइबेरियाई सारस की प्रवास-यात्रा

मौखिक अभ्यास – 1. सारस क्रौंच की अपेक्षा ऊँचा व पतला होता है। जबकि क्रौंच छोटा व कुछ मोटा होता है। क्रौंच की चोंच लम्बी, बड़ी व भारी होती है। 2. सारस की चोंच छोटी होती है। 3. साइबेरियाई सारस की आवाज मृदुल और बाँसुरी जैसी होती है। **(क)** 1. साइबेरियाई सारस हिम धवल रंग का सुंदर पक्षी है। 2. सारस जैसा लगने वाला पक्षी 'क्रौंच' हैं। 3. 'सारस' भारत में मिलने वाले पक्षियों में सबसे ऊँचा पक्षी है। 4. साइबेरिया के सारस सर्दियाँ बिताने भारत में आते हैं। 5. साइबेरिया के सारसों का भारत में राजस्थान के भरतपुर के निकट स्थित 'केवलादेव पक्षी उद्यान' प्रिय शीत-आवास स्थान है। 6. साइबेरिया सारस मार्च-अप्रैल के महीने तक भारत से वापस साइबेरिया चले जाते हैं। **हॉट प्रश्न –** 1. सारस भारत में आमतौर पर उत्तर-पश्चिम दिशा से आते है और अक्टूबर माह के मध्य से लेकर अंत तक पाकिस्तान चले जाते है। नवम्बर माह में यह उत्तरी भारत में आ जाते है। कुछ दशक पहले तक वे पूर्व में उत्तर प्रदेश और बिहार तक फैल जाते थे। फिर ये सारस दक्षिण भारत में नागपुर तक पहुँच जाते थे। 2. साइबेरिया का सारस लगभग डेढ़ मीटर ऊँचा, लम्बी चमकदार लाल चोंच वाला हिम धवल रंग का सुन्दर और भव्य पक्षी है। **(ख)** 1. ख 2. ग 3. ख **(ग)** 1. ऊँचा व पतला 2. दूसरे 3. सर्दियाँ 4. शाकाहारी **(घ)** 1. नहीं 2. हाँ 3. नहीं 4. नहीं **(ङ)** 1. मृदुल 2. कर्कश 3. चीन 4. भारत **(च)** 1. साइबेरियाई = साइबेरिया + ई = साइबेरिया का 2. अमरीकी = अमरीका + ई = अमेरिका का 3. जापानी = जापान + ई = जापान का 4. चीनी = चीन + ई = चीन का 5. पाकिस्तानी = पाकिस्तान + ई = पाकिस्तान का 6. नेपाली = नेपाल + ई = नेपाल का 7. बंग्लादेशी = बंग्लादेश + ई = बंग्लादेश का **(छ)** 1. छोटा - बड़ा 2. आना - जाना 3. पूर्वी - पश्चिमी 4. उत्तर - दक्षिण 5. धवल - कृष्ण 6. उन्मुक्त - बंधक 7. शाकाहारी - मांसाहारी 8. शीत - ऊष्ण **(ज)** 1. उद्यान - यह उद्यान सभी को प्रिय लगता है। 2. पर्यावरण - हमें पर्यावरण का विशेष ध्यान रखना चाहिए। 3. प्रदूषण - पर्यावरण-प्रदूषण वर्तमान में एक विश्वव्यापी समस्या है। 4. बाँसुरी - श्रीकृष्ण भगवान बाँसुरी बजाते थे। 5. कंद - साइबेरियाई-सारस कंद खाते हैं। 6. अंकुर - अंकुर से ही पौधा बनता है। 7. प्रजनन - पक्षियों में प्रजनन-क्रिया का समय अलग-अलग होता है। **क्रियाकलाप -** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 7 जयमल और फत्ता

मौखिक अभ्यास – 1. सोलह वर्ष के थे। 2. अरावली पर्वत के घने जंगल में। 3. सूर्य द्वार की। **(क)** 1. सम्राट अकबर एक के बाद एक राजपूत राज्यों को जीतते चले जा रहे थे। 2. मेवाड़ के शासक स्वाधीनता बेचने से पहले मर जाना पसन्द करते थे। 3. अकबर ने राजस्थान के मेवाड़ राज्य की राजधानी चित्तौड़गढ़ पर बार-बार आक्रमण किये। 4. राणा उदयसिंह अपने सरदारों और सामन्तों की सलाह से अरावली पर्वत के घने जंगल में जा छुपे। 5. जयमल और फत्ता की मूर्तियाँ अकबर ने आगरे के किले में रखवायीं। 6. राजपूत स्त्रियों ने चिताएँ सजाकर जौहर कर लिया। 7. जयमल बदनौर के राठौड़ सामन्त वंश का और फत्ता कैलवाड़ा का सामन्त था। **हॉट प्रश्न –** जयमल और फत्ता वीर बालक थे। जयमल ने सारे किले की रक्षा का भार अपने ऊपर ले रखा था। फत्ता सूर्य द्वार की रक्षा कर रहा था। यह दोनों काल की तरह शत्रुओं पर वार कर रहे थे। दोनों ही बालक किले की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। **(ख)** 1. क 2. ख 3. ख **(ग)** विहीन, भार, सामन्तों, सरदारों, निर्भीक, सेना, मुगलों, विशाल, डटकर, एक-एक, वीरगति **(घ)** 1. वीर - वीराँगना 2. बालक - बालिका 3. पिता - माता 4. भाई - बहिन 5. चाचा - चाची 6. स्त्री - पुरुष 7. रोशनी - प्रकाश, रोशन **(ङ)** 1. राजपूत - राजपूतों 2. वंशज - वंशजों 3. मुगल - मुगलों 4. कन्या - कन्याएँ 5. पर्वत - पर्वतों 6. वीर - वीरों 7. बालक - बालकों 8. सरदार - सरदारों 9. योद्धा - योद्धाओं **(च)** 1. वंशज - राणा उदयसिंह राणा साँगा के वंशज थे। 2. स्वाधीनता - राजपूतों ने स्वाधीनता के लिये सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। 3. मुगल - मुगल सम्राट अकबर ने कई राज्यों पर विजय प्राप्त की। 4. सामन्त - मेवाड़ राज्य की रक्षा का भार वीर सामन्तों ने ले लिया। 5. सरदार - राणा की सेना में अनेक वीर सरदार शामिल थे। 6. द्वार - जयमल किले के द्वार की रक्षा कर रहा था। 7. जौहर - राजपूत स्त्रियों ने जौहर कर लिया। 8. पर्वत - राणा उदयसिंह अरावली पर्वत के घने जंगलों में चले गये। 9. छावनी - अकबर की सेना में अनेक छावनियाँ सम्मिलित थीं। 10. केसरिया - क्षत्रिय वीरों ने केसरिया बाना पहना। 11. मूर्तियाँ - जयमल और फत्ता की मूर्तियाँ बनवाई गईं। **(छ)** 1. विशाल - लघु

2. बाद - पहले 3. मित्र - शत्रु 4. ब्याह - निंब्याह 5. युद्ध - शांति 6. आसान - कठिन 7. वीर - कायर 8. शत्रु - मित्र 9. मौत - जिन्दगी 10. भूल - याद **(ज)** 1. राज्यों - राज्य 2. मुगलों - मुगल 3. सामंतों - सामंत 4. सरदारों - सरदार 5. हाथियों - हाथी 6. मूर्तियाँ - मूर्ति 7. बालकों - बालक 8. स्त्रियाँ - स्त्री 9. लोगों - लोग **क्रियाकलाप –** अकबर एक मुगल सम्राट था। वह राजपूत राज्यों को जीतना चाहता था। वह राजपूत राज्यों को युद्ध से जीत रहा था या फिर राजपूत कन्याओं से विवाह करके जीतता था। अकबर की सेना बहुत बड़ी थी।

अध्याय- 8 डा. होमी जहाँगीर भाभा

मौखिक अभ्यास – 1. मुम्बई में 2. यांत्रिकी विज्ञान की 3. श्री पाली के साथ। **(क)** 1. विज्ञान के आविष्कारों से विश्व में स्वर्ण-प्रगति हुई है। इन आविष्कारों में जैसे- हवाई जहाज से अत्यधिक लम्बी दूरी भी कुछ घंटों में तय की जा सकती है, बारूद के उपयोग से पत्थर प्राप्त करना, परमाणु ऊर्जा से बिजली उत्पादन भी किया जाता है। इस प्रकार वैज्ञानिक आविष्कारों ने विश्व में नई-नई जानकारियों के ज्ञान के साथ समय की बचत तथा प्रगति की रूपरेखा तैयार की है। 2. डा. होमी जहाँगीर भाभा ने परमाणु शक्ति से बड़े-बड़े बिजलीघर चलाकर दिखाये। 3. डा. भाभा को अपने कार्य के अलावा अपने देश की चिंता अधिक थी। वह चाहते थे कि दूसरे देशों की तरह भारत भी उन्नति करें। 4. डा. भाभा के प्रयासों से पहली परमाणु भट्टी 'अप्सरा' 1956 में, दूसरी भट्टी 'जर्लीना' 1961 में और तीसरी भट्टी कनाड़ा की मदद से 1963 में बनी। 5. डा. भाभा ने अपने आविष्कार व ज्ञान का उपयोग देश के निर्माण के लिये किया। उन्होंने अपना जीवन व शक्ति देश के लिये अर्पण कर दी। **हॉट प्रश्न –** 1. परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना में डॉ. होमी जहाँगीर भाभा का योगदान था। 2. 1956 में पहली परमाणु भट्टी बनी। इसका नाम अप्सरा था। ऐसी भट्टी पहले एशिया महाद्वीप में रूस को छोड़कर कहीं नहीं थी। 1961 में दूसरी भट्टी जर्लीना भी तैयार हो गई। तीसरी भट्टी कनाड़ा की मदद से 1963 में बनी। परमाणु शक्ति से भारत तीन बड़े बिजलीघर का निर्माण कर रहा है। **(ख)** 1. ख 2. ख 3. क **(ग)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✗) 6. (✗) **(ङ)** व्यक्तिवाचक संज्ञा- बंबई, भाभा, इंग्लैण्ड, बैंग्लौर, म्यूनिख, रूस, एशिया, अप्सरा जातिवाचक संज्ञा - नगर, हाईस्कूल, पर्वत, सड़क, मानव भाववाचक संज्ञा - आयु, चिंता, योग्य, अच्छा **(च)** 1. सम्मान - अपमान 2. मृत्यु - जन्म 3. उन्नति - अवनति 4. निर्माण - विनाश 5. बड़ा - छोटा 6. अपना - पराया 7. नगर - ग्राम 8. जीवन - मरण 9. योग्यता - अयोग्यता 10. पुरस्कार - दण्ड 11. नष्ट - निर्माण 12. बहुत - कम 13. पहली - आखिरी 14. अधिक - अल्प **(छ)** 1. परमाणु- परमाणु शक्ति से बिजली का उत्पादन किया जाता है। 2. गोलाबारी- सीमा पर आए-दिन गोलाबारी होती रहती है। 3. वैज्ञानिक- वैज्ञानिक नए-नए आविष्कार करते हैं। 4. आविष्कार- विज्ञान के आविष्कारों से मानव-जाति को कई लाभ प्राप्त हुए हैं। 5. प्राध्यापक- विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों के प्राध्यापक नियुक्त होते हैं। 6. यांत्रिक- डा. भाभा ने यांत्रिक विज्ञान की परीक्षा प्रथम श्रेणी में पास की। 7. पुरस्कार- श्रेष्ठ कार्यों के लिए सम्मान के रूप में पुरस्कार दिया जाता है। 8. उद्योग- उद्योग अर्थव्यवस्था के आधारभूत स्तम्भ होते हैं। **क्रियाकलाप –** विज्ञान के लाभ – 1. अन्तर्राष्ट्रीय घटनाएँ घर बैठे देख सकते हैं। 2. भंयकर बीमारियों का इलाज संभव है। विज्ञान से हानियाँ – 1. विज्ञान के दुरुप्रयोग से हानि। 2. पर्यावरण का दूषित होना।

अध्याय- 9 सीख भरे दोहे

मौखिक अभ्यास – 1. राम के भरोसे 2. विद्या रुपी धन को 3. झूठ के बराबर **(क)** 1. सरस्वती अर्थात् विद्या का भण्डार जैसे-जैसे दूसरों को दिया जाता है, वैसे-वैसे बढ़ता जाता है, और विद्या का दान नहीं करने पर यह घटता जाता है। 2. धन व विद्या में विद्या को बड़ा बताया गया है। 3. जब तक शरीर में प्राण रहते हैं, तब तक दया नहीं छोड़नी चाहिए। 4. प्रभु सत्यवादी पुरुष के हृदय में निवास करते हैं। 5. राम का भरोसा करने से मनुष्य निर्भय अर्थात् चिंतामुक्त हो जाता है। **हॉट प्रश्न –** 1. विद्या ऐसा धन है जिसको न चोर चुरा सकते है न ही राजा छीन सकता है क्योंकि इसका दान करने पर यह और अधिक बढ़ती है। विद्या अमूल्य धन है इसके बिना व्यक्ति का जीवन निरर्थक है। 2. 'ऐसे बड़े होने से क्या लाभ जो किसी के काम नहीं आ सकते।' इस कथन से मैं पूर्णतया सहमत हूँ। जिस प्रकार खजूर का पेड़ बड़ा होता है लेकिन किसी को छाया नहीं दे सकता उसी तरह बड़ा वही है जो दूसरों की मदद कर सके। **(ख)** 1. ख 2. क 3. ख **(ग)** 1. धर्म, मूल 2. बराबर तप, झूठ 3. राखै, सकै नहिं **(घ)** 1. खजूर 2. पाप 3. धर्म 4. अधिक 5. विद्या **(ङ)** 1. कवि कहते हैं कि केवल बड़े होने से कोई भी बड़प्पन को प्राप्त नहीं होता है, जिस प्रकार खजूर का पेड़ अत्यधिक ऊँचा होता है, लेकिन किसी को भी उसका लाभ नहीं मिल पाता है, न तो किसी राहगीर को छाया और न ही फल प्राप्त होते हैं, क्योंकि यह अधिक ऊँचाई पर होते हैं। 2. सरस्वती-भण्डार अर्थात् विद्या के खजाना में अनोखी बात यह है कि यह खर्च करने पर अर्थात् दूसरों को देने पर बढ़ता जाता है और संचय करने पर यह कम होता जाता है। ज्ञान बाँटने से बढ़ता है, इसलिए हमें सदैव दूसरों से ज्ञान का आदान-प्रदान करना चाहिए। 3. विद्या-धन को सभी प्रकार के धन से अत्यधिक अच्छा धन कहा गया है, जिसको कोई भी हमसे छीन नहीं सकता है और न ही चोर चुरा सकता है अर्थात् अन्य धन व सम्पत्ति की रक्षा की चिन्ता रहती है, लेकिन विद्या-धन हमारे बुद्धि-विवेक में रहता है, जो कि अन्तकाल तक हमारे साथ रहता है। **(च)** 1. धर्म का मूल दया है, तो पाप का अभिमान- दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान। 2. विद्या रूपी धन सभी धनों से उत्तम है- विद्या धन सब धनन ते, अति उत्तम ठहराइ। 3. जिसका रक्षक ईश्वर है, उसको कोई क्षति नहीं हो सकती- जाको राखै साइयाँ, मारि सकै नहिं कोय। **(छ)** 1. साँच - सत्य, उतना ही- तितो 2. साइयाँ - भगवान्, उसके - ताके 3. बैरी - दुश्मन, जिसके - जाके 4. घटि - घटना, तपस्या - तप 5. सकत - सकना, हुआ - भया 6. पंथी - राहगीर, हृदय - हिरदे 7. घट - शरीर, सम्राट - नृपाल **क्रियाकलाप-** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 10 माँ और सदाचार की शिक्षा

मौखिक अभ्यास – 1. श्री गुरुदास बंधोपाध्याय 2. गीले और मैले-कुचैले वस्त्रों में 3. धाय **(क)**1. क्योंकि वृद्ध औरत जो कि उनके घर पर धाय रही थी, वह गंगा स्नान करके गीले वस्त्रों में न्यायालय में आ गई थी। इस पर न्यायाधीश गुरूदास ने मुकदमा वहीं रोक दिया। 2. गुरूदास

बंधोपाध्याय की माता का नाम 'स्वर्णमणि' था। 3. गुरूदास बंधोपाध्याय के पिता का नाम 'रामचन्द्र' था। 4. गुरूदास ब्राह्मण जाति के थे। 5. गुरूदास की माँ बच्चे को लोभी व हठी बनने देना नहीं चाहती थी। उनका विचार था कि एक बार माँग पूरी होने से बालक फिर हठ करेगा और उसका लालच बढ़ेगा। 6. ''स्वयं आचरण करके सदाचार की शिक्षा दो''- यह देवी स्वर्णमणि के जीवन का मूल मंत्र था। 'यदि हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे सदाचारी बनें, विनयी बनें' तो पहले खुद को सदाचारी और विनयी बनना होगा। 7. मामा के घर स्नेह के कारण लड़का बिगड़ न जाए, इस आशंका से शीघ्र ही गुरूदास को माँ स्वर्णमणि ने वापस बुला लिया। **हॉट प्रश्न –** ''स्वयं आचरण करके सदाचार की शिक्षा दो।'' यह देवी स्वर्णमणि का मूलमंत्र था उन्होंने गुरुदास जी को सदाचार और शिष्टाचार का पाठ पढ़ाया। स्वर्णमणि देवी ने आर्थिक कष्टों को सहते हुए पुत्र को सदाचार की शिक्षा दी और वह एक दिन उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने। **(ख)** 1. ख 2. ग 3. ख **(ग)** भाग्य, अच्छा, उनकी, अच्छी, लगी, बाद, वकील, छोटे, मकान, माँ, अपना, महल, सहस्त्र। **(घ)**1. न्यायाधीश गुरूदास बंधोपाध्याय ने 2. गुरूदास की माँ स्वर्णमणि ने 3. स्वर्णमणि ने 4. देवी स्वर्णमणि ने। **(ङ)** 1. न्यायाधीश- उच्च न्यायालय में कई न्यायाधीश होते हैं। 2. जज - न्यायालय में जज मुकदमों की सुनवाई करते हैं। 3. धाय - 'धाय' बच्चों का लालन-पालन करने वाली स्त्री होती है। 4. रीति- भारतीय समाज में अनेक रीति-रिवाज विद्यमान हैं। 5. मातृभक्ति- यह मातृभक्ति गुरूदास में उनकी माँ के प्रभाव से आयी। 6. पति-वियोग- पति-वियोग के कारण गुरूदास की माँ पर आर्थिक संकट आ गया। 7. सदाचार- जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सदाचार आवश्यक है। 8. शिष्टाचार- बच्चों को शिष्टाचार सिखाना चाहिए। 9. वकील- गुरूदास वकील से जज बन गए। 10. स्वर्गवास- पिता के स्वर्गवास होने पर गुरूदास का लालन-पालन उनकी माँ ने किया। **(च)** 1. माँ - बाप 2. बुढ़िया - बुड्ढ़ा 3. चपरासी - चपरासिन 4. ब्राह्मण - ब्राह्मणी 5. पुत्र - पुत्री 6. मामा - मामी 7. भाई - बहिन। **(छ)** 1. सदाचार - कदाचार 2. शिष्टाचार - अशिष्टाचार 3. पुरस्कार - दण्ड 4. प्रथम - अन्तिम 5. कठोर - नरम 6. गीले - शुष्क 7. पीछे - आगे 8. अपेक्षा - उपेक्षा 9. दूर - पास 10. अच्छा - बुरा। **(ज)** 1. वह, गाँव 2. वे, कोलकाता, उच्च न्यायालय, न्यायाधीश 3. गंगा, बुढ़िया 4. पुत्र, माता 5. गुरूदास। **क्रियाकलाप-** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 11 पन्नाधाय

मौखिक अभ्यास – 1. पन्ना राजकुमार उदयसिंह की धाय थी। 2. बनवीर दासी का पुत्र था। 3. नदी के किनारे वट वृक्ष के नीचे। 4. राजस्थान राज्य में। 5. राणा सांगा 6. पन्ना ने अपने पुत्र की ओर इशारा किया। **(क)** 1. बनवीर को चिंता रहती थी कि उदयसिंह बड़ा होकर राज्य संभाल लेगा और तब उसके ये मजे के दिन नहीं रह जायेंगे। 2. पन्नाधाय ने राजकुमार उदयसिंह को बचाने के लिए अपने ही पुत्र का बलिदान कर दिया। 3. पन्नाधाय ने सोते हुए राजकुमार उदयसिंह को टोकरी में रखकर महल के बाहर पहुँचा दिया ओर अपने बेटे को राजकुमार के वस्त्र पहनाकर उदयसिंह के पलंग पर सुला दिया। 4. बनवीर बड़ा दुष्ट और स्वार्थी प्रकृति का व्यक्ति था। 5. पन्नाधाय ने राजकुमार उदयसिंह के प्राण बचाने के लिए अपने बेटे का बलिदान दे दिया। **हॉट प्रश्न –** पन्नाधाय एक दासी थी। उसने बालक उदयसिंह की देखभाल की थी। पन्नाधाय का एक बेटा था जो उदयसिंह की ही उम्र का था। दोनों बच्चे साथ-साथ पल-बढ़ रहे थे। दासी पुत्र बनवीर उदयसिंह को मारकर राज्य हड़पना चाहता था। पन्नाधाय ने उदयसिंह को अपने पुत्र की बलि देकर बचाया। ऐसी माता के लिए हमारा सिर स्वतः ही झुक जाता है। **(ख)** 1. ख 2. ख 3. ख **(ग)** 1. दुष्ट, स्वार्थी 2. दासी 3. बेटे 4. विक्रमादित्य 5. मूर्ति **(घ)** 1. आँख में काटा - बुरा लगना 2. कान खड़े होना - सुनने की कोशिश करना 3. चैन की नींद सोना - आनन्द करना 4. मूर्ति बनना - क्रियाविहीन होना 5. इशारा करना - संकेत करना। **(ङ)** 1. रात - दिन 2. पल - बढ़ 3. राज - काज 4. साथ - साथ 5. नाच - गान 6. अलग - अलग 7. दौड़ी - दौड़ी **(च)** 1. रात - दिन 2. क्रोध - शान्त 3. हँसना - रोना 4. माँ - बाप 5. मृत्यु - जन्म 6. बड़ा - छोटा 7. काँटे - फूल **(छ)** 1. बालक - बालिका 2. स्त्री - पुरुष 3. दादा - दादी 4. माँ - बाप 5. दासी - दास 6. राजकुमार - राजकुमारी 7. बुढ़िया - बुड्ढ़ा 8. बेटा - बेटी 9. टोकरी - टोकरा 10. पहरेदार - पहरेदारनी 11. देवी - देवता **(ज)** 1. प्राणों - प्राण 2. बच्चों - बच्चा 3. कमरों - कमरा 4. आँखों - आँख 5. रास्ते - रास्ता **(झ)** जातिवाचक संज्ञा- धाय, दादा-दादी, पुत्र, पहरेदार भाववाचक संज्ञा- कुर्बानी, वीर, स्वार्थी, बलिदान, दुलारे, क्रोध, हँसना व्यक्तिवाचक संज्ञा- पन्ना, मेवाड़, सांगा, बनवीर, उदयसिंह, विक्रमादित्य, आँख **(ञ)**1. बलिदान- पन्नाधाय ने अपने पुत्र का बलिदान कर दिया। 2. कर्त्तव्यपालन- इस कहानी से हमें कर्त्तव्यपालन की शिक्षा मिलती है। 3. मिसाल- भारतीय इतिहास में त्याग और बलिदान की अनेक मिसालें मिलती हैं। 4. वीर नारी- वीर नारी वीरों का हौंसला बढ़ाती हैं। 5. राजकुमारी- राजकुमारी गायत्री देवी बहुत सुन्दर थी। 6. मेवाड़- मेवाड़ राज्य की राजधानी चित्तौड़गढ़ थी। 7. दासी-पुत्र- बनवीर एक दासी-पुत्र था। 8. नियुक्त- बनवीर को राज-काज के संचालन के लिए नियुक्त किया गया। 9. जूठन- जूठन को महल से बाहर फेंक दिया गया। 10. वार- तलवार के एक ही वार से बालक के दो टुकड़े हो गए। 11. पत्थर की मूर्ति- पन्ना पत्थर की मूर्ति की तरह चुपचाप खड़ी रही। **क्रियाकलाप –** पन्ना – नाच – चमचा – चाबी – बीमार – राम – मरा – राज – जहाज – जमाना – नापाक – कमल।

अध्याय- 12 चतुर राजा

मौखिक अभ्यास – 1. उज्जैन 2. एक पुत्र को 3. महिला गुप्तचर की **(क)** 1. विक्रमादित्य मालवा देश के राजा थे। 2. एक का नाम धर्मवती और दूसरी औरत का नाम कर्मवती था। 3. दोनों औरतों में बालक को अपना पुत्र बताने का झगड़ा था। 4. राजा ने दोनों औरतों का भेद लेने के लिए गुप्तचर महिला की नियुक्ति की। 5. धर्मवती ने कहा, ''बहुत दिनों की प्रतीक्षा के बाद पुत्र का मुख देखा था। पुत्र होते ही पन्द्रह दिन बाद उसके पिता परलोक सिधार गये। अब पुत्र भी परलोक जा रहा है। अब तो मेरे सामने अँधेरा ही अँधेरा है। रोने के सिवाय कोई चारा भी नहीं।'' 6. कर्मवती ने कहा, ''मुझसे यह नहीं देखा जाता कि मेरे केवल कन्या रहे और उसके पुत्र हो जाय। इस पुत्र के कट जाने पर मेरे तो कन्या रहेगी, पर उसके पुत्र नहीं रहेगा। इसी से मुझे प्रसन्नता है।'' 7. कर्मवती ने बालक का अपहरण किया था। 8. कर्मवती को दुःख हुआ कि उसके

कन्या हुई है और धर्मवती के पुत्र उत्पन्न हुआ है। इसलिए कर्मवती ने ईर्ष्यावश बालक का अपहरण कर लिया। **हॉट प्रश्न –** महिला गुप्तचर ने दोनों औरतो के विषय में पता किया कि बच्चे की असली माँ कौनसी है। जो असली माँ थी वह अपने पुत्र के टुकड़े होते हुए नहीं देख सकती थी जबकि दूसरी औरत जो असली माँ नहीं थी उसे राजा का फैसला मंजूर था। क्योंकि वह चाहती थी कि उसकी पड़ोसन के पुत्र न हो। **(ख)** 1. ख 2. ग 3. क **(ग)** मालवा, प्रतापी, न्यायप्रिय, राजधानी, राज्य, गाँव, दो औरतें, परस्पर, पर, एक पुत्र, जन्म, कन्या, सुना, पुत्र, उसे, ईर्ष्या, नहीं, उसने सबसे, कहा **(घ)** 1. धर्मवती ने 2. गुप्तचर महिला ने 3. राजा विक्रमादित्य ने 4. धर्मवती ने **(ङ)** 1. सत्य 2. सत्य 3. असत्य 4. असत्य 5. असत्य **(च)** 1. राजा - रानी 2. कन्या - पुत्र 3. पुत्र - पुत्री 4. गुप्तचर - गुप्तचरी 5. बहिन - भाई 6. महिला - पुरुष 7. बच्चे - बच्ची 8. बालक - बालिका 9. सखी - सखा 10. स्त्री - पुरुष **(छ)** 1. शहर 2. रंक 3. प्रीति 4. उजाला 5. बायाँ 6. दूर 7. अनुपस्थित 8. रात 9. अप्रसन्न 10. अज्ञात 11. पुत्री **(ज)** 1. बराबर-बराबर - समान भाग वाक्य प्रयोग - राजा ने बालक के दो टुकड़े करके दोनों में बराबर-बराबर बाँटने का निर्णय किया। 2. रोते-रोते - रोना-बिलखना - धर्मवती ने रोते-रोते कहा- ''राजन! मुझे कोई भी भाग नहीं चाहिए। 3. रोती-रोती - रोना (किसी बात को लेकर दुःखी होना) - धमवती रोती-रोती न्याय पाने के लिये राजा के पास पहुँची। 4. घुल-मिलकर - मेल-जोल - दोनों औरतें परस्पर घुल-मिलकर रहती थी। 5. इधर-उधर - दोनों ओर - वह रोती-रोती इधर- उधर पुत्र को खोजती-फिरती रही। 6. बातों-बातों - परस्पर-वार्ता - गुप्तचरी ने बातों-बातों में कन्या का रहस्य पता लगा लिया। 7. रात-दिन - सदैव - बहिन! रात-दिन क्यों रोती हो ? 8. साथ-साथ - परस्पर संग - हम साथ-साथ घूमने जाएँगे। 9. सत्य-सत्य - सच, ठीक - सखी ने सभा में सत्य-सत्य कहा। 10. पालन-पोषण - देखभाल - इस कन्या को पालन-पोषण के लिए मेरे पास भिजवाया गया है। **क्रियाकलाप-** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 13 कोयल

मौखिक अभ्यास – 1. संदेशा 2. पानी **(क)** 1. कोयल की बोली 'मीठी' है। 2. कोयल ने मिठास अपनी माँ से पाई है। 3. कोयल को माँ ने ही मीठी बोली सिखलाई है। 4. कोयल को उसकी माँ ने मीठी बोली, डाल-डाल पर उड़ना सिखाया है। 5. कोयल ने कूक-कूककर आमों में मिसरी घोली है। 6. कोयल ने सदैव अपनी माँ की बात मानी है, इसलिए कोयल को 'चिड़ियों की रानी' कहा जाता है। **हॉट प्रश्न –** 1. मीठी बोली से सब आकर्षित होते है। जो व्यक्ति मीठा बोलता है उसके सब अपने हो जाते है। व्यक्ति चाहे कितने ही गुस्से में हो मीठी बोली से उसका गुस्सा शान्त हो जाता है। 2. कड़वी बोली विष के समान होती है। जिस व्यक्ति की बोली में विष है उससे सब दूर भाग जाते है क्योंकि उसकी वाणी से झगड़ा होने का डर बना रहता है। **(ख)** 1. ख 2. ख 3. ग **(ग)** 1. बोली 2. चिड़ियों 3. संदेशा 4. गाती **(घ)** 1. कोयल ने मीठी बोली से आमों में मिठास घोली है। 2. कोयल मिठास भरी बोली और सभी से स्नेहपूर्वक व्यवहार की बातें अपनी माँ से सीखकर और उनका कहना मानकर 'चिड़ियों की रानी' कहलाई है। 3. कोयल की मीठी बोली से सभी को प्रसन्नता होती है। कोयल की कूक भरी बोली मीठी होने के साथ मधुर संदेश देती है। 4. कोयल सभी से मिठास भरी बोली बोलती है। कोयल ने अपनी माँ से सभी लोगों के प्रति प्रेमपूर्वक व्यवहार करना सीखा है। **(ङ)** 1. कोयल! कोयल! सच बताओ, क्या संदेशा लाई हो ? 2. क्या गाती हो ? किसे बुलाती ? बतला दो कोयल रानी! 3. माँ ने ही क्या तुमको मीठी बोली यह सिखलाई है ? 4. बहुत भली हो, तुमने माँ की, बात सदा है मानी। **(च)** 1. कोयल- कोयल की मिठास भरी बोली सभी को प्रिय लगती है। 2. चिड़ियों की रानी- कोयल को 'चिड़ियों की रानी' कहा जाता है। 3. संदेश- कोयल अपनी मीठी बोली से सभी को प्यार-भरा संदेश सुनाती है। **(छ)** 1. संदेसा - संदेश 2. दिनों - दिन 3. मेघों - मेघ 4. तुमको - मुझको 5. बोलो - बोला 6. चिड़ियों - चिड़िया 7. बतलाओ - बतला 8. आपनें - आप **(ज)** 1. बहुत - कम 2. इसकी - उसकी 3. काली - सफेद 4. आज - कल 5. रानी - राजा 6. धरती - आकाश 7. मिठास - कड़ुवी 8. भली - बुरी 9. सब - स्वयं **(झ)** 1. 1. काली - काला 2. गाती - गाता 3. रानी - राजा 4. मीठी - मीठा 5. माँ - बाप 6. बुलाती - बुलाता 7. कहलाती - कहलाता 8. माली - माला 9. भली - भला 10. आई - आया 11. पाई - पाया **(घ)** **क्रियात्मक-** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 14 राजा की पोशाक

मौखिक अभ्यास – 1. भड़कीली पोशाके 2. जंगलीराम की पत्नी ने कहा – ''ये कपड़े उतार दीजिए।'' 3. गुस्सा **(क)** 1. गाँव के लोगों ने एक स्वांग रचाया। 2. राजा की पोशाक जंगलीराम को मिली। 3. जंगलीराम के घर में कुत्ते का नाम मंत्री था। 4. सियार को रोज अखबार पढ़ने की आदत थी। 5. यह कथन जंगलीराम ने कहा। **हॉट प्रश्न –** राजा की पोशाक पहनकर जंगलीराम स्वयं को राजा समझने लगा क्योंकि वह पोशाक राजा की ही थी और उसे यह पोशाक स्वांग रचने के लिए मिली थी। परन्तु वह यह बात भूलकर अपने आप को राजा समझने लगा था। **(ख)** 1. ख 2. ख 3. क **(ग)** 1. स्वांग 2. पोशाक 3. राजा 4. सड़क 5. अखबार 6. घर **(घ)** 1. जंगलीराम ने 2. जंगलीराम की पत्नी ने 3. जंगलीराम ने 4. सियार ने 5. जंगलीराम ने **(ङ)** 1. संदेसा - खबर 2. कुत्ता - कुतिया 3. देव - देवी 4. रानी - राजा 5. औरत - आदमी 6. राजा - रानी 7. मालिक - मालकिन 8. बोली - बोला **(च)** 1. एक बार गाँव के लोगों ने एक स्वांग रचाया। 2. राजा की पोशाक जंगलीराम को मिली। 3. वह बहुत अच्छी और समझदार औरत थी। 4. उसे रोज अखबार पढ़ने की आदत थी। 5. पति की खूब सेवा करती थी। **(छ)** 1. धीरे - धीरे 2. पति - पत्नी 3. राजा - रानी 4. खुशी - खुशी 5. अपनी - अपनी 6. काम - काज **(ज)** 1. पोशाक पहनकर वह अपने को राजा समझने लगा। 2. गाँव के लोगों ने एक स्वांग रचाया। 3. कुत्ता दुम हिलाने लगा। 4. राजा के विजयी होने पर जयमाला पहनाई गई। 5. वह रोजाना अखबार पढ़ता है। **(झ)** 1. राजा, जंगलीराम 2. लोगों 3. कुत्ता, खुशी-खुशी 4. महल **क्रियाकलाप –** पोशाक से चरित्र बदलता तो सभी राजा-महाराजाओं के वस्त्र पहन लेते। व्यक्ति जो जैसा होगा वह वैसा ही रहेगा। कोई व्यक्ति भिखारी के कपड़े पहनने से भिखारी नहीं बन जाता। व्यक्ति अपने चरित्र से पहचाना जाता है ना कि कपड़ों से।

अध्याय- 15 परिश्रम का फल

मौखिक अभ्यास – 1. काम करने की 2. लालच का पलड़ा 3. बीज बोने के लिए सोचा। **(क)** 1. बूढ़ा आदमी गाँव में रहता था। 2. बूढ़े आदमी के तीन पुत्र थे। 3. तीनों लड़के काहिल, लोभी और कामचोर थे। 4. बूढ़ा आदमी तीर्थ पर जाने का बहाना बनाकर छुप गया था। 5. तीनों लड़कों को परिश्रम का सबक मिला। **हॉट प्रश्न –** उनके खेतों में इतनी फसल हुई जितनी कभी नहीं हुई थी। **(ख)** 1. ग 2. ग 3. क **(ग)** लड़कों, मन, लालच, आलस, झगड़ा, लालच, भारी, तीनों, सारा, खोद, खेत, फुट, भी, नहीं, दुःखी, लगा, ने, तंग **(घ)** 1. तीन 2. तीरथ 3. खेत 4. तीन **(ङ)** 1. लड़के - लड़का 2. खेतों - खेत 3. तीनों - तीन 4. बेटों - बेटा 5. लोगों - लोग **(च)** 1. लालच - लालच का फल बुरा होता है। 2. आदमी - बूढ़ा आदमी अपने पुत्रों से परेशान था। 3. परिश्रम - परिश्रम सफलता की कुँजी है। 4. कामचोर - कामचोर व्यक्ति आलसी होता है। 5. गाँव - गाँव की आबादी कम होती है। **क्रियाकलाप-** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 16 नटवर का नृत्य

मौखिक अभ्यास – 1. नन्दिवर्मा 2. पत्थर 3. गा सकती थी **(क)** 1. कोयल राजा नन्दिवर्मा के बगीचे में रहती थी। 2. पटाखों से महल के एक कोने में आग लग गई। 3. कोयल के मरने से राजकुमारी दुःखी होकर अपने पिता के पास जाकर विलाप करने लगी। 4. महल में आग लगने पर भी कोयल अपनी आदत के अनुसार गाती रही। राज-कर्मचारियों को यह देखकर बड़ा क्रोध आया और उनमें से एक ने कोयल को जोर से पत्थर दे मारा। 5. राजा को सारी बातें सुनकर बहुत क्रोध आया। 6. राजकुमारी कोयल को बहुत प्यार करती थी। **हॉट प्रश्न –** महादेव ने पार्वती जी से कहा – ''क्यों देवी, तुम्हें भी तो जरा-जरा सी बात पर रोना आ जाता है न?'' पार्वती जी ने महादेव जी को उत्तर दिया – ''आप ही लोगों से ऐसी गलतियाँ करवाते हैं। सारा दोष आपका ही है। मुझे तो ऐसे लोगों पर दया आ जाती है। मेरा यही धंधा समझ लीजिए।'' महादेवजी कहने लगे – ''हाँ प्रिये, यह मेरे नृत्य का प्रभाव है। दूर से देखने वालों को ही मेरे नृत्य में दोष दिखाई देंगे जबकि मैं सब खेल तुम्हें खुश करने के लिए खेला करता हूँ।'' **(ख)** 1. ख 2. ग 3. क **(ग)** 1. बगीचे 2. कोयल, प्यार 3. पटाखे 4. मधुर, गाया 5. धूमधाम, दीवाली **(घ)** 1. राजा ने 2. मंत्री ने 3. राजकुमारी ने 4. महादेव जी ने 5. महादेव जी ने **(ङ)** 1. राजन्! मैं क्षमाप्रार्थी हूँ। 2. अपनी वर्दी उतार दो। 3. राज-कर्मचारी ने राजा से विनती की। 4. महादेव जी ने पार्वती जी को रामकथा सुनाई। 5. कोयल मधुर आवाज में गाती है। **(च)** 1. राजकुमारी - राजकुमार 2. राजा - रानी 3. महादेव - महादेवी 4. देवी - देव 5. बीवी - शौहर 6. पिता - माता **(छ)** 1. मरना - जीना 2. रोना - हँसना 3. प्यार - नफरत 4. राजा - रंक 5. पास - दूर 6. बुझाना - जलाना 7. खुश - उदास 8. क्रोध - क्षमा 9. जमीन - आसमान 10. दया - निर्दय 11. दोष - गुण **(ज)** 1. राजकुमारी - राजकुमारियाँ 2. महल - महलों 3. कर्मचारी - कर्मचारियों 4. हत्या - हत्याएँ 5. आदत - आदतें 6. पटाखा - पटाखे 7. नौकर - नौकरों 8. सारा - सारों 9. मेरा - हमारा 10. धंधा - धंधों **क्रियाकलाप-** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 17 रंगा सियार

मौखिक अभ्यास – 1. सियार गली-गली भटक रहा था। 2. सियार की नजर धोबी के घर पर पड़ी। 3. वह पानी पीने नाले पर गया। **(क)** 1. सियार जंगल में रहता था। 2. सियार को वन में कुछ भी खाने को नहीं मिला, इसलिये वह भोजन की तलाश में नगर की ओर गया। 3. सवेरे जब सियार पानी पीने नाले पर गया। पानी पीते हुए उसने अपनी सूरत पानी में देखी, तो उसे मालूम चला कि वह नीला हो गया है। 4. जंगल के जानवरों ने ऐसा जानवर पहले कभी नहीं देखा था। वे डर गये। उन्होंने सिर झुकाकर सियार को अपना राजा मान लिया। 5. नीलांबर दूसरे जानवरों द्वारा मारकर लाये गये शिकार को मजे से बैठकर खाता और फिर अपना दरबार लगाता। **हॉट प्रश्न –** सियार ने जंगल में अन्य जानवरों को डराने के लिए झूठ बोला और अंत में उस झूठ का परिणाम हुआ कि शेर ने उस पर झपटा मारा और नोंच-नोंचकर खा डाला। सच है 'झुठ का परिणाम दुखद होता है।' **(ख)** 1. क 2. ग 3. ख **(ग)** 1. राजा 2. पानी 3. नगर 4. नीला 5. नाले **(घ)** 1. शेर ने कहा 2. रंगे सियार ने 3. रंगे सियार ने। **(ङ)** 1. रात - दिन 2. नगर - गाँव 3. सर्दी - गर्मी 4. पीछे - आगे 5. खुला - बन्द 6. गीले - सूखे 7. ठंडा - गरम 8. बहुत - कम **(च)** 1. धोबी - धोबिन 2. राजा - रानी 3. शेर - शेरनी 4. गधा - गधी 5. पड़ी - पड़ा **क्रियाकलाप –** 1. बन्दर क्या जाने अदरक का स्वाद 2. खोदा पहाड़ा निकली चुहिया 3. खिसयानी बिल्ली खंभा नोचे 4. भैंस के आगे बीन बजाना 5. साँप भी मर जाएँ और लाठी भी ना टूटे 6. काला अक्षर भैंस बराबर 7. जिसकी लाठी उसकी भैंस 8. अक्ल बड़ी या भैंस 9. आ बैल मुझे मार 10. ऊँट के मुँह में जीरा

अध्याय- 18 चालाकी काम न आई

मौखिक अभ्यास – 1. ढीलू 2. ढीलू ने पिंकी से कहा – ''पिंकी बहन, तुम कितनी बुद्धिमान और सुन्दर हो।'' 3. पिंकी नाम की लोमड़ी **(क)** 1. लोमड़ी चापलूस, चालाक और धूर्त थी। वह जंगल के सभी जानवरों को बेवकूफ बनाकर अपना काम निकलवाती थी। 2. बंदर ने लोमड़ी से कहा, ''यदि तुम अपनी बुद्धि का प्रयोग जंगल के जानवरों को परेशान न करके, शिकारियों को मात देने में करो, तो हम सब जंगल में सुख-चैन से रह सकते हैं।'' 3. पिंकी की आदत से सभी जानवर परेशान थे। 4. पिंकी ने ढीलू से गुस्से में कहा, '' चुप बंदर, बड़ा आया उपदेश देने वाला। मुझे शिकारियों का डर नहीं है। तू अपनी सोच।'' यह कहकर वह चली गई। 5. लोमड़ी को एक उपाय याद आया। वह सोचने लगी कि सीधी अंगुली से तो घी निकलने से रहा। इस ढीलू बंदर पर पत्थर फेंक कर वार करूँ, यह चिढ़कर आग-बबूला हो उठेगा, तो गुस्से में आकर आम फेंककर मारेगा, बस मेरा काम बन जाएगा। **हॉट प्रश्न –** हमें दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए क्योंकि चालाक, चापलूस और धूर्त व्यक्ति कभी सम्मान का पात्र नहीं बन सकता। उसकी चालाकी के कारण उसे अपने मुँह की खानी पड़ती है। **(ख)** 1. ग 2. ग क **(ग)** धूप, गरमी, पिंकी, पानी, देखा, टीले, देखा, तक, गरमी, प्यास, पेड़, बैठ, छाया, राहत **(घ)** 1. पिंकी 2. ढीलू 3. जंगल में 4. पानी की 5. आम 6. आम की गुठली से 7. आँख **(ङ)** 1. ढीलू बन्दर ने 2. ढीलू बन्दर ने 3. पिंकी लोमड़ी ने **(च)** 1. जंगल, पिंकी, लोमड़ी 2. शरारती, चंचल 3. तुम्हारी, बाल, पूँछ 4. आम, खट्टे 5.

ढीलू **(छ)** 1. जानवर- जंगल में अनेक जानवर रहते हैं। 2. चापलूस- लोमड़ी चापलूस और चालाक थी। 3. दर्पण- अपना मुखड़ा दर्पण में देखो। 4. चाल- बंदर उसकी चाल को समझ गया। 5. जंगल- जंगल अत्यधिक घना था। 6. तलाश- वह पानी की तलाश में इधर-उधर भटका। **(ज)** 1. मुँह में पानी आना - मन ललचाना 2. मन मसोसकर रहना - उदास हो जाना 3. आग-बबूला होना - अत्यधिक क्रोधित होना 4. तिलमिलाना - तड़पना 5. सीधी अंगुली से घी न निकलना - सामान्य तरीके से सफलता नहीं मिलना 6. सबक सिखाना - बदला लेना। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 19 ऋतुएँ

मौखिक अभ्यास – 1. पसीना 2. जब तन से पसीना आता है, तब सभी के हाथों में पंखा रहता है। 3. दीपावली **(क)** 1. गर्मी की ऋतु में जब शरीर से पसीना बहता है, तब सभी के हाथ में पंखा होता है। 2. बादल बूँदें बरसाकर गर्मी दूर भगाते हैं। 3. बिजली चमकने पर अत्यधिक पानी बरसने का संकेत मिलता है। 4. सरदी अपने साथ दीवाली लाती है। 5. होली आने पर सर्दी चली जाती है और गर्मी की ऋतु आ जाती हैं। दिन और रात बराबर हो जाते हैं। विभिन्न रंगों के फूल खिल जाते हैं और सभी का मन उमंग से भर जाता है। **हॉट प्रश्न –** ऋतुएँ हमारे जीवन में बहुत महत्त्व रखती है। वर्षा आने पर चारों तरफ हरियाली देखकर मन प्रफुल्लित हो जाता है। सरदी जाने पर गरमी आने पर रंग-बिरंगे फूल खिल जाते है। सरदी में तरह-तरह का स्वादिष्ट भोजन खाने को मिलता है। **(ख)** 1. क 2. ग 3. ख **(ग)** 1. धरती 2. पसीना 3. चमक 4. रंगीली 5. निराली **(घ)** 1. वर्षा ऋतु में काले बादल चारों ओर छा जाते हैं और बरसात की बूँदों से पानी गिरने लगता है। 2. सर्दी के जाते ही गर्मी की ऋतु शुरू हो जाती है। ऐसे मौसम में विभिन्न रंगों के फूल खिलने लग जाते हैं और प्रकृति में बहार आने लगती है। 3. होली के बाद दिन और रात्रि का समय बराबर हो जाता है अर्थात् गर्मी की ऋतु का आगमन हो जाता है। ऐसे समय में सभी लोग घरों के अन्दर सोने की बजाय बाहर खुले में सोना शुरू कर देते हैं। **(ङ)** पसीना- गर्मी के मौसम में पसीना आने लगता है। निराली- बसन्त ऋतु सबसे निराली ऋतु है। पंखा- पंखा हमें हवा देता है। बिजली- बिजली से हम विभिन्न प्रकार के उपकरण चलाते हैं। निराली- भारतीय इतिहास में स्त्रियों की स्थिति निराली है। रिमझिम- काले बादलों से रिमझिम बूँदें बरसने लगीं। **(च)** 1. गरमी - सरदी 2. गरम - ठंडा 3. रात - दिन 4. सोने - जगने 5. जाती - आती 6. चमक - चमकहीन 7. बड़ी - छोटी 8. बाहर - भीतर 9. शाम - सुबह 10. बहुत - कम 11. काले - सफेद 12. धरती - अम्बर **(छ)** 1. पानी - जल, तोय, नीर 2. हवा - पवन, अनिल, वायु 3. धरती - पृथ्वी, धरा, वसुंधरा 4. सूरज - रवि, भास्कर, दिनकर 5. बादल - मेघ, पयोधर, नीरद 6. हाथ- हस्त, कर, पाणि 7. फूल- पुष्प, सुमन, प्रसून 8. तन- शरीर, काया, गात 9. दीवाली- दीपावली, दीपपर्व, लक्ष्मीपर्व **क्रियाकलाप-** छात्र स्वयं करें।

कक्षा - 5

अध्याय- 1 वंदना

मौखिक अभ्यास – 1. खुशी के 2. कलियाँ 3. खुशबू की **(क)** 1. संसार का सिरजनहार 'प्रभु' हैं। 2. कलियाँ खिलकर मुस्कुराती हैं। 3. सुबह चिड़ियाँ खुशी के गीत गाती हैं। 4. ठंडी-ठंडी हवा चारों ओर से मस्ती ढोकर लाती हैं। 5. हरियाली मैदानों, वन-बागों में लहराने लगती है। **हॉट प्रश्न –** प्रभात होते ही चिड़ियाँ चहचहाने लगती है। कलियाँ खिल जाती है। सभी लोग ईश्वर का स्मरण करने लगते है। ठंडी-ठंडी हवा चलने लगती है। चारो तरफ खुशहाली का माहौल होता है। **(ख)** 1. ब 2. ब 3. अ **(ग)** 1. सुबह, कुछ गीत, के गाती 2. दरवाजे, दुनिया, मुसकाती 3. लहरें, बाहर, दौड़ लगाती **(घ)** 1. पानी 2. गाती 3. बहार 4. सिरजनहार 5. बाग 6. बगीचा 7. गाना 8. भोर 9. लहराती 10. दालान 11. चम-चम 12. मस्ती **व्याकरण-बोध (ङ)** 1. दूर 2. शाम 3. नीचे 4. अब 5. कब 6. उदासी 7. शत्रु 8. मुरझाई **(च)** 1. पवन, समीर, अनिल 2. उपवन, जंगल, कानन 3. बगीचा, उद्यान, वाटिका 4. हरा-भरा, हरित 5. विद्युत, तड़ित, दामिनी 6. जगदीश, परमात्मा, प्रभु 7. खग, पखेरू, चिड़ी 8. अताप, अतीव्र, ठंडक 9. सर्दी, ठंड, जाड़ा 10. संसार, विश्व, जगत **(छ)** 1. प्रभु 2. खुशी 3. कली 4. बाग 5. लहर **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 2 गौतम बुद्ध

मौखिक अभ्यास – 1. प्रियवंदा 2. दासी सवर्णा ने 3. सुगंधित पुष्पों से संस्कारित शीतोष्ण जल **(क)** 1. यशोधरा कुमार सिद्धार्थ के आगमन की अधिक उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही थी। इस कारण परेशान थी। 2. सिद्धार्थ भिक्षुवेश में नगर में वापस आए। 3. यशोधरा को सर्वप्रथम दासी सवर्णा ने सिद्धार्थ के आने की खबर दी। 4. यशोधरा सिद्धार्थ के आगमन के बारे में सोच रही थी। 5. संसार में दुःख का कारण 'तृष्णा' है। **हॉट प्रश्न –** राहुल को उत्तराधिकार में अपने पिता से आध्यात्मिक निधि मिली। धर्म का मार्ग मिला और बौद्ध धर्म की दीक्षा मिली। **(ख)** 1. स 2. अ 3. ब **(ग)** 1. मूक, वाचाल 2. विदुषी 3. हास-परिहास 4. साथ, सूर्य, ढलने 5. वियोग **(घ)** 1. राहुल ने सिद्धार्थ से 2. यशोधरा ने 3. दासी वाणी ने 4. प्रियवदा ने **(ङ)** 1. (✓) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✓) **व्याकरण-बोध (च)** 1. वाचाल 2. सुख 3. वर्तमान 4. संयोग 5. उत्पन्न **(छ)** 1. स्मृति 2. ध्वनि 3. कदम 4. चार 5. सहेलियाँ 6. पुष्पों 7. हाथ 8. दासी 9. बात 10. अक्षरों **(ज)** 1. फूल, प्रसून, सुमन 2. सखी, सहचरी, संगिनी 3. बिस्तरगाह, शैय्या, चारपाई 4. सुन्दरी, रम्या, स्वर्गवासिनी 5. संध्या, साँझ, निशावाहिनी 6. भिखारी, दानग्राही 7. शीत, ठंड, जाड़ा 8. भूपति, नृप, नरेश **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 3 दीपावली

मौखिक अभ्यास – 1. वनवास से 2. कार्तिक मास की अमावस्या को 3. कूड़ा-करकट **(क)** 1. दीपावली हिन्दुओं का प्रमुख त्योंहार है। 2. पूर्वकाल में श्रीरामचन्द्र जी चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या वापस आये थे, इसलिए इस खुशी में हर वर्ष कार्तिक मास की अमावस्या को दीपावली का त्योहार मनाया जाता है। 3. दीपावली का त्योहार लगातार पाँच दिनों तक मनाया जाता है। 4. दीपावली की रात्रि में मकानों को

जलते हुए दीपक की पंक्तियों से सजाया जाता है। बच्चे आतिशबाजी करते हैं। गणेशजी और लक्ष्मीजी का पूजन होता है। लोग मिठाइयाँ खाते-खिलाते हैं। 5. इस दिन गणेशजी और लक्ष्मीजी की पूजा होती है। 6. तीसरे दिन मुख्य त्योहार दीपावली पर रात्रि में मकानों पर दीपक व मोमबत्तियों आदि से सजावट की जाती है, आतिशबाजी होती है, मिठाइयाँ खाते और खिलाते हैं। रात्रि में गणेशजी व लक्ष्मीजी की पूजा की जाती है। 7. इस दिन जुआ खेलना बुरा है। 8. आतिशबाजी की तेज आवाज से कान का परदा फट सकता है और लोग बहरे हो सकते हैं। इससे लोग झुलस भी जाते हैं और आँखों को नुकसान पहुँच सकता है। **हॉट प्रश्न –** दीपावली पर गोर्वधन की पूजा की जाती है। क्योंकि श्रीकृष्ण ने गोर्वधन पर्वत उठाकर घोर वर्षा से ब्रजवासियों की रक्षा की थी। इस दिन गाय के गोबर से गोर्वधन बनाकर उसकी पूजा की जाती है। इस दिन गायों को महत्व दिया जाता है। उनकी वृद्धि की कामना की जाती हैं क्योंकि गायें हमारी माता है। **(ख)** 1. स 2. अ 3. अ **(ग)** 1. हिन्दुओं, त्योहार 2. त्योहार, पाँच 3. 'धनतेरस' 4. 'छोटी दीपावली' 5. गोबर, 'गोवर्धन' 6. रात्रि, गणेशजी, लक्ष्मी। **(ङ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) **व्याकरण-बोध (च)** 1. उदासी 2. काला 3. उजाला 4. निर्बाध 5. अंधकार 6. सामान्य 7. आधुनिक 8. दिन **(छ)** 1. त्योहार 2. दिन 3. मकान 4. बाधा 5. बहन 6. भाई 7. मिठाई 8. बच्चा **(ज)** 1. वह रोजाना विष्णु भगवान् की आरती करता हैं। 2. राम की कामना पूर्ण हो गई। 3. बच्चे आतिशबाजी कर रहे हैं। 4. हम अयोध्या घूमने गये थे। **(झ)** 1. दीपावली, हिन्दुओं 2. बच्चे 3. गणेश जी, लक्ष्मी जी। **(ञ)** छात्र स्वयं करें। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 4 करूणा

मौखिक अभ्यास – 1. तंदुल की पोटली 2. हृदय से 3. चरण धोने के लिए **(क)** 1. किसी के दुःख से दुःखी होना ही 'करूणा' है। 2. दूसरों के प्रति दयाभाव रखना करूणा है। किसी प्राणीमात्र के दुःख के प्रति सहानुभूति प्रकट करना, सहायता करना करूणा का ही रूप है। 3. सुदामा को उनकी पत्नी ने मित्र के पास भेजा। 4. श्रीकृष्ण ने सुदामा को गले लगाकर उनके चरण अपने अश्रुजल से धोऐ। प्रभु ने अपने दाँतों से सुदामा के पैरों के काँटे निकाले। 5. जब सुदामा द्वारिका पहुँचे तो भगवान श्रीकृष्ण सुदामा-सुदामा पुकारते हुए दौड़कर द्वार पर आए। उन्होंने सुदामा को अपने हृदय से लगा लिया। 6. उन्होंने अपने दाँतों से सुदामा के पैरों के काँटे निकाले। **हॉट प्रश्न –** श्रीकृष्ण ने सुदामा के साथ अपनी सच्ची मित्रता निभाई। उन्होंने सुदामा के कहे बिना ही उनकी सारी परेशानियाँ को समझ लिया। उन्होंने सुदामा के पैरों को अपने अश्रुजल से धोया और अपने दाँतो से सुदामा के पैर से काँटा निकाला। सुदामा गरीब थे किन्तु निष्पाप थे, पवित्र थे। श्रीकृष्ण ने उनको महल व राजपाट दिया। **(ख)** 1. स 2. अ 3. ब **(ग)** 1. दुःख, करूणा 2. सुदामा, से लगा 3. अपराध 4. गरीब, निष्पाप, पवित्र **(घ)** 1. (✓) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✗) **(ङ)** 1. पावन 2. हिय 3. मानव 4. प्रतिकूल 5. सखा 6. भार्या 7. चावल 8. व्याकुल 9. असमान 10. माध्यम **व्याकरण-बोध (च)** 1. शत्रु 2. कामी 3. अनुकूल 4. पति 5. अस्त 6. राजा 7. भले 8. याद करना 9. फूल 10. धनी 11. अमीर 12. सदाचारी **(छ)** 1. अपना 2. मनोभाव 3. दिन 4. काँटा 5. आँख 6. बात 7. सद्गुण 8. दूसरा 9. रानी 10. परिस्थिति **(ज)** 1. एक तपस्वी कई दिनों से गुफा में तपस्या कर रहा है। 2. अच्छे संसर्ग से मनुष्य में सद्गुण आते हैं। 3. दूसरों के प्रति करूणा का भाव रखना चाहिए। 4. अपार वैभव की प्राप्ति ने मित्र को दुराचारी बना दिया। 5. श्रीकृष्ण ने अश्रुजल से सुदामा के चरण धोए। 6. कन्हैया ने गोवर्धन पर्वत को उठा लिया था। 7. दरिद्र व्यक्ति का जीवन अभिशाप है। 8. मँहगाई ने गरीब व्यक्ति का जीना मुहाल कर रखा है। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 5 सभी धर्म समान हैं

मौखिक अभ्यास – 1. भीनी-भीनी 2. अच्छे-अच्छे और सुन्दर विचार 3. ईश्वर की शक्ति के सामने कृतज्ञता भाव, समर्पण भाव, विनम्र भाव से झुकना। **(क)** 1. गुलदस्ते में कई तरह के फूल एक साथ होते हैं जिसमें छोटी-बड़ी पंखुड़ियों वाले, तरह-तरह की खुशबू व रंगों के फूल सभी का मन मोह लेते हैं। 2. सभी धर्मों का लक्ष्य 'ईश्वर' है। 3. हमारे देश में धार्मिक सद्भावना अथवा एकता ने सम्पूर्ण भारत को धार्मिक एकता का स्वरूप प्रदान किया है। सभी लोग सभी धर्मों के पवित्र ग्रन्थों के प्रति आदर का भाव रखते हैं। पूर्व-पश्चिम के सभी धर्मों और सम्प्रदायों के पूजा-स्थल के प्रति समान भाव होता है। इसलिए भारत में विविधता में भी एकता है। 4. विविध धर्मों के पैंगम्बर सभी के लिए प्रकाश-स्तम्भ के समान रहे हैं। जैन धर्म के महावीर स्वामी ने अहिंसा के पालन करने पर जोर दिया। इस्लाम धर्म के हजरत मुहम्मद साहब का कहना था कि इंसान-इंसान सब बराबर हैं। बौद्ध-धर्म के प्रवर्तक महात्मा बुद्ध का कहना था कि लोगों के हृदय में प्रेम के फूल खिलाना हजारों तीर्थों की यात्रा से अच्छा है। सिक्ख धर्म के संस्थापक गुरुनानक की दृष्टि में सब धर्म और इंसान एक हैं तथा सभी धर्मों का प्यारा परमात्मा भी एक है। महात्मा ईसा ने मानव मात्र को भलाई करने के लिए प्रेरित किया। 5. सभी धर्मों के मूल में सच्चाई, ईमानदारी, श्रद्धा, भक्ति और कर्त्तव्यनिष्ठा के दर्शन मिलते हैं। **हॉट प्रश्न –** भारत में विभिन्न धर्मो के लोग रहते है। सभी का रहन-सहन, रीति-रिवाज सब कुछ भिन्न होता है। परन्तु एक समानता है, वह है – भारतीय होना। भारतीय होना ही भारत में एकता का अहसास कराता है। **(ख)** 1. ब 2. अ 3. अ **(ग)** 1. धर्म 2. गुलदस्ता 3. विविधता, भीतरी 4. माला **(घ)** 1. इस्लाम धर्म, सिक्ख धर्म, ईसाई धर्म, जैन धर्म, बौद्ध धर्म, पारसी धर्म। 2. बौद्ध धर्म के प्रवर्तक महात्मा बुद्ध थे। 3. जैन धर्म के प्रवर्तक महावीर स्वामी थे। 4. मुस्लिम धर्म के प्रवर्तक हजरत मुहम्मद साहब थे। **व्याकरण-बोध (ङ)** 1. फूल-गुच्छ, पुष्पदस्ता 2. मानव, मनुष्य, आदमी 3. पुष्प, सुमन, प्रसून 4. सुगन्ध, महक, सुरभि 5. सम्प्रदाय, विचारधारा, उपासना मार्ग 6. प्रेम, स्नेह, अनुराग **(च)** 1. पुरखा 2. सम्प्रदाय 3. धर्म 4. तीर्थ 5. मनुष्य 6. विचार 7. हिन्दु 8. मुसलमान 9. सिक्ख 10. ईसाई 11. निवासी 12. पंखुडी 13. गिरजाघर 14. मंदिर 15. मस्जिद 16. गुरुद्वारा **(छ)** 1. बाहरी 2. पीछे 3. तुम्हारे 4. खोला 5. धीमा 6. असमानता 7. अनादर 8. छूत 9. अनेकता **क्रियाकलाप –** लघु निबंध – हमारे देश में कई धर्म है। सभी अपने-अपने धर्म को स्वतंत्रता से मानते है। चाहे वह हिन्दु, मुसलमान, सिख या ईसाई हो। सबका ईश्वर एक ही सीख देता है – आपस में भाईचारे से रहना। धार्मिक सद्भावना अथवा एकता ने ही भारत को धार्मिक एकता का स्वरूप प्रदान किया है। सभी धर्मो के ग्रन्थों के प्रति हमारने मन में आदर की भावना रही हैं।

अध्याय- 6 कबीर के दोहे

मौखिक अभ्यास – 1. पंथी को 2. पेड़ 3. हिरण **(क)** 1. गुरु ने गोविन्द को बतला दिया। 2. हमें शीतल और मीठी वाणी बोलनी चाहिए जिससे अपने और दूसरों को भी सुनने में अच्छा प्रतीत हो सके। 3. सत्य को तपस्या करने के समतुल्य बताया गया है, वहीं झूठ को पाप करने के बराबर बताया है। 4. संतोष धन को सबसे अच्छा धन कहा गया है। 5. साहब (प्रभु) को सभी कामों को करने वाला बताया है। 6. राम सभी के हृदय में निवास करते हैं। 7. दुर्बल को सताने से विनाश हो जाता है। **हॉट प्रश्न –** संतोष धन के सामने सारे धन धूल के समान है क्योंकि यदि मन में संतोष ही नही होगा तो व्यक्ति धन के पीछे भागता रहेगा और यदि उसके पास जो कुछ भी है उसे ईश्वर की कृपा समझकर संतोष कर ले तो वह कभी दुखी नहीं हो सकता। **(ख)** 1. अ 2. अ 3. स **(ग)** 1. कबीर दास जी कहते हैं कि केवल बड़ा होने से कुछ भी प्राप्त नहीं होता है और न ही दूसरों का भला हो पाता है, जिस प्रकार खजूर का पेड़ अत्यधिक बड़ा होने पर भी पक्षी या राहगीर को छाया भी नहीं मिल पाती है और इसके फल भी अधिक ऊँचाई पर होते हैं, जिनको प्राप्त करना आसान नहीं होता है। 2. गुरु और प्रभु दोनों के उपस्थित होने पर शिष्य यह सोचता है कि मुझे सर्वप्रथम इन दोनों में किसे प्रणाम करना चाहिए अर्थात् किसे अपनाना चाहिए, ऐसे में गुरु, शिष्य की समस्या का समाधान करते हुए उसे गोविन्द अर्थात् प्रभु के समक्ष नतमस्तक होने की सीख देते हैं। 3. कबीर दास जी कहते हैं कि वृक्ष कभी-भी अपने फलों को स्वयं नहीं खाता है और न ही नदी पानी का अपने लिये संचय करती है, इसी प्रकार साधु परोपकार के लिये अपना सर्वस्व अर्पण कर देते हैं। **(घ)** 1. बानी, आपा 2. तन, सुख 3. गजधन, वाजिधन 4. संतोष, समान। **(ङ)** 1. गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागौं पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय॥ 2. कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढ़ै बन माहिं। ऐसे घटि-घटि राम है, दुनिया देखे नाहिं॥ 3. दुर्बल को न सताइए, जाकी मोटि हाय। मुई खाल की स्वाँस सो, सार भसम हौ जाय॥ 4. करता था सो क्यों किया, अब करि क्यों पछिताय। बोया पेड़ बबूल का, आम कहाँ ते खाय॥ 5. गोधन, गजधन, वाजिधन और रतनधन खान। जब आवे संतोष धन, सब धन धूरि समान॥ **(च)** 1. वृक्ष 2. पानी 3. शरीर 4. संतुष्ट 5. धूल 6. हृदय 7. ठंडक 8. सत्य 9. गुरूजन 10. सरिता 11. हरिण 12. पहाड़ 13. अश्व 14. हस्ती 15. लौह। **व्याकरण-बोध (छ)** 1. भस्म 2. कोई नहीं 3. वृक्ष 4. वन 5. सत्य 6. वाणी 7. पर्वत 8. धूलि **(ज)** 1. असत्य 2. ऊष्ण 3. स्वार्थ 4. पुण्य 5. पास 6. अतप 7. तब 8. जिया **(झ)** 1. शिष्य को गुरुजन की आज्ञा का पालन करना चाहिए। 2. हम गोविन्दजी के दर्शन करने जाएँगे। 3. खजूर का पेड़ बहुत ऊँचा होता है। 4. शीतल वाणी सबको प्रिय होती है। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 7 साहसी बालक

मौखिक अभ्यास – 1. राजस्थान में 2. रक्त रंजित तलवार 3. तलवार रखने का आवरण 4. आवरण **(क)** 1. चरवाहे एक पेड़ के नीचे बैठकर चौपड़ खेल रहे थे। 2. ऊँटनियाँ जोधपुर नरेश महाराज जसवंत सिंह की थी। 3. चरवाहों ने बालक को कहा, ''ये जोधपुर नरेश जसवंत सिंह की ऊँटनियाँ हैं, बकबक मत कर, भाग जा, नहीं तो महाराज से शिकायत कर देंगे, फिर जेल में बंद कर दिया जाएगा और खेत भी छीन लिए जाएंगे।'' 4. बालक ने कहा कि राजा की ऊँटनियाँ हैं तो क्या हर किसी की फसल नष्ट करेंगी, आप उन्हें हटा लीजिए, नहीं तो मैं उसको मार डालूँगा। 5. बालक ने म्यान से तलवार निकालकर खेत में घुसी ऊँटनी की गर्दन पर उछलकर एक जोरदार वार किया। ऊँटनी की गर्दन कट गई। 6. बालक ने महाराज के दरबार के बाहर बँधे पालतू ऊँट पर तलवार से वार किया और ऊँट की गर्दन कटकर अलग हो गई। **हॉट प्रश्न –** 1. वीर बालक दुर्गादास निडर व साहसी बालक था। वह अन्याय को सहन नहीं कर सकता था। उसने अपने पिता के परिश्रम से उगाई गई फसल को निडरता से बचाया तथा राजा जसवंत सिंह के आदमियों को सबक सिखाया। 2. प्रधान सेनापति बनकर दुर्गादास ने महाराज जसवंत सिंह की मृत्यु के बाद मुगल बादशाह औरंगजेब से टक्कर लेकर राजकुमार अजीत सिंह और महारानी महामाया की रक्षा की तथा मुगलों के पंजे से जोधपुर को स्वतंत्र कराया। **(ख)** 1. अ 2. अ 3. अ **(ग)** बालक, साहस, प्रगति, जोधपुर, प्रधान सेनापति, महाराज जसवन्त सिंह, मुगल, औरंगजेब, राजकुमार, और महारानी, रक्षा, मुगलों, पंजों, जोधपुर **(घ)** 1. दुर्गादास राठौड़ 2. आसकरण राठौड़ 3. बारह वर्ष 4. जसवन्त सिंह 5. प्रधान सेनापति दुर्गादास राठौड़ ने **(ङ)** 1. बालक ने चरवाहों से 2. चरवाहे ने बालक से 3. वृद्ध किसान आसकरण राठौड़ ने महाराज जसवंत सिंह से 4. महाराज जसवंत सिंह ने बालक से 5. आसकरण राठौड़ ने महाराज जसवंत सिंह से **व्याकरण-बोध (च)** 1. बड़ा 2. उदास 3. बुरी 4. नीचा 5. प्यार 6. दोष 7. जीवनदान 8. परतन्त्र **(छ)** 1. चरवाहा 2. ऊँटनी 3. जाएगा 4. तलवार 5. पुरुष 6. निर्दोष 7. हत्यारा 8. किसान **(ज)** 1. महारानी 2. पुत्री 3. माता 4. बालिका 5. कुतिया 6. छोटा 7. वृद्धा 8. महाराज **(झ)** 1. सुरक्षाकर्मी 2. भूपति 3. राजसभा 4. खड्ग 5. कृषक 6. आजाद 7. वृक्ष 8. जीर्ण **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 8 अतिथि-सत्कार

मौखिक अभ्यास – 1. हस्तिनापुर में 2. वह सबसे पहले भगवान को भोग लगाते थे। 3. अतिथि साक्षात् नारायण का स्वरुप होते है। **(क)** 1. ब्राह्मण परिवार में ब्राह्मण के अलावा उनकी स्त्री और पुत्र व पुत्रवधु रहते थे। ब्राह्मण और उनके परिवारजन संतोषी, भगवान के भक्त और अतिथि की सेवा करने वाले थे। 2. ब्राह्मण ने अतिथि को आदरपूर्वक आसन पर बैठाया, उनके पैर धोए और उनको भोजन दिया। 3. ब्राह्मण परिवार में सर्वप्रथम ब्राह्मण ने अपने भाग का आटा अतिथि को भोजन के लिये दिया, फिर ब्राह्मणी ने और उनके पुत्र ने अपने भाग का आटा अतिथि को दिया और अन्त में ब्राह्मण की पुत्रवधु ने भी अपने हिस्से का आटा दे दिया। 4. ब्राह्मण की पुत्रवधु ने कहा, ''अतिथि तो साक्षात् नारायण स्वरूप होते हैं। अतिथि सेवा करना परम धर्म है। आप लोगों ने मुझे पुण्य का जो उत्तम मार्ग दिखाया है, मैं तो उसी पर चल रही हूँ।'' 5. अतिथि साक्षात् धर्मराज थे। उन्होंने ब्राह्मण परिवार को विमान से भगवान् के लोक में पहुँचा दिया। **हॉट प्रश्न –** ''अतिथि की सेवा करना परम धर्म है।'' अतिथि को भगवान का दर्जा दिया गया है। अतिथि में स्वयं नारायण का वास होता है। एक चरित्रवान व्यक्ति स्वयं भूखा रह लेता है परन्तु अतिथि को भूखा नहीं रख सकता। अतिथि का सत्कार करना हमारे देश की संस्कृति का एक भाग है। **(ख)** 1. अ 2. अ 3. अ **(ग)** ब्राह्मण, खेतों, बहुत, जौ, ब्राह्मणी, मुट्ठीभर, भगवान, भोग, लोगों,

लिया, भोजन, उसी, भूखे, अतिथि, दरवाजे, ब्राह्मण ने, आदर, अतिथि, आसन, अपने, आटा, भोजन **व्याकरण-बोध (घ)** 1. हृष्ट-पुष्ट 2. वर 3. पुत्री 4. पुरुष 5. सुकाल 6. पाप 7. अपना 8. अधम **(ङ)** 1. खेत 2. ब्राह्मण 3. प्राण 4. लोग 5. आदमी 6. व्यक्ति 7. यज्ञ 8. भूमि **(च)** 1. खेत 2. ब्राह्मण 3. प्राण 4. आदमी 5. व्यक्ति 6. यज्ञ **(छ)** 1. आश्रय, परिजन-समूह 2. मेहमान, पाहुन, आगन्तुक 3. हवन, आहूति-स्थल, होम 4. हरियाणा, कुरुक्षेत्र, प्राचीन राजधानी 5. भगवान, जगदीश, वासुदेव 6. अद्‌भुत, अघटित **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 9 मल्ली

मौखिक अभ्यास – 1. तमिलनाडू में 2. नीलगिरि की पहाड़ियों में 3. टोड़ा जनजाति के **(क)** 1. मल्ला-मल्ली टोडा जनजाति के बच्चे थे। 2. मल्ला-मल्ली घने जंगलों से फल तोड़कर लाते और उन्हें आस-पास के गाँवों व कस्बों में जाकर बेचते। इसके अलावा वे जंगलों से जड़ी-बूटियाँ लाकर वैद्य जी को देते थे। 3. चिकनी चीज एक साँप थी। 4. साँप गुस्से से फुफकारते हुए मल्ली की तरफ तेजी से बढ़ा। 5. मल्ली पूरी ताकत से तालाब में कूद गई और उसने राहत की साँस ली, निराश साँप धीरे-धीरे रेंगते हुए एक पेड़ की जड़ में बने बिल में घुस गया। **हॉट प्रश्न –** साँप उसके भाई को बस काटने वाला ही था कि उसने तुरन्त साँप के सिर पर जोर से डंडा मारा। एक-दो बार ओर मारने से साँप की पकड़ ढीली हो गई फिर मल्ला उसकी पकड़ से छूट गया। **(ख)** 1. अ 2. ब 3. अ **(ग)** 1. पहाड़ियाँ, दक्षिणी 2. टोड़ा, बच्चे 3. बीमार माँ 4. गुस्से, मल्ली 5. तालाब से **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✓) **व्याकरण-बोध (ङ)** 1. जाति 2. लोग 3. जंगल 4. दवा 5. बाल 6. काँटा 7. पहाड़ी 8. कबीला 9. बूँटी 10. साँप 11. पत्थर 12. झाड़ी **(च)** 1. हमारे देश में अनेक आदिवासी जनजातियाँ निवास करती हैं। 2. हमारे समाज में कई धार्मिक परम्पराएँ विद्यमान हैं। 3. जनजातियाँ कबीलों में रहती हैं। 4. मल्ली ने मल्ला को आवाज दी। 5. साँप पेड़ के नीचे छिपा हुआ था। 6. साँप धीरे-धीरे रेंगते हुए पेड़ की जड़ में बने बिल में घुस गया। 7. वैद्यजी उनकी बीमार माँ का मुफ्त इलाज कर रहे थे। 8. बीमार व्यक्ति को चिकित्सक के यहाँ ले जाना चाहिए। 9. कबीलों में आपसी दुश्मनी रहती है। 10. वैद्यजी बीमार व्यक्ति का इलाज कर रहे हैं। **(छ)** 1. अंधकार, तम, तिमिर 2. वन, कानन 3. दवाई, औषधि, आरोग्यकर 4. सर, तडाग, सरोवर 5. वैरी, शत्रु, रिपु 6. भ्राता, सहोदर, बन्धु 7. पहाड़, गिरि, शैल 8. परिजन-समूह, आश्रय 9. वृक्ष, तरु, पादप 10. कपड़ा, चीर, वसन 11. प्रस्तर, पाषाण, शिला 12. जल, नीर तोय। **(ज)** 1. भ्राता 2. सर्प 3. प्रस्तर 4. कण्टक 5. मुख 6. पितृ 7. स्कन्ध 8. सप्त **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 10 वतन की आवाज

मौखिक अभ्यास – 1. जगत में नाम होता है। 2. देश के खातिर 3. वतन को बचाना चाहिए। **(क)** 1. वतन वीर जवानों से दुश्मन को मिटाने की आवाज लगाता है। 2. वतन पर मर-मिटने वालों का देश में नाम होता है। 3. दुनिया की सबसे बड़ी दौलत हमारा वतन है। 4. एकता दिखाकर दुश्मन को मुँह की खिलानी है। 5. सीमा पर हिमालय पहरा दे रहा है। 6. हिमालय पर्वत का कण-कण खून से रंगा है। 7. चमन 'देश' को बताया गया है। **हॉट प्रश्न –** हमारी सबसे बड़ी दौलत हमारा वतन है। हमें इसकी रक्षा करनी चाहिए। जिस तरह शहीदों ने अपने प्राणों का बलिदान कर मातृभूमि को स्वतंत्र कराया, उस मातृभूमि की रक्षा करना अब हमारा कर्तव्य है। **(ख)** 1. अ 2. ब 3. अ **(ग)** 1. देश की खातिर मर जाना ही, उनका काम होता है॥ 2. उजड़ने पाए न हरिगज-तुम्हें इसको बचाना है॥ 3. वतन से बढ़कर दुनिया में कोई दौलत नहीं होती॥ **व्याकरण-बोध (घ)** 1. जग 2. गिरावट 3. कार्य 4. धन 5. विश्व 6. मजहब 7. अजर 8. बलिदान **(ङ)** 1. वीर 2. हाथ 3. वाला 4. दुश्मन 5. सदी 6. यार 7. बरस 8. महीना **(च)** 1. खून, रक्त, रुधिर 2. साहसी, तेजवान, निडर 3. देश, राष्ट्र, मातृभूमि 4. रिपु, दुश्मन, वैरी 5. दौलत, सम्पत्ति, वैभव 6. बाग, बगीचा, उपवन 7. हस्त, कर, पाणि 8. युवक, नौजवान, तरुण **(छ)** 1. वतन, जगत 2. जान, दौलत 3. कण-कण, वीर **(ज)** 1. कायर 2. दोस्त 3. मर्त्य 4. निर्धन 5. शान्त 6. वृद्ध 7. जीना 8. अनाम **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 11 सर चंद्रशेखर वेंकटरमन

मौखिक अभ्यास – 1. दक्षिण भारत के त्रिचनापल्ली नामक स्थान पर। 2. श्री चन्द्रशेखर अय्यर 3. कोलकाता में सांइस कॉलेज के **(क)** 1. चंद्रशेखर का जन्म 17 नवम्बर, सन् 1888 में दक्षिण भारत के त्रिचनापल्ली नामक स्थान पर हुआ था। 2. वेंकटरमन ने 12 वर्ष की उम्र में अच्छे नम्बरों से हाईस्कूल की परीक्षा पास की। सन् 1904 में रमन ने बी. एस. सी. की परीक्षा सम्मान के साथ पास की। बाद में भौतिक विज्ञान में एम. एस. सी. भी किया। 3. चंद्रशेखर ने अपने छात्र-जीवन में 'वर्णपट मापक' तथा 'शब्द-विज्ञान' पर प्रयोग कर संसार के वैज्ञानिकों को चकित कर दिया। 4. विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक लार्ड रैले ने चंद्रशेखर के प्रयोगों की प्रशंसा की। 5. चंद्रशेखर का शरीर व स्वास्थ्य कमजोर होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें समुद्र यात्रा की मनाही कर दी, इसलिये वे विदेश नहीं जा सके। 6. रमन ने यह सिद्ध कर दिखाया कि प्रकाश का रंग परिक्षेपण के बाद बदल जाता है। इस खोज का नाम 'रमन प्रभाव' पड़ा। रमन ने अपनी खोज में बताया कि प्रकाश केवल पारदर्शी पदार्थों में ही नहीं बल्कि ठोस पदार्थों में भी प्रवेश कर जाता है। **हॉट प्रश्न –** सर चन्द्रशेखर वेंकटरमन ने महत्वपूर्ण वैज्ञानिक खोज की जिसने उनका ही नहीं देश का नाम भी बढ़ाया। रमन ने एक महत्त्वपूर्ण वैज्ञानिक खोज की जिसने यह सिद्ध कर दिखाया कि प्रकाश का रंग परिक्षेपण के बाद बदल जाता है। इस खोज का नाम 'रमन प्रभाव' पड़ा। रमन ने यह खोज की कि प्रकाश केवल पारदर्शी पदार्थों में नहीं बल्कि ठोस पदार्थों में भी प्रवेश कर जाता है। **(ख)** 1. ब 2. स 3. ब **(ग)** प्रतिभा, कॉलेज, छात्रवृत्ति, विदेश, रमन, शरीर व स्वास्थ्य, डॉक्टरों, समुद्री यात्रा, विदेश **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✓) 5. (✗) **(ङ)** 1. दक्षिण भारत का नगर, जहाँ वेंकटरमन का जन्म हुआ। 2. मास्टर ऑफ साइंस- रमन ने भौतिक विज्ञान में एम. एस. सी. किया। 3. विश्वविद्यालय आचार्य- रमन कोलकाता साइंस कॉलेज के आचार्य बनाए गए। 4. समिति- सर वेंकटरमन को अनेक वैज्ञानिक संस्थाओं ने बुलाकर सम्मानित किया। 5. बड़ी संस्था या समिति- रमन कोलकाता में 'भारतीय विज्ञान परिषद्' के सदस्य बन गए। 6. विज्ञान की एक शाखा या विषय- रमन को भौतिक विज्ञान का 'नोबेल पुरस्कार' मिला। 7. विश्व प्रसिद्ध पुरस्कार- यह

संसार का सर्वोच्च सम्मान है। 8. वैज्ञानिक चंद्रशेखर वेंकटरमन की एक खोज- सर रमन ने सिद्ध किया कि प्रकाश का रंग परिक्षेपण के बाद बदल जाता है। इस खोज का नाम 'रमन प्रभाव' पड़ा। 9. छानबीन कर गुप्त नवीन रहस्यों का पता लगाना- वैज्ञानिक रमन ने अपना सारा समय अनुसंधान के कार्यों में लगा दिया। 10. देश का एक महानगर- चंद्रशेखर रमन ने कोलकाता के साइंस कॉलेज में रहकर कई महत्त्वपूर्ण वैज्ञानिक खोज की थीं। **व्याकरण-बोध (च)** 1. उत्तर 2. नीचा 3. उथला 4. खोना 5. अपमान 6. दण्ड 7. निन्दा 8. छात्रा 9. आस 10. अंधकार **(छ)** 1. व्यक्तियों 2. वैज्ञानिकों 3. प्रभावों 4. बालकों 5. पुस्तकों 6. कॉलेजों 7. सदस्यों 8. संस्थाओं 9. आचार्यों 10. अनुसंधानों 11. निर्देशों 12. पदार्थों 13. खोजों **(ज)** 1. माध्यमिक विद्यालय 2. विश्वविद्यालय का प्राध्यापक 3. कुलीन, सुप्रतिष्ठित 4. महाविद्यालय 5. अध्यक्षपद 6. विज्ञान 7. विज्ञान की एक उपाधि 'मास्टर ऑफ साइंस (विज्ञान स्नाकोत्तर) 8. संस्था **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 12 जीत का अनुभव

मौखिक अभ्यास – 1. नेपोलियन की 2. फ्रांस के तट पर 3. पेरिस की राजधानी में **(क)** 1. नेपोलियन की पराजय होने पर दुश्मनों ने उसे बंदी बना लिया था, उसे तरह-तरह की यातनाएँ दी जाने लगीं। 2. एक दिन अचानक तेज तूफान आने से चारों ओर अंधेरा छाया हुआ था। समुद्र उफान ले रहा था। सभी पहरेदार भयभीत होकर अपने बचाव के लिए जहाँ-तहाँ छिप गए थे। इस दौरान नेपोलियन अंधेरे का फायदा उठाकर फ्रांस के टापू से भाग निकला। 3. नेपोलियन फ्रांस के टापू से, जहाँ वह बन्दी था, वहाँ से तूफान आने का लाभ उठाकर भाग निकला और अधिकारियों से नजरें बचाकर समुद्र के किनारे खड़े जहाज में बैठ गया। फ्रांस के तट पर पहुँचकर वह घने जंगलों से होकर पेरिस पहुँच गया। 4. नेपोलियन ने सैनिकों को ललकारते हुए कहा, ''वीर सिपाहियों, हमें अभी पेरिस पर हमला करना है।'' नेपोलियन की वाणी का ऐसा जादुई असर हुआ कि सभी सैनिक नेपोलियन के साथ हो गए। 5. नेपोलियन के सैनिकों ने दुश्मनों पर धावा बोल दिया और शत्रुओं को मुँह की खानी पड़ी। **हॉट प्रश्न –** नोपोलियन में धैर्य और साहस कूट-कूटकर भरा हुआ था। उसने देखा सभी सैनिक तो पुराने ही थे। उसने सभी सैनिकों को ललकारा कि मैंने ऐसे गद्दार सैनिकों को सेना में भर्ती नहीं किया जो अपने ही सम्राट को गोलियों का शिकार बना दें। उसने सिपाहियों की तरफ मुड़कर कहाँ – वीर सिपाहियों, हमें अभी पेरिस पर हमला करना है। फिर क्या था, क्षणभर में ही कायापलट हो गई। सिपाहियों ने दुश्मनों पर धावा बोल दिया। वीर नेपोलियन की वीरता रंग लाई और शत्रुओं को मुँह की खानी पड़ी। **(ख)** 1. अ 2. स 3. ब **(ग)** जान, न की, धैर्य, कूट-कूटकर, नजरें, सैनिकों, नेपोलियन, दिमाग, झटका, सैनिक, भय, बात **(घ)** 1. युद्ध में नेपोलियन की पराजय हो गई थी। 2. वहाँ सम्राट 'नेपोलियन जिंदाबाद' के नारे गूँजने लगे। 3. सेनापति, ''अब तुम खुद लड़ाई के लिए तैयार हो जाओ।'' 4. नेपोलियन फिर सम्राट बन बैठा। 5. नेपोलियन को कोई उपाय नहीं सूझ रहा था। **व्याकरण-बोध (ङ)** 1. रंक 2. कायर 3. मित्र 4. स्वतन्त्र 5. धीरे 6. दूर **(च)** 1. सैनिक 2. दुश्मन 3. चार 4. अधिकारी 5. किनारा 6. बंदूक **(छ)** 1. राजा 2. पहरेदार 3. मस्तिष्क 4. मृत्यु 5. तट 6. बोली 7. दुश्मन 8. सुरक्षाकर्मी **(ज)** 1. अँधेरा होने पर नेपोलियन भाग निकला। 2. बंदीजनों को कई यातनाएँ दी गईं। 3. पराजय ने राजा का सब कुछ छीन लिया। 4. सम्राट ने लोगों की समस्याएँ सुनीं। 5. सेना ने शत्रु को चारों ओर से घेर लिया। 6. सैनिक पहरा दे रहा था। **(झ)** जातिवाचक संज्ञा- सैनिक, बंदी, दुश्मन, गद्दार, वीर नर, नारी। भाववाचक संज्ञा- डर, भय, यातना, प्यार, पराजय, वाणी, चारों, अंधेरा, धावा, प्रकाश, भयभीत। व्यक्तिवाचक संज्ञा- किनारा, सेना। **क्रियाकलाप –** शब्द माला- अचानक – कविता – तालीम – मकान – नमक – कमल – लड़का – कागज – जहाज – जगत – तलवार – रकम

अध्याय- 13 चोरी की सजा

मौखिक अभ्यास – 1. खेतीबाड़ी 2. ककड़ियाँ 3. मेहनत करना **(क)** 1. बंदर का नाम 'नटखट' था। 2. बंदर व भालू रायपुर में रहते थे। 3. बंदर दूसरों को चोरी नहीं करने और मेहनत से काम करने का उपदेश दिया करता था। 4. बंदर ने एक तरकीब सोची और चोरी के पाप से बचने के लिए बोला, ''भालू भाई, तेरे खेत में ककड़ियाँ आईं।'' और फिर खुद ही भालू दादा बनकर उत्तर दिया, ''सात, आठ तोड़ लो भाई।'' 5. भालू दादा हाथ में एक मोटा डंडा लेकर अपने खेत में छिपकर बैठ गए और नटखट बंदर को ककड़ियाँ तोड़ते देख पकड़ लिया। भालू दादा ने नटखट बंदर की डंडे से पिटाई की, तो वह चोरी नहीं करने और माफी माँगने की कहकर निकलकर भाग गया। **हॉट प्रश्न –** भालू दादा ने नटखट बंदर को रंगेहाथ पकड़ लिया और मोटा डंडा लेकर उसके सामने खड़े हो गए और जब भालू दादा का पहला मोटा डंडा बन्दर पर पड़ा तो वह चिल्लाया – माफ करो दादा आगे से चोरी नहीं करूँगा। नटखट बन्दर आगे और भालू दादा पीछे-पीछे। सभी लोगों को पता चल गया कि नटखट बन्दर चोर है। इस तरह नटखट बन्दर को अपनी करनी का अच्छा फल मिला था। **(ख)** 1. स 2. ब 3. अ **(ग)** 1. धंधा 2. तरकीब 3. चोरी 4. फल **(घ)** 1. नटखट बंदर ने स्वयं से 2. भालू दादा ने स्वयं से 3. भालू दादा ने स्वयं से 4. नटखट बंदर ने भालू दादा से 5. नटखट बंदर ने स्वयं से। **(ङ)** बहुत, खेत, प्रश्नोत्तर, ककड़ियाँ, भालू, खेत, ककड़ियाँ, धीरे, रही, लगता, कौन, रहा **व्याकरण-बोध (च)** 1. बंदरिया 2. दादी 3. किसानिन **(छ)** 1. शोर 2. धीरे 3. पतला 4. निश्चिन्त 5. ईमानदारी 6. कम 7. शाम **(ज)** 1. ककड़ी 2. झाड़ी 3. दूसरा 4. दिन 5. हाथ 6. निवासी **(झ)** 1. कपि, मर्कट, वानर 2. दिवस, वार, वासर 3. उपाय, हल, समाधान 4. कृष, भू-भाग 5. तस्कर, मौषक, खनक **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 14 हीरे का मूल्य

मौखिक अभ्यास – 1. विद्वान 2. सब्जी वाले के पास 3. पन्द्रह मिनट **(क)** 1. बच्चे को हीरा उसकी माँ ने दिया था, जो उसको जौहरी पति से मिला था। 2. हीरा अमूल्य था, उसका मूल्य लगाना संभव नहीं था। 3. बूढ़े जौहरी ने लड़के से कहा ''हीरे की कीमत कहने से इसका तिरस्कार होगा, अपमान होगा। यह अमूल्य हीरा है।'' जौहरी ने लड़के से उसकी तीन दुकानों से नियत समय तक मनचाही वस्तुएँ निकालकर लेने को कहा। 4. बूढ़े जौहरी के पास तीन दुकानें थीं। 5. तीसरी दुकान में लड़के को एक घण्टे का समय दिया गया। 6. बूढ़े जौहरी ने कहा कि ''उसको निकालो यहाँ से, उसका मुँह मेरे को मत दिखाओ। किसी काम का आदमी नहीं है।'' **हॉट प्रश्न –** बूढ़े जौहरी ने हीरे को अमूल्य बताया। उसने उस लड़के को अपनी तीनों दुकानों में क्रमशः पन्द्रह, पच्चीस व

साठ मिनट ठहरने का समय दिया। इस बीच वह जो भी माल बाहर फेंक देगा, वह उसका हो जायेगा। परन्तु वह कुछ भी नहीं ले पाया। **(ख)** 1. अ 2. अ 3. ब **(ग)** 1. बालक ने बूढ़े जौहरी से 2. बूढ़े जौहरी ने लड़के से 3. बूढ़े जौहरी ने अपने आदमियों से 4. बूढ़े जौहरी ने लड़के से 5. लड़के ने बूढ़े जौहरी से **(घ)** हम, पन्द्रह मिनट, भीतर, वस्तुएँ बाहर, वस्तु, रखने वाले, केवल, पन्द्रह, होने, उसमें, रह, अच्छी **(ङ)** 1. पन्द्रह 2. पच्चीस 3. एक घंटा 4. अमूल्य 5. जौहरी **व्याकरण-बोध (च)** 1. धीरे 2. वृद्धावस्था 3. जीवन 4. पुरुष 5. माताजी 6. छोटा 7. बाहर 8. निस्तेज 9. आओ 10. अमूल्य **(छ)** 1. लड़की 2. माताजी 3. बुढ़िया 4. स्त्री 5. माता 6. पिता 7. दौलत 8. मृत्युन्जय **(ज)** 1. एक विद्वान जौहरी था। 2. वह तो बड़े नामी पारखी थे। 3. दैवयोग से युवावस्था में ही जौहरी की मृत्यु हो गई। 4. यह अमूल्य हीरा है। 5. लड़के को दुकान दिखायी गयी। 6. दूसरी दुकान में विलक्षण सजावट थी। 7. यह तो अजायबघर है। 8. वह लड़का विलक्षण बुद्धि का है। **क्रियाकलाप –** डायमंड, गोल्ड, सिल्वर, आयरन, कॉपर।

अध्याय- 15 उपकार का बदला

मौखिक अभ्यास – 1. दूर के मामा 2. बचपन के दिन 3. आधी जमीन, आधे जानवन और अपनी पत्नी के गहने। **(क)** 1. जगदेव की दस वर्ष की उम्र में उसके माता-पिता की हैजे की बीमारी से मृत्यु हो गई थी और वह अनाथ हो गया। 2. जगदेव कोलकात्ता में सेठ बाबू गंगाधर के यहाँ रहता था। 3. जगदेव ने अपने गाँव में खरीदी हुई आधी जमीन, आधे जानवर और पत्नी के कुछ गहने बेचकर लगभग पाँच हजार रुपये जमा करके सेठानी को दे दिये। इन रुपयों से सेठ ने अपनी लड़की की शादी कर दी। 4. सेठ गंगाधर को जगदेव के सेठानी को दिये हुए रुपयों के बारे में सब कुछ पता चल गया। 5. जगदेव सेठ की लड़की राधा का उसके रुपयों की मदद से विवाह होने पर बहुत खुश हुआ। वह बाल्यकाल से लेकर आज तक के ऋण से मुक्त हो चुका था। **हॉट प्रश्न –** 1. जगदेव ने उपकार का बदला बाबू गंगाधर को उनकी बेटी के लिए शादी के पैसे देकर चुकाया। जगदेव ने स्वयं को अपने बच्चे की तरह पालने-पोसने वालों की मदद करके अपने मन को तसल्ली दी। 2. जगदेव ने बाबू गंगाधर की पुत्री की शादी के लिए गाँव में अपनी आधी जमीन, आधे जानवर और अपनी पत्नी के गहने बेच दिए। इससे उसको पाँच हजार रुपये प्राप्त हुए जो उसने बाबू गंगाधर को दे दिए। इससे गंगाधर की पुत्री की शादी धुमधाम से हो गई। इस तरह जगदेव ऋण से मुक्त हो गया। **(ख)** 1. ब 2. ब 3. ब **(ग)** पाँच, अच्छा विवाह, गंगाधर, संकोच, जगदेव, जिद, हारना, दिनों, वर, घर, धूमधाम से राधा, किसी, कुछ, सका कि, सब, हो गया **(घ)** 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓) **व्याकरण-बोध (ङ)** 1. अपकार 2. वृद्ध 3. पिता 4. जीवन 5. नफरत 6. बेघर 7. वृद्धावस्था 8. रात 9. दुःखी 10. मालिक 11. निर्विवाह 12. बुरा **(च)** 1. भाई 2. माता 3. वधू 4. पति 5. पिता 6. मामी 7. सेठानी 8. लड़का 9. नौकरानी **(छ)** 1. उपकार 2. वर्ष 3. दो 4. गाँव 5. कदम 6. चरण **(ज)** 1. भलाई 2. लेखाकार 3. देख-रेख 4. काम-धंधा 5. विवाह योग्य पुरुष 6. समर्पण **(झ)** 1. संध्या, संध्याकाल, सूर्यास्त 2. दूल्हा, विवाह योग्य पुरुष 3. भलाई, नेकी 4. गृहिणी, भार्या, दारा 5. माता, जननी, अम्बा 6. भ्राता, बन्धु, भैया क्रियाकलाप – छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 16 महाभारत

मौखिक अभ्यास – 1. भीम 2. दुर्योधन ने 3. इन्द्रप्रस्थ **(क)** 1. राजा धृतराष्ट्र के सौ पुत्र कौरव तथा पांडु के पाँच पुत्र पाण्डव कहलाते थे। 2. कौरव और उनके समर्थक योद्धाओं तथा पाण्डव व उनके समर्थकों के मध्य महाभारत का युद्ध हुआ। 3. तेरह वर्षों के वनवास के उपरान्त जब पाण्डवों ने अपना राज्य माँगा, तो दुर्योधन 'सूईं की नोंक के बराबर भी पृथ्वी नहीं देनें' की हठ पर अड़ गया, इस कारण से कुरुक्षेत्र के मैदान में कौरव व पाण्डवों के मध्य भयंकर युद्ध हुआ। 4. श्रीकृष्ण महाभारत के युद्ध में पाण्डवों की ओर थे। 5. युधिष्ठिर के धर्म राज्य से प्रजा बड़ी खुश थी। **हॉट प्रश्न –** 1. महाभारत का युद्ध कौरवो और पाण्डवों के बीच हुआ था। इस युद्ध में ही श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था कि व्यक्ति को बिना फल की चिन्ता किए अपना कर्म निरन्तर करते रहना चाहिए। महाभारत का युद्ध धर्म और अधर्म का युद्ध था। 2. महाभारत के अन्दर कर्ण और अर्जुन का युद्ध बहुत प्रसिद्ध है। वे बाणों की झड़ी लगा देते थे। एक अग्नि बाण छोड़ता तो चारों ओर आग लग जाती, दूसरा ब्रह्मबाण छोड़कर पानी बरसा देता था। एक आँधी चला देता तो दूसरा उसे रोक देता था। अन्त में कर्ण मारा गया। **(ख)** 1. ब 2. अ 3. ब **(ग)** युधिष्ठिर, लड़ाइयाँ, यज्ञ, दुर्योधन, पाण्डवों, द्वेष, मामा शकुनि, युधिष्ठिर, जुए, राज, पाण्डवों, द्रोपदी वनवास **(घ)** 1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓) **व्याकरण-बोध (ङ)** 1. हस्तिनापुर में कुरु वंश के राजा राज्य करते थे। 2. पांडु के पाँच पुत्र पाण्डव कहलाते थे। 3. दुर्योधन ने अपने मामा शकुनि की मदद से युधिष्ठिर को जुए में हरा दिया। 4. द्वारका के राजा श्रीकृष्ण ने समझौता कराने की बड़ी कोशिश की। 5. पाण्डवों ने इन्द्रप्रस्थ में अपनी राजधानी बनायी। 6. दुर्योधन ने अपने मामा शकुनि की मदद से युधिष्ठिर को जुए में सबकुछ हरा दिया। 7. पाण्डवों में अर्जुन तीर-कमान चलाने में बड़े निपुण थे। 8. गीता सभी स्थानों पर आदर के साथ पढ़ी जाती है। 9. धृतराष्ट्र के सौ पुत्र कौरव कहलाते थे। 10. पाण्डवों की विजय होने पर युधिष्ठिर राजा बने। 11. भीम बड़े बलवान थे। **(च)** 1. रंक 2. निर्बल 3. शान्ति 4. पुरुष 5. अवदेश 6. बेटी 7. छोटा 8. हार 9. राजा 10. कायर **(छ)** 1. पाण्डव 2. कौरव 3. ब्राह्मण 4. कर्त्तव्य 5. पुस्तक 6. पुत्र 7. युद्ध 8. मैदान **(ज)** 1. कुशल, प्रवीण 2. किताब, पोथी, ग्रन्थ 3. धरा, धरती, वसुंधरा 4. नभ, अम्बर, गगन 5. रण, संग्राम, लड़ाई 6. भूपति, राव, नृप 7. आचार्य, गुरुवर, प्रशिक्षक 8. वीर, रणवीर, युद्ध कुशल 9. भ्राता, सहोदर, बन्धु 10. पुत्र, तनय, सुत **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 17 मेहनत का रुपया

मौखिक अभ्यास – 1. उसकी स्त्री और एक कन्या। 2. राजभवन में 3. राजा से **(क)** 1. ब्राह्मण अपनी कन्या के विवाह के लिये धन की याचना करने के लिए राजा के पास गया। 2. राजा ने ब्राह्मण को कई बार

दस सहस्र रुपये दिये। अन्त में राजा ने अपना राज्य ही ब्राह्मण को सौंप दिया। 3. राजा लोहार के पास काम माँगने के लिये गया था। 4. ब्राह्मण ने राजा के परिश्रम के चार पैसे ब्राह्मणी को दे दिये, पर ब्राह्मणी ने गुस्से में तुनककर चारों पैसे जमीन पर फेंक दिए। दूसरे दिन ब्राह्मण के आँगन में, जहाँ चारों पैसे फेंके गए थे, चार छोटे-छोटे पेड़ उग आए। उन पेड़ों में भाँति-भाँति के रत्नों के फल लगे हुए थे। 5. परिश्रम का धन कल्पवृक्ष के समान ही होता है। **हॉट प्रश्न –** राजा वेश बदलकर काम की तलाश में निकला। नगर में चारो ओर लोग गहरी नींद में सो रहे थे। राजा एक लोहार के पास पहुँचा। राजा ने लोहार से काम देने के लिए याचना की और उसकी दुकान पर काम करके चार पैसे कमाएँ। **(ख)** 1. ब 2. स 3. अ **(ग)** ईमानदारी, पैसों, रत्नों, फल, समझ, आपके, छोड़कर, परिश्रम, क्यों, माँगा **(घ)** 1. ब्राह्मण ने राजा से 2. राजा ने लोहार से 3. ब्राह्मण ने राजा से **व्याकरण-बोध (ङ)** 1. आलस्य 2. रंक 3. सुत 4. प्रतिदान 5. पुण्य 6. राक्षस 7. जाग 8. झोंपड़ी **(च)** 1. कल्पना के अनुसार वस्तुएँ प्रदान करने वाला वृक्ष 2. विचार करने वाला 3. मेहनत 4. मनन या तपस्या 5. लौहकार 6. राज्य करने वाला या शासक 7. निर्धन 8. कीमती धातु या बहुमूल्य जेवरात 9. घर के अन्दर खुला स्थान या जमीन **(छ)** 1. रत्न 2. कान 3. ब्राह्मण 4. वृक्ष 5. पैसा 6. रुपया 7. चार 8. राज्य **(ज)** 1. रानी 2. सुत 3. ब्राह्मणी 4. पुरुष 5. लड़की 6. विदुषी 7. लोहारिन 8. बहन **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।

अध्याय- 18 दीप-शिखा

मौखिक अभ्यास – 1. थर-थर काँपती है। 2. निशि (रात) के आने से 3. दीपशिखा **(क)** 1. दीप-शिखा गोदी के बच्चे-सी अर्थात् छोटे बच्चे की भाँति है। 2. दीप-शिखा दिन में सोती व रात्रि में जागती है। 3. बच्चों को दीप-शिखा भय से बचाती है। 4. दीप-शिखा की माँ कठोर है। 5. बच्चे घर की शोभा होते हैं अर्थात् बच्चों से ही घर में दीपक की रोशनी की भाँति प्रकाश उत्पन्न होता है, जो सभी को प्यारा लगता है। **हॉट प्रश्न –** दीपशिखा से तात्पर्य दीपक की लॉ से है। एक दिपक में घने अंधेरे को चीरकर प्रकाशित करने की शक्ति होती है, लेकिन हवा का हल्का-सा झोंका भी उसे बैचेन कर जाता है। **(ख)** 1. अ 2. अ 3. स **(ग)** 1. आते, सोती, जगती 2. भय, संग 3. निठुर, विलग **व्याकरण-बोध (घ)** 1. यह एक लघु राज्य है। 2. बच्चे गोदी में खुश रहते हैं। 3. निशि आते ही बच्चे सो जाते हैं। 4. भय प्रेम का कारण है। 5. मोहन का संग अच्छा नहीं है। 6. सुनीता भय से सहमी-सी खड़ी हुई थी। **(ङ)** 1. निर्भय 2. दीर्घ 3. प्रात: 4. विलग 5. नरम 6. एकाकी 7. सोना 8. रात **(च)** 1. दीप, प्रदीप, दीया 2. चोटी, सिरा 3. नन्हा, बालक, पूत 4. आवास, गृह, भवन 5. प्रेम, प्रीत, स्नेह 6. डर, आतंक 7. रात्रि, रात, रजनी। **क्रियाकलाप –** छात्र स्वयं करें।